THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 342 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.6 2079 शनिवार, 25 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आप-भाजपा पार्षदों में फिर मारपीट

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी और भाजपा पार्षदों में एक बार फिर मारपीट हो गई। दरअसल, काउंटिंग के दौरान एक वोट को मेयर ने अनवैलिड घोषित कर दिया था। इसके बाद मेयर ने रीकाउंटिंग का आदेश दिया। इसी आदेश के बाद हंगामा शुरू हो गया। पार्षदों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। मारपीट में कई पार्षद घायल हो गए। एक पार्षद की हालत खराब हो गई।

सूत्रों की मानें तो स्टैंडिंग कमेटी के चुने हुए सदस्यों की पहली लिस्ट पर मेयर शैली ओबेरॉय ने साइन करने से इनकार कर दिया तो रिकॉउंटिंग के फैसले पर निगम सचिव ने साइन करने से मना कर

दिया। इस पर मेयर और निगम सचिव के बीच तल्ख बातचीत हो गई। दोनों के बीच हुई तनातनी के दौरान भाजपा पार्षदों ने अनवैलिड वोट को वैलिड करने की मांग की तो मेयर ने कहा कि अनवैलिड वोट को मान्य नहीं कर सकते। इस पर भाजपा पार्षद टेबलों पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। उन्हें रोकने के लिए आप पार्षद आगे बढ़े तो दोनों पार्टियों के पार्षदों में मारपीट शुरू हो गई। मेयर चुनाव बीत जाने के दो दिन बाद शुक्रवार को स्टैंडिंग कमेटी के 6 सदस्यों के लिए वोटिंग हुई। 250 सदस्यों वाली एमसीडी में 242 सदस्यों ने ही वोट डाले। वोटों की गिनती के दौरान एक वोट अनवैलिड हुआ तो भाजपा पार्षदों ने चीटर-चीटर और चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर मेयर शैली ओबेरॉय ने रीकाउंटिंग का आदेश दिया था। इससे पहले, आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने दावा किया था कि एमसीडी स्थाई समिति के छह सदस्यों के चुनाव में आम आदमी पार्टी को 138 वोट मिले हैं, जबकि उनके पास 134 पार्षद हैं। इनमें से एक सुबह भाजपा में चले गए। 138 वोट मिलने का मतलब है कि भाजपा के 5 पार्षदों ने आप को वोट दिया है।

शुक्रवार सुबह जैसे ही मतदान शुरू हुआ बवाना से आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद पवन सहरावत भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि अभी और पार्षद भाजपा में शामिल होंगे। सदन में जैसे ही वोटिंग के लिए उनका नाम पुकारा गया तो आप पार्षदों ने गद्दार-गद्दार के नारे लगाए। >14

सुकेश चंद्रशेखर की ईडी रिमांड 3 दिन के लिए बढ़ा दी गई

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर की ईडी रिमांड 3 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। ईडी ने आरोप लगाया कि उन्हें दीपक रामदानी और कुछ जेल अधिकारियों को किए भुगतान के बारे में जानकारी चाहिए। ईडी को सह-आरोपी दीपक रामदानी की 5 दिन की रिमांड भी मिली है। सुकेश चंद्रशेखर ने कथित तौर पर जपना से 3.5 करोड़ रुपये की ठगी की थी और वादा किया था कि वह उस पैसे का इस्तेमाल उसके पति को जेल से छुड़ाने के लिए करेगा। जपना के पति रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) मामले में धन की कथित हेराफेरी के सिलसिले में जेल में है। >14

एलजी का आदेश न मानें : सिसोदिया

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी थमने का नाम नहीं ले रही है। दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों ने अपने विभाग के सचिवों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि सीधे उपराज्यपाल (एलजी) से मिलने वाले आदेश का पालन न करें, उसकी सूचना प्रभारी मंत्री को दें। ट्रांजैक्शन ऑफ बिजनेस रूल्स (टीबीआर) का सख्ती से पालन करें।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, एलजी सीधे सचिवों को आदेश जारी करके टीबीआर और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के नियम 49 और 50 का उल्लंघन कर रहे हैं। एलजी के ऐसे अवैध आदेशों को लागू करना टीबीआर के नियम 57 का उल्लंघन माना जाएगा। एलजी का विभागों को सीधे आदेश देना संविधान और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। पिछले महीने दिल्ली में शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड जाने से रोकने के मुद्दे पर सियासत गर्मा गई थी। सीएम अरविंद केजरीवाल दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना से मिलने कानून की किताब लेकर पहुंचे थे। एलजी से मुलाकात के बाद केजरीवाल ने कहा कि हम मिलकर काम करना चाहते हैं। एलजी से मुलाकात

के बाद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से हम लोग देख रहे हैं कि दिल्ली सरकार के कामों में उनका हस्तक्षेप बढ़ता ही जा रहा है। इससे दिल्ली के लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं। इसी को लेकर आज उपराज्यपाल से मिलने गया था। मैं देश का संविधान, जीएनसीटी एक्ट समेत क्ई कानूनों की किताबें लेकर गया था।

केजरीवाल ने कहा था कि कानून कहता है कि पुलिस, कानून और लैंड उपराज्यपाल का विषय और बाकी का अधिकार चुनी हुई सरकार के पास है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का आदेश कहता है कि ट्रांसफर्स विषयों पर उपराज्यपाल को निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है।

जेल से लवप्रीत तूफान रिहा, खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह का है करीबी

अमृतसर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब की अजनाला कोर्ट के आदेश के बाद खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के सहयोगी लवप्रीत तूफान को रिहा कर दिया गया है। एसएसपी ग्रामीण अमृतसर सतिंदर सिंह के मुताबिक लवप्रीत सिंह की रिहाई को लेकर कोर्ट में आवेदन दिया गया था।

पंजाब में गुरुवार को 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े हजारों लोगों ने अमृतसर के अजनाला में जमकर बवाल किया था। इस दौरान थाने पर भी हमला किया गया था। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में बंदूकें और तलवारें थीं। 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के करीबी लवप्रीत तूफान की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। अमृतपाल सिंह एक स्वयंभू धार्मिक उपदेशक है और खालिस्तान का समर्थक भी है।

लवप्रीत सिंह तूफान की रिहाई की मांग को लेकर कट्टरपंथी नेता अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में पंजाब में विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि अदालत ने लवप्रीत सिंह तूफान को जेल से बाहर निकलने का आदेश जारी किया है। अमृतसर-ग्रामीण के एसएसपी सतिंदर सिंह ने समाचार एजेंसी के हवाले से कहा, अदालत ने लवप्रीत सिंह तूफान के लिए रिहाई के आदेश दिए हैं, जिन्हें आज अमृतसर जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

असम के सीएम का दावा पवन खेड़ा ने माफी मांगी

गुवाहाटी, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को असम पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया था। हालांकि कुछ ही घंटे बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम बेल दे दी। खेड़ा के बयान को लेकर असम के सीएम हेमंत बिस्व सरमा ने बयान दिया है। सरमा ने दावा किया कि खेड़ा ने अपने बयान पर बिना शर्त माफी मांग ली है। सरमा ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पर लिखा- आरोपी (पवन खेड़ा) ने बिना शर्त माफी मांगी है। हम उम्मीद करते हैं कि सार्वजनिक स्थानों की पवित्रता को बनाए रखते हुए अब से कोई भी राजनीतिक भाषण में असभ्य भाषा का इस्तेमाल नहीं करेगा। >14

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिल्म मेकर करीम मोरानी पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई नाम सामने आ चुके हैं। अब इस लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है और यह नाम है फिल्ममेककर करीम मोरानी का। करीम मोरानी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने समन भेजा है। ऐक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को सुकेश के जरिए घर गिफ्ट्स देने के मामले में करीम मोरानी का नाम भी सामने आया था, इसी मामले में करीम को अगले एक से दो दिन में ईडी के सामने पेश होना है।

विवादों में रहे हैं करीम :

करीम मोरानी भारतीय फिल्ममेकर हैं, जिन्हें चेन्नई एक्सप्रेस और रा.वन जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। करीम का नाम पहले भी विवादों में रह चुका है। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में, 2017 में दिल्ली की एक 25 साल की छात्रा संग रेप के मामले में हैदराबाद पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके बाद 23 सितंबर 2017 को करीम को सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ कथित बलात्कार के मामले में मोरानी को एंटीसिपेटरी बेल देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद मोरानी को हैदराबाद पुलिस के सामने सरेंडर भी करना पड़ा था।

आरएसएस : पाकिस्तान को 10-20 टन गेहूं भेज दो

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आर्थिक तंगी पर संघ ने सरकार को पड़ोसी धर्म निभाने की सलाह दी है। संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि पाकिस्तान की भुखमरी के दौरान भारत उन्हें 10-20 टन गेहूं भेज सकता है। डॉ. कृष्ण गोपाल फिल्म प्रोड्यूसर इकबाल दुर्रानी के दिल्ली में हो रहे प्रोग्राम में बोल रहे थे। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे।कृष्ण गोपाल ने कहा, पाकिस्तान में आटा 250 रुपए किलो हो गया है। हमें दुख होता है। हम उन्हें आटा भेज सकते हैं। भारत तो 25-50 लाख टन गेहूं भी उन्हें दे सकता है, लेकिन वो मांगते ही नहीं है। 70 साल पहले वो हमारे साथ ही थे। >14

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और बिहार सरकार को नोटिस

पटना, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट के 7 जजों का जीपीएफ (जनरल प्रॉविडेंट फंड) खाता बंद हो गया है। सातों जजों ने सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर गुहार लगाई है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और बिहार सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मंगलवार को जब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सीजेआई भी हैरान रह गए थे। सीजेआई ने पूछा- क्या? जजों का जीपीएफ खाता बंद? याचिकाकर्ता कौन है?

इसके बाद सीजेआई ने कहा कि इस मामले में 24 फरवरी को सुनवाई होगी। शायद देश के इतिहास में यह पहली घटना है जब भेदभाव किए जाने के खिलाफ हाई कोर्ट के सात मौजूदा जज न्याय की गुहार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हों। सभी जजों ने सुप्रीम कोर्ट में सामान्य भविष्य निधि खातों को बंद करने के लिए केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की खंडपीठ से मामले में जल्द सुनवाई करने की तारीख मांगी गई थी। याचिका दायर करने वाले न्यायमूर्ति शैलेन्द्र सिंह, न्यायमूर्ति अरुण कुमार झा, न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार, न्यायमूर्ति आलोक कुमार पांडेय, न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा, न्यायमूर्ति चन्द्रप्रकाश सिंह और न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर झा हैं। ये सभी न्यायिक सेवा कोटे से 22 जून को न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। जज बनने के बाद इन सभी के जीपीएफ अकाउंट को बंद कर दिया गया।

सीआईडी ने कुख्यात मानव तस्कर को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य पुलिस की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने एक कुख्यात मानव तस्कर को धर दबोचा है। उसकी पहचान ध्रुव साधुखां (33) के तौर पर हुई है। मूल रूप से उत्तर 24 परगना के बागदा के रहने वाले ध्रुव के खिलाफ 15 दिसंबर 2022 को आसनसोल जीआरपी में मामला दर्ज किया गया था। उस पर सीमावर्ती क्षेत्रों की लड़कियों को तस्करी करने के आरोप लगे थे। इसके बाद सीआईडी ने घटना की जांच अपने हाथों में ले ली थी। आज गुरुवार को सीआईडी की टीम ने राणाघाट पुलिस जिला अंतर्गत धानतला थाना क्षेत्र के गुप्त ठिकाने पर छापेमारी कर उसे धर दबोचा है। उसे आज ही आसनसोल की कोर्ट में पेश कर 10 दिनों की सीआईडी हिरासत में लिया गया है।

शिवसेना पर चुनाव आयोग के फैसले में संविधान विशेषज्ञ ने बताई खामी

पूर्व चुनाव आयुक्तों ने किया बचाव

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बीते दिनों चुनाव आयोग ने अपने एक अहम फैसले में शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना मानते हुए उसे पार्टी का चुनाव चिन्ह धनुष बाण देने का फैसला किया था। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को स्टे करने से इनकार कर दिया। ऐसे में ये चर्चा शुरू हो गई है कि चुनाव आयोग का फैसला कितना सही है। संविधान विशेषज्ञ पीडीटी अचारी का मानना है कि चुनाव आयोग का फैसला त्रुटिपूर्ण है। वहीं दो पूर्व चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसले को सही ठहराया है।

चुनाव आयुक्तों ने चुनाव आयोग के फैसले का सही बताया

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने शिवसेना मामले पर चुनाव आयोग के फैसले को सही बताया। उन्होंने कहा कि आयोग हमेशा ऐसे मामलों में सादिक अली सुप्रीम कोर्ट मामले का पालन करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे मामलों पर चुनाव आयोग का फैसला ही मान्य है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को स्टे भी नहीं किया है। वहीं पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने भी चुनाव आयोग के फैसले का समर्थन किया है। जुलाई 2010 से जून 2012 के बीच देश के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे एसवाई

कुरैशी ने कहा कि चुनाव आयोग का फैसला नियमों के तहत लिया गया है। हमेशा विधायकों और सांसदों की संख्या ही ऐसे मामलों में निर्णायक साबित होती हैं। साल 1971 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कुरैशी ने बताया कि पार्टी में फूट की स्थिति में जिसके बाद बहुमत होता है, वही विजेता माना जाता है। अगर एक गुट ही पार्टी है तो वहां बंटवारे का सवाल ही नहीं उठता। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के मामले पर सुनवाई के बाद चुनाव आयोग फैसला देता तो ज्यादा ठीक रहता।

क्या था चुनाव आयोग का फैसला

चुनाव आयोग ने अपने फैसले में एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना माना था। चुनाव आयोग ने जांच में पाया कि 2019 विधानसभा चुनाव के दौरान शिवसेना के 55 विधायकों को जो कुल वोट मिले थे, उनमें से 76 फीसदी वोट शिंदे गुट के विधायकों के पास थे। वहीं उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को 23.5 फीसदी वोट ही मिले थे। यही वजह थी कि तीन सदस्यों वाले आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट के पक्ष में फैसला दिया।

संविधान विशेषज्ञ ने बताई फैसले की कमी

संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा महासचिव पीडीटी अचारी ने शिवसेना मामले पर चुनाव आयोग के फैसले को त्रुटिपूर्ण बताया है। अचारी ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने फैसले में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के संगठन की ताकत को नजरअंदाज किया। चुनाव आयोग को पार्टी के विधायी विंग के साथ ही संगठनात्मक विंग की ताकत को भी आधार बनाना चाहिए था। चुनाव आयोग ने सिर्फ विधायी ताकत के आधार पर एकनाथ शिंदे गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अचारी ने ये भी कहा कि चुनाव आयोग ने पार्टी के संविधान को लेकर भी टिप्पणी की लेकिन चुनाव आयोग किसी राजनैतिक पार्टी के ढांचे और उसके कामकाज पर टिप्पणी नहीं कर सकता है।

चुनाव आयोग का तर्क

चुनाव आयोग ने अपने फैसले में कहा था कि शिवसेना का संविधान लोकतांत्रिक तरीके से काम नहीं कर रहा था और सभी शक्तियां शीर्ष व्यक्ति (ठाकरे) के पास थीं। फैसले में कहा गया कि पार्टी संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के निधन के बाद पार्टी संविधान में संशोधन किया गया, जो कि अलोकतांत्रिक तरीके से हुआ और पार्टी में पदाधिकारियों की नियुक्ति भी मनमाने ढंग से की गई। आयोग ने कहा कि पार्टी के संविधान में कई बार संशोधन किए गए। आयोग ने बताया कि इसी वजह से उन्होंने शिवसेना की संगठन की ताकत को अपने फैसले में शामिल नहीं किया।

रेलवे ट्रैक पर वीडियो बनाना 'जान' पर पड़ा भारी, ट्रेन से कटकर दो युवकों की मौत

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। रेल की पटरी पर मोबाइल से वीडियो बनाना दो युवकों को जान पर भारी पड़ गया। दिल्ली पुलिस ने कांती नगर फ्लाईओवर के पास रेलवे ट्रैक पर दो युवकों के शव बरामद किए हैं। चश्मदीदों के अनुसार, दोनों युवक मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। इसी दौरान वहां ट्रेन आ गई और दोनों युवक ट्रेन की चपेट में आ गए। मृतकों की शिनाख्त बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र वंश शर्मा (23) और सेल्समैन मोनू (20) के रूप में की गई है। ये दोनों दिल्ली के कांती नगर एक्सटेंशन के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार (22 फ़रवरी) शाम की है। शाहदरा थाना पुलिस को शाम 4.35 बजे खबर मिली थी कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर दो युवकों की लाश पड़ी हुई हैं।

पेड़ से टकराकर पलटी कार, दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत

तेजपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। असम में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। दरअसल एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गई। जिससे कार में सवाल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि सड़क हादसा सोनितपुर जिले में हुआ। कार तेजपुर से बालीपारा जा रही थी। कार में 25-30 साल की उम्र के पांच लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि सोनितपुर में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई।

राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के पति देवीसिंह शेखावत का पुणे में निधन

कुछ दिन पहले ही अस्पताल में हुए थे भर्ती

पुणे, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के पति देवीसिंह शेखावत का 89 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से यहां एक निजी अस्पताल में शुक्रवार को निधन हो गया. पूर्व राष्ट्रपति के परिवार से जुड़े करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि उन्हें कुछ दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था. एक सूत्र ने कहा, 'दिल का दौरा पड़ने से आज सुबह नौ बजे उनका निधन हो गया.' उनके परिवार में पत्नी प्रतिभा पाटिल, एक बेटा तथा एक बेटी हैं. सूत्र ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार पुणे में किया जाएगा. सूत्रों के मुताबिक शेखावत 12 फरवरी को पुणे में अपने घर के लॉन के बाहर सुबह के समय गिर गए थे. उनकी सर्जरी हुई थी, लेकिन बाद में उच्च रक्तचाप, गुर्दे की विफलता आदि सहित कई अन्य जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया.

नारनौल में युवक की गोली मारकर हत्या

नारनौल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में पुरानी रंजिश के चलते युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली लगने से युवक का सिर फट गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल भी लेकर गए, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की शादी 15 दिन पहले ही हुई थी। मृतक की पहचान गांव गहली निवासी अजय के रूप में हुई है। गांव में 2 गुटों के बीच में पुराना विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते एक गुट के युवक ने सुबह करीब 10 बजे अजय को गोली मार दी।

पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने सक्रिय राजनीति से लिया संन्यास

बोले- आखिरी सांस तक...

बेंगलूरू, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने सक्रिय राजनीति से रिटायरमेंट लेने की घोषणा कर दी है. उन्होंने शुक्रवार (24 फरवरी) को विधानसभा में अपना अंतिम भाषण दिया. येदियुरप्पा ने कहा, मैंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का फैसला किया है, लेकिन बीजेपी को जिताने के लिए आखिरी सांस तक काम करूंगा. मेरा एकमात्र उद्देश्य बीजेपी को सत्ता में वापस लाना है और मुझे यकीन है कि ऐसा होगा. बता दें कि कर्नाटक विधानसभा के बजट सत्र का आज आखिरी दिन था. इससे पहले, बुधवार (22 फरवरी) को येदियुरप्पा ने कहा था कि मैं पहले ही घोषणा कर चुका हूं कि मैं इस बार चुनाव नहीं लड़ूंगा, लेकिन अपनी आखिरी सांस तक मैं सक्रिय रूप से पार्टी की सफलता के लिए काम करूंगा.

'मुझे चार बार सीएम के रूप में शपथ दिलाई गई'

अपनी फेयरवेल स्पीच में येदियुरप्पा ने कहा कि कई मौकों पर विपक्ष ने यह टिप्पणी की थी बीजेपी ने मुझे दरकिनार कर दिया है, लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मुझे चार बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है. इतने मौके किसी और नेता को नहीं दिए गए हैं. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदा आभारी रहूंगा.

पीएम ने की भाषणा की सराहना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बीएस येदियुरप्पा के विदाई भाषण की सराहना करते हुए कहा कि यह पार्टी की नैतिकता को दर्शाता है. पीएम मोदी ने कहा, बीजेपी के एक कार्यकर्ता के रूप में मुझे यह भाषण बहुत प्रेरक लगा. यह हमारी पार्टी की नैतिकता को दर्शाता है. यह निश्चित रूप से पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को भी प्रेरित करेगा. गौरतलब है कि बीएस येदियुरप्पा 1988 में कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष बने थे. वह पहली बार 1983 में कर्नाटक विधानमंडल के निचले सदन के लिए चुने गए थे और तब से छह बार शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.

तिरुवनंतपुरम नेशनल एयरपोर्ट पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम, 24 फरवरी (एजेंसियां)। तकनीकी कारणों से कालीकट से दम्मम जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को तिरुवनंतपुरम की ओर डायवर्ट कर दिया गया है। इस फ्लाइट में 168 यात्री सवार थे। यह जानकारी एयरलाइन के प्रवक्ता द्वारा साझा की गई है। फिलहाल, फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हो चुकी है। संदिग्ध हाइड्रोलिक विफलता के कारण कालीकट से दम्मम जाने वाली एक उड़ान को राज्य की राजधानी की ओर मोड़े जाने के बाद शुक्रवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी गई। दरअसल, इस फ्लाइट को केरल के कालीकट से सऊदी अरब के दम्मम जाना था। एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुताबिक, फ्लाइट को दोपहर 12.15 मिनट पर तिरुवनंतपुरम में लैंड किया गया था। इस फ्लाइट में क्रू मेंबर समेत 182 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने के दौरान एयर इंडिया एक्सप्रेस आईएक्स 385 फ्लाइट का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया था। सूत्रों के अनुसार सुरक्षित लैंडिंग के लिए अरब सागर के ऊपर ईंधन डालने के बाद विमान को हवाईअड्डे पर उतरा गया। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इसे पूरी तरह इमरजेंसी घोषित कर दिया है।

एससी: छात्राओं-कामकाजी महिलाओं को माहवारी

अवकाश की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर महावारी के दिनों में छुट्टी दिए जाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। इस याचिका में कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि वह राज्यों को यह निर्देश दे कि वे माहवारी से होने वाली पीड़ा के मद्देनजर छात्राओं और महिलाओं के लिए अवकाश घोषित करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत दायरे में आता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि निर्णय लेने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को अपील भेजी जा सकती है। दिल्ली निवासी शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने याचिका में मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 की धारा 14 के अनुपालन के लिए केंद्र और सभी राज्यों को निर्देश देने का अनुरोध किया। अधिनियम की धारा 14 निरीक्षकों की नियुक्ति से संबंधित है और इसमें कहा गया है कि उपयुक्त सरकार ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति कर सकती है और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं को परिभाषित कर सकती है जिसके भीतर वे इस कानून के तहत अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे।

पत्नी ने कैंची से कर दी पति की हत्या, फिर किया ऐसा.

गुवाहाटी, 24 फरवरी (एजेंसियां)। असम के कछार जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है जहां एक महिला ने कहासुनी के बाद अपने पति की कैंची से बेरहमी से हत्या कर दी। घटना सिलचर शहर के मेहरपुर इलाके में सुबह-सुबह हुई यह हत्या की तीसरी घटना है जहां पिछले तीन दिनों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक नुमल महट्टा के अनुसार. दंपति ने कथित तौर पर किसी बात पर गरमागरम बहस के बाद एक-दूसरे को मारा, जिसके परिणामस्वरूप उनमें से एक की मौत हो गई। आरोपी ने कथित तौर पर झगड़े के दौरान उसके पति को कैंची से मार डाला और उसे खून से लथपथ छोड़ दिया। मृतक की पहचान ऑटोरिक्शा चालक फरमीन उद्दीन के रूप में हुई है।

19 बंगला घोटाले केस में उद्धव ठाकरे परिवार के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस की सरकार आने के बाद 19 बंगला घोटाला मामला एक बार फिर गरमा गया है. पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के परिवार के खिलाफ 19 बंगला घोटाला मामले में रायगढ़ के कोलाई रेवडंडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. यह जानकारी बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने दी है. उन्होंने बताया कि बीती रात उद्धव ठाकरे के परिवार के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. किरीट सोमैया ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी मुरुड संगीता लक्ष्मण भांगरे ने कोरलाई ग्राम पंचायत के अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, मिलीभगत और 19 बंगलों के रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का केस दर्ज कराया है. ये अपराध एफआईआर नंबर 26, आईपीसी की धारा 420, 465, 466, 468 और 34 के तहत दर्ज किए गए हैं. किरीट सोमैया ने कहा है कि अब उद्धव ठाकरे को हिसाब देना होगा. बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने बताया कि कथित तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के अलीबाग स्थित 19 बंगलों हैं, इसमें काफी भ्रष्टाचार हुआ है. वे लगातार दावा करते रहे हैं कि ये बंगले अनाधिकृत हैं. लेकिन उद्धव ठाकरे और शिवसेना के नेताओं ने आरोपों से इनकार किया और मामले को नजरअंदाज कर दिया. शिंदे फडणवीस सरकार के सत्ता में आने के बाद 19 बंगलों का मामला फिर चर्चा में आया और इसकी जांच शुरू हो गई. उद्धव ठाकरे और वायकर परिवार ने यह भी कहा था कि कोलाई के 19 बंगलों के घोटाले में तत्कालीन कलेक्टर निधि चौधरी और जिला पंचायत सीईओ किरण पाटिल ने उनकी मदद की थी. उस समय किरीट सोमैया ने ठाकरे और वायकर परिवार के साथ इन अधिकारियों के खिलाफ भी आपराधिक आरोप दायर किए जाने की मांग की थी.

जो पीएम नहीं कर सके, वो जावेद कर गए: संजय राउत

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से जावेद अख्तर को सम्मानित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जावेद अख्तर ने अपनी देशभक्ति दिखाई है और सभी को उनका सपोर्ट करना चाहिए। सामना मैगजीन में लिखे एक आर्टिकल में उन्होंने कहा कि एक मुस्लिम राइटर ने पाकिस्तान में वह किया, जो पीएम मोदी और उनके अंधभक्त नहीं कर सके। संजय राउत ने आगे कहा कि दिल्ली और मुंबई में बैठकर पाकिस्तान को धमकाना आसान है, लेकिन दुश्मन के घर में बैठकर उनको धमकी देना आसान नहीं है। ऐसा काम एक सच्चा देशभक्त ही कर सकता है। राउत ने आर्टिकल में भाजपा पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा की बात नहीं मानते, उन्हें ये लोग देशद्रोही कहने लगते हैं। पाकिस्तान और चीन हमारे देश का दुश्मन है, लेकिन मोदी केवल पाकिस्तान के खिलाफ खड़े हैं और चीन से डरते हैं। चीन के खिलाफ मोदी सरकार केवल चाइनीज ऐप्स पर बैन लगाने तक सीमित है। इसके अलावा सरकार कुछ और नहीं करती। दरअसल, जावेद अख्तर ने लाहौर में खुले मंच से पाकिस्तान के खिलाफ बयान दिया था। उन्होंने फैज फेस्टिवल

में कहा था कि मुंबई हमले की साजिश रचने वाले पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। जावेद अख्तर से फैज फेस्टिवल के दौरान एक एंकर ने कहा कि पाकिस्तान बड़ा फ्रेंडली, लविंग और पॉजिटिव मुल्क है। हम बम नहीं मारते, फूल भी पहनाते हैं और प्यार भी करते हैं। इस बारे में उनके क्या ख्याल हैं। जावेद अख्तर ने तब कहा, हम तो बंबई के लोग हैं, हमने देखा हमारे शहर पर कैसे हमला हुआ था। वो लोग (आतंकी) नॉर्वे से तो नहीं आए थे, ना इजिप्ट से आए थे। वो लोग अभी भी आपके मुल्क में घूम रहे हैं। तो ये शिकायत अगर हर हिंदुस्तानी के दिल में है तो, आपको बुरा नहीं मानना चाहिए। वहीं, जावेद अख्तर ने भारत लौटने के बाद कहा था कि, पाकिस्तान में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बारे में की गई उनकी टिप्पणी पर लोगों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी थी। उनके इस कमेंट की लोगों ने प्रशंसा की थी। जावेद अख्तर ने कहा, जब मैंने ये बात कही तो वहां मौजूद करीब 3 हजार लोगों ने एक स्वर में तालियां बजाई। वहां के आम लोग भी भारत के साथ अच्छे रिश्ते चाहते हैं। पाकिस्तानी आवाम, पाकिस्तानी सेना से बहुत अलग है। जावेद अख्तर से पूछा गया कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए ये सही समय है और क्या ऐसा होने के लिए कोई बीच का रास्ता निकालना चाहिए। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मेरे पास इतना सामर्थ्य नहीं है। जो लोग सत्ता में हैं, जो उस पद पर हैं, उन्हें पता होगा कि क्या हो रहा है और आगे क्या होना चाहिए। मेरी इस विषय में जानकारी बहुत सीमित है। लाहौर में आयोजित फैज फेस्टिवल से लौटने के बाद जावेद अख्तर मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में भी ऐसे लोग हैं जो दोनों देशों के बीच अमन चैन चाहते हैं। उनका बस चले, तो भारत के साथ आज ही रिश्ते अच्छे कर दें। इन लोगों के दिलों में भारत के आम लोगों के लिए बहुत प्यार और इज्जत है।

संघ स्वतंत्र है और बीजेपी एक अलग पॉलिटिकल पार्टी है

वो अपना निर्णय लेती है, बोले संघ सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सह सर कार्यवाहक कृष्ण गोपाल ने एबीपी के मंच से आरएसएस और बीजेपी पर भी सफाई दी. उन्होंने कहा कि संघ स्वतंत्र है और बीजेपी एक अलग पॉलिटिकल पार्टी है. सरकारों को कहने का काम हमारा नहीं है. दरअसल, यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर संविधान सभा में चर्चा हुई है. हमें उन डिबेट्स में जाना चाहिए. उस वक्त इसमें सहमति नहीं बनी और भविष्य के लिए इसे छोड़ दिया गया. कृष्ण गोपाल ने कहा कि अनेक बार सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है. कुछ मुद्दों पर अगर सहमति बन जाए तो इसे लाना चाहिए. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये संघ की राय नहीं है, ये संविधान निर्माताओं की राय है. ये सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में है. 72 साल होने के बाद भी अब तक इसे नहीं लाया जा रहा है. आरएसएस और बीजेपी को लेकर पूछे गए एक सवाल में कृष्ण गोपाल ने कहा कि आरएसएस एक स्वतंत्र संगठन है. हमें जो कहना होता है हम सीधे जनता से कहते हैं. भारतीय जनता पार्टी एक स्वतंत्र पार्टी है वो अपना निर्णय खुद लेगी. दरअसल, एबीपी के मंच पर कृष्ण गोपाल से सवाल किया गया था कि जाति जनगणना के मुद्दे पर क्या आरएसएस सरकार के कान खींचता है? लगाम खींचता है या कान में बोलता है? इसके अलावा जातीय जमगणना पर भी कृष्ण गोपाल ने बात की. उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि ये राजनीतिक अधिक है. एक एक जाति को गिनने का उद्देश्य क्या है?

पार्क में टहलने गए युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के महेंद्र पार्क इलाके में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राम प्रवेश पासवान (47) के रूप में हुई। तड़के आजादपुर सब्जी मंडी, बस स्टैंड के पास राम प्रवेश खून से लथपथ हालत में मिले थे। पुलिस उनको नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस को घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद मिली। उसके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

14 वर्षीय किशोरी के साथ गैंगरेप, 3 गिरफ्तार

गोलाघाट (असम), 24 फरवरी (एजेंसियां)। गोलाघाट जिला में एक सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना जिला के नुमलीगढ़ के पास बोगीजान थाना क्षेत्र के पुराजंघल नंबर 2 में हुई। इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि 14 वर्षीय किशोरी गैंगरेप का शिकार हुई है। 15 फरवरी को बालीजान इलाके में थिएटर देखने जा रही किशोरी चार युवाओं की हवस का शिकार हो गई। बोगीजान पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी दो की मौत, करीब 14 घायल

दमोह, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दमोह कटनी मार्ग पर रैपुरा गांव में मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से दो मजदूरों की मौत हो गई। जबकि करीब उसमें सवार 14 मजदूर घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा में भर्ती किया गया है, वहीं चार की हालत नाजुक होने के चलते उन्हें 108 वाहन से कटनी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों में गंभीर घायल जयपाल सिंह, भज्ज, भरन और आशारानी को कटनी जिला अस्पताल रेफर किया गया है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 25 फरवरी, 2023

युविचार

खुशियां हमेशा आपके जीवन में रहती हैं आपको केवल इन्हें खोजना है, यही चुनौती है..

भारत के समृद्ध युग का गवाह और हिस्सा बनें स्नातक : भगवंत खुबा

नाईपर, हैदराबाद का 10 वां दीक्षांत समारोह का आयोजित

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नाईपर, हैदराबाद का 10 वां दीक्षांत समारोह नाईपर परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्यमंत्री ने शिरकत की। साथ ही नाईपर हैदराबाद के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स के अध्यक्ष एवं लॉरस लैब के सीईओ डॉ सत्यनारायणा छावाने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इन गणमान्य अतिथियों के आलावा, उद्योग जगत की कई नामचीन हस्तियां भी कार्क्रम में शामिल हुई। सभा को संबोधित करते हुए नाईपर हैदराबाद के निदेशक डॉ. शशी बाला सिंह ने स्वागत भाषण में 19 वर्ष की छोटी अवधि में हुई प्रयासों पर प्रकाश डाला जिससे नाईपर, औषधि विज्ञानं के क्षेत्र में उन्नत अध्यन एवं और अनुसन्धान के लिए उत्कृस्टता के केंद्र के रूप में भारत के मानचित्र पर उभर कर आया है।

विदित हो की एनआईआरएउ-2022 रैंकिंग में फार्मसूटिकल श्रेणी में नाईपर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है और कई उद्योग परियोजनाओं को भी परिलक्षित कर छात्रों का बहुमुखी विकास किया है। नाईपर के 10 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भगवंत खुबा ने स्नातक छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फार्मास्युटिकल क्षेत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भारत को फार्मेसी के लिए "विश्वगुरु" कहा है। इसके अलावा, उन्होंने स्नातकों को भारत के समृद्ध युग का गवाह बनने और उसका हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा, वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों और उत्पादों के औद्योगीकरण में अनुसंधान के अनुवाद के महत्व पर जोर दिया। डॉ. सत्यनारायण छावा ने इस तथ्य पर जोर दिया कि यह स्नातक छात्रों के लिए फार्मा उद्योग में प्रवेश करने का सही समय है। उन्होंने छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा स्थापित मूल मूल्यों को ध्यान में रखते हुए देश के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्नातकों से संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कहा और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। कुल 187 विद्यार्थियों में 25 पीएच.डी. , 162 एम.एस. (फार्मा) और एमबीए (फार्मा) के छात्रों को दीक्षांत समारोह के दौरान उनकी डिग्रियां प्रदान की गईं। स्वर्ण पदक श्री यादव विशाल फयनाथ (एमसी), सुश्री अंकिता साहेबराव खैरनार (पीए), सुश्री तेंटू प्रिया मौनिका (पीसी), सुश्री के काव्या प्रहर्ष (आरटी), सुश्री रिमशा नूरीन (पीई), गिरसे प्रदीप नानाभाऊ (पीटीपीसी)), सुश्री डोना मोल सनी (पीएम), और सुश्री गुंडेली पनिशा (एमडी) को दिए गए। बेस्ट ऑल राउंडर स्टूडेंट के लिए डायरेक्टर मेडल सुश्री सफिया सुल्ताना को 2020-22 के बैच को दिया गया।

बंडी संजय का पीजी छात्रा सुसाइड के प्रयास मामले में 'लव जिहाद' का आरोप

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय ने वारंगल के एमजीएम अस्पताल में पीजी मेडिको के एक छात्रा की खुदकुशी की कोशिश को लव जिहाद का मामला बताकर विवाद खड़ा कर दिया। संजय ने आरोप लगाया कि हिंदू महिलाओं को विदेशी वित्त पोषित समूहों द्वारा परेशान किया जा रहा है, फंसाया जा रहा है और धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने दावाा कि वारंगल की घटना एक बड़े चलन का सिर्फ एक उदाहरण है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया और अन्य राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं की आलोचना का सामना किया। उन्होंने सीएम केसीआर को दलित विरोधी करार दिया है और सिटिंग जज से जांच की मांग की है।

उन्होंने अपने बयान का बचाव करते हुए आरोप लगाया है कि सीएम केसीआर ने द्रौपदी मुर्मू की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं किया। पुलिस के अनुसार, कथित रूप से एक वरिष्ठ द्वारा रैगिंग के कारण प्रश्न में मेडिकल छात्र ने बुधवार को आत्महत्या का प्रयास किया।

छात्रों को पोषक अनाज के बारे में जागरूक किया गया

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार , के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (आईवाईएम) 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा सरकारी हाई स्कूल,(एपीएसआर) गड्डिअन्नारम, सइदाबाद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम डॉ. वी. श्रीदेवी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, डॉ. एल.वी. श्रीवाणी, रवि बाबू , छायाचित्रकार और प्रधानाचार्य वेंकट रेड्डी, श्रीमती पद्मलता और अध्यापक श्रीनिवास रेड्डी और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट),सज्जलू (मोती बाजरा), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विद्यालय में पोषक अनाज के वार्तालाप में शामिल हो गए।

स्थानीय प्राधिकार निर्दलीय प्रत्याशी रहीम खान का नामांकन नामंजूर

शिक्षक एमएलसी पद के लिए 21 नामांकन वैध मिलें

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रिटर्निंग ऑफिसर प्रियंका अला ने शुक्रवार को हैदराबाद लोकल अथॉरिटी एमएलसी, महबूब नगर-रंगा रेड्डी-हैदराबाद टीचर एमएलसी के पदों के लिए नामांकन की जांच की। हैदराबाद में स्थानीय निकायों के एमएलसी पद के लिए दो नामांकन दाखिल किए गए थे, जिसमें मोहम्मद रहीम खान द्वारा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में दाखिल किए गए नामांकन को रिटेनिंग ऑफिसर ने खारिज कर दिया। अधिकारी ने कहा कि जिन दस लोगों ने अपना नामांकन पत्र जमा किया था। एक नामांकन खारिज कर दिया गया, क्योंकि वे मतदाता नहीं थे। रिटर्निंग ऑफिसर ने स्पष्ट किया कि महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद शिक्षक एमएलसी पद के लिए 21 नामांकन में से कोई भी खारिज नहीं किया गया है।

कृषि बाजार समिति से मिले लोग

मदनूर, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे के प्रयास से तेलंगाना सरकार द्वारा मदनूर कृषि बाजार समिति नूतन कमिटी का चयन करने के बाद मदनूर कृषि बाजार समिति के नूतन अध्यक्ष संगमेश्वर को स्थानिक जनता व उनके चाहने वाले युवाओं ने साथ औपचारिक के रूप में सम्मान किया गया।

इस के साथ साथ शुक्रवार के दिन मदनूर कृषि बाजार समिति सचिव विट्ठल कमिटी के कर्मचारी सत्यम ने नूतन अध्यक्ष संगमेश्वर का शाल से सनमान करते हुए शुभ कामनाएं दिया।

प्रीति आत्महत्या के प्रयास मामले में आरोपी गिरफ्तार

वारंगल, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पुलिस ने काकतीय मेडिकल कॉलेज (केएमसी) की पीजी मेडिकल छात्रा प्रीति के आत्महत्या के प्रयास मामले में आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान उसी कॉलेज के सीनियर पीजी मेडिकल छात्र सैफ के रूप में हुई।

एक संवाददाता सम्मेलन में मामले के विवरण का खुलासा करते हुए, शहर के पुलिस आयुक्त रंगनाथ ने कहा कि सैफ ने प्रीती को निशाना बनाकर परेशान किया था और कहा कि उसने दूसरों के सामने पीड़िता का अपमान भी किया था। प्रीति को एक चतुर छात्रा बताते हुए उन्होंने कहा कि वह एक संवेदनशील छात्रा भी थीं और सैफ ने प्रीति के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की थी। उन्होंने कहा कि प्रीति ने सैफ से 18 फरवरी को एक व्हाट्सएप ग्रुप पर उनके द्वारा पोस्ट किए गए एक संदेश के बारे में सवाल किया था और कहा कि पीड़िता ने आरोपी को स्पष्ट कर दिया था कि उसके बारे में एक सार्वजनिक व्हाट्सएप ग्रुप में बात करना सही नहीं था।

सीपी ने आरोपी को यह भी कहा कि वह उसका अपमान करने के बजाय उसके बारे में किसी भी मुद्दे को कॉलेज के विभागाध्यक्षों के ध्यान में लाए। रंगनाथ ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता पर अपना प्रभुत्व दिखाने की कोशिश की और कहा कि प्रीति ने अपने चैटिंग सेशन में अपने दोस्तों को आरोपी द्वारा अपमान और उत्पीड़न के बारे में बताया और उन्हें बताया कि सैफ ने यह कहकर उसे परेशान किया कि उसके पास दिमाग नहीं है। सीपी ने स्पष्ट किया कि किसी भी छात्र द्वारा किसी भी तरह के अपमान की भावना रैगिंग के दायरे में आएगी और कहा कि उन्होंने उपलब्ध सबूतों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रंगनाथ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में एक संस्कृति है जिसमें जूनियर मेडिकल छात्रों को अपने वरिष्ठों को सर के रूप में संबोधित करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि आरोपी को यह बात पच नहीं रही कि पीड़िता ने उससे पूछताछ की। समाचार रिपोर्टों पर टिप्पणी करते हुए कि मामले को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, सीपी ने उनका खंडन किया और कहा कि इस तरह की झूठी खबरों से मामले की जांच पर असर पड़ेगा।

करीमनगर में आधुनिक ट्रैफिक सिग्नलिंग सिस्टम बहुत जल्द

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले में यातायात को नियंत्रित करने और वाहनों की परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए करीमनगर शहर में जल्द ही एक आधुनिक ट्रैफिक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी। करीमनगर स्मार्ट सिटी योजना के तहत आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली प्रस्तावित की गई थी, क्योंकि शहर में उचित यातायात नियमन प्रणाली नहीं थी। करीमनगर नगर निगम, जो पहले से ही स्मार्ट सिटी योजना के तहत यातायात द्वीपों का विकास कर रहा है, ने 24 भारी यातायात प्रवाह बिंदुओं की पहचान की है। हाल ही में चार जगहों जैसे बस स्टैंड, कलेक्ट्रेट चौक, कामां चौक और पद्मनगर में ट्रैफिक सिग्नल पहले ही लगाए जा चुके हैं, जिनका ट्रायल रन भी किया जा रहा है। प्रस्तावित एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली के तहत 85 स्वचालित रेड-लाइट उल्लंघन का पता लगाने वाले कैमरे और 174 सीसीटीवी कैमरों की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि यातायात नियमों के उल्लंघन की जांच की जा सके। कैमरे ओवर स्पीड, सिग्नल जंपिंग, गलत रूट, मोबाइल फोन ड्राइविंग, रैश ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट ड्राइविंग सहित सभी ट्रैफ़िक उल्लंघनों को रिकॉर्ड करेंगे और छवियों को एक स्वचालित नियंत्रण कक्ष में भेजेंगे, जहाँ से उन्हें पुलिस और आरटीए को भेज दिया जाएगा।

खम्मम में चोरी, डकैती के आरोप में आठ गिरफ्तार

खम्मम, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की चाहत रखने वाले एक युवक को पुलिस ने शुक्रवार को यहां आठ घरों में सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार किया, जबकि सात अन्य डकैती और डकैती के मामलों में शामिल थे। पुलिस आयुक्त विष्णु एस वारियर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी, खम्मम शहरी मंडल के पांडुरंगपुरम के संपति उमा प्रसाद एवरेस्ट पर चढ़ना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने पैसे कमाने के लिए चोरी का सहारा लिया। उसने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसे सट्टेबाजी करने और अवैध पैसे से ऐशो-आराम की जिंदगी जीने की भी आदत थी। उसे सीसीएस और खम्मम टू टाउन पुलिस ने खम्मम शहर में एनटीआर सर्कल में वाहन निरीक्षण के दौरान पकड़ा और उसके पास से चोरी की संपत्ति बरामद की। इसी तरह, खम्मम ग्रामीण, रघुनाथपलेम और थिरुमलयापलेम पुलिस ने गुरुवार शाम शहर के पोन्नेकल चौराहे पर वाहन निरीक्षण के दौरान डकैती और डकैती के मामले में सात लोगों को पकड़ा। सीपी ने कहा कि पुलिस ने पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया क्योंकि उन्होंने भागने की कोशिश की। खम्मम शहर के अभियुक्त पगडाला विजय कुमार, सदाम लक्ष्मीनारायण, शेख सैदुलु, सैयद सहबाज सिद्दीकी, पाकलपति धर्म तेजा, साइक परवेज और पसुपुलती साई ने खम्मम के बाहरी इलाके में आठ डकैतों को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के पास से कुल 67 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की, जिसमें 49.5 लाख रुपये का 1.05 किलोग्राम सोना और 17.5 लाख रुपये नकद शामिल हैं। सीपी ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एसीपी टी रवि, गणेश और बसवा रेड्डी, सीआई एन मल्लैया स्वामी, पी नवीन, श्रीनिवास राव, श्रीधर और रामकृष्ण की सराहना की।

गर्मियों के लिए 16 स्पेशल ट्रेनों का सेवा विस्तार

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाना जारी रखेगा।

ट्रेन नंबर 07695 (सिकंदराबाद-रामनाथपुरम) बुधवार को 1 मार्च से 28 जून तक; ट्रेन संख्या 07696 (रामनाथपुरम-सिकंदराबाद) शुक्रवार 3 मार्च से 30 जून तक; ट्रेन नंबर 07426 (एच.एस.नांदेड़ - एलटीटी मुंबई) सोमवार 6 मार्च से 26 जून तक; 7 मार्च से 27 जून तक मंगलवार को ट्रेन नंबर 05427 (एलटीटीमुंबई- एचएस नांदेड); 1 मार्च से 28 जून तक बुधवार को ट्रेन नंबर 0%428 (एच.एस.नांदेड़-एलटीटी मुंबई); ट्रेन संख्या 07429 (एलटीटी मुंबई - एच.एस.नांदेड़) गुरुवार को 2 मार्च से 29 जून तक; ट्रेन नंबर 08579 (विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद) बुधवार को 1 से 26 अप्रैल तक; 2 मार्च से 27 अप्रैल तक गुरुवार को ट्रेन नंबर 08580 (सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम); ट्रेन नंबर 08585 (विशाखापत्तनम-महबूबनगर) मंगलवार को 7 से 25 अप्रैल तक; ट्रेन संख्या 08586 (महबूबनगर-विशाखापत्तनम) बुधवार को 8 मार्च से 26 अप्रैल तक; ट्रेन सख्या 08583 (विशाखापत्तनम-तिरुपति) सोमवार को 6 मार्च से 24 अप्रैल तक; 7 मार्च से 25 अप्रैल तक मंगलवार को ट्रेन नंबर 08584 (तिरुपति-विशाखापत्तनम); ट्रेन नंबर 02809 (भुवनेश्वर-तिरुपति) शनिवार 4 मार्च से 29 अप्रैल तक; 5 मार्च से 30 अप्रैल तक रविवार को ट्रेन नंबर 02810 (तिरुपति-भुवनेश्वर); ट्रेन नंबर 08543 (विशाखापत्तनम - बेंगलुरु कैंट) रविवार से 5 मार्च से 30 अप्रैल तक और ट्रेन नंबर 08544 (बेंगलुरु कैंट - विशाखापत्तनम) सोमवार को 6 मार्च से 1 मई तक चलेगी।

मृत नेत्रहीन बालक के माता-पिता को सहायता राशि मिलें

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पोनुगोती चोक्का राव, जनरल सेक्रेटरी, डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड, तेलंगाना और सचिव, ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, हैदराबाद ने आज कहा कि उन्हें समाचार रिपोर्टों के माध्यम से यह जानकर बहुत दुख हुआ कि एक 12 देवनार स्कूल फॉर द ब्लाइंड, मयूरी मार्ग, बेगमपेट में पढ़ने वाला एक वर्षीय नेत्रहीन बालक गौतम लक्ष्मी श्रीकर गुरुवार को 5वीं मंजिल से गिर गया। यहां एक प्रेस नोट में चोक्का राव ने कहा, "एक दृष्टिहीन छात्र के लिए इस तरह की दुखद स्थिति में मौत होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम शहर में एनजीओ द्वारा ब्लाइंड स्कूल चलाने से संबंधित मुद्दे को उजागर करना चाहते हैं, जबकि हैदराबाद में पहले से ही दो ब्लाइंड स्कूल हैं। हैदराबाद के सरकारी नेत्रहीन स्कूलों में सभी बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित शिक्षक हैं, जिनमें छात्रों की संख्या बहुत कम है। इसलिए, पर्याप्त बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या के बिना एक निजी एनजीओ को ब्लाइंड स्कूल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने का कोई कारण नहीं है। ब्लाइंड स्कूल चलाने वाले अधिकांश एनजीओ संदिग्ध इतिहास के साथ अवैध पाए जाते हैं। जन्म से अंधे या 100 प्रतिशत अंधे होने की संख्या में पहले से ही लगातार कमी आ रही है और इसलिए सरकारों को केवल पैसे कमाने के मकसद से नेत्रहीन स्कूल चलाने वाले निजी संगठनों पर नजर रखनी चाहिए।

अग्रवाल मानव सेवा मंच निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 157 वा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रविवार 26 फरवरी को फतेहनगर हनुमान मंदिर के पास (बलकमपेट बालनगर) स्थित श्री सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में आयोजन किया जाएगा। मंच के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर के प्रयोजक उमराव प्रसाद बुधी प्रकाश पटवारी अतापुर हैदराबाद है। इस शिविर में प्रतिमा हास्पिटल काचीगुड़ा/कुक्टपल्ली के डाक्टरो द्वारा रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, हृदय रोग हेतु ईसीजी टुडीईको हड्डी रोग, समान्य रोग, स्त्री रोग आदि की जांच की जायेगी। लसईहच साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा के विशेषज्ञो द्वारा नैत्र रोग जांच की जायेगी,नाक कान गले के रोग की जांच एशियन ईएनटी केयर सेंटर पंजागुटटा, दांतों के रोग की जांच प्रियंका डेंटल क्लिनिक आबिडस बेगमपेट के डा.आशिष टोडी द्वारा की जायेगी। वासवी फिजियोथेरेपी और रीहाबिलेशन सेंटर के डा.पी रवी फिजियोथेरेपी सेवा प्रदान करेंगे। श्री रामा स्कीन एंड हेयर ट्रांसप्लाट सेंटर ,बशीरबाग/समाजीगुडा हैदराबाद के विशेषज्ञ चर्म रोग संम्बंधित सेवा प्रदान करेंगे। इस शिविर में नेत्र जांच में मिले मोतियाबिंद रोगियों का नि: शुल्क मोतियाबिंद साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा द्वारा किया जाएगा।

हर शिविर की तरह नि: शुल्क दवाईयों का वितरण भारत विकास परिषद चेरिटेबल ट्रस्ट,मूसापेट हैदराबाद की टीम के द्वारा किया जायेगा। शिविर में जांच हेतु रजिस्ट्रेशन रविवार सुबह 10 से दोपहर 12 तक होगा। स्थानीय जनता से अग्रवाल मानव सेवा मंच की अपील है कि इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भरपूर लाभ उठाये।

साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम ने मसाज पार्लर पर मारा छापा, 13 गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम ने चार मसाज पार्लरों पर छापा मारा और गुरुवार रात कुकटपल्ली में संबंधित अधिकारियों से वैध अनुमति के बिना नियमों का उल्लंघन करने और व्यवसाय चलाने के आरोप में मालिकों, प्रबंधकों और महिला चिकित्सक सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके पास से 12 मोबाइल फोन और 1,500 रुपये नकद जब्त किए। गिरफ्तार व्यक्तियों को जब्त सामग्री सहित आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय थाना को सौंप दिया गया है। साइबराबाद पुलिस ने नागरिकों से व्हाट्सएप नंबर 9490617444 पर अवैध मसाज पार्लरों की जानकारी साझा करने का अनुरोध किया।

जिला कलेक्टर ने विभिन्न योजना पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के जिला कलक्टर हरीश की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष मेंमना-उरु-मनाबड़ी, दलित बंधु एवं पोषण अभियान की समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि सरकार बहुत महत्वाकांक्षी है। इस कार्यक्रम के तहत गांवों में मॉडल स्कूल शुरू किए गए। चहारदीवारी, शौचालय, रंगाई-पुताई, डायनिंग हाल जैसे विकास कार्य किए गए। सरकार ने शिक्षा के लिए यह योजना शुरू की है और यह जिले में पहली है। विदुथा में 464 स्कूलों का चयन किया गया है, जिनमें से 54 मॉडल स्कूल हैं। दलित बंधु द्वारा जिले में 697 इकाईयों पर काम चल रहा है। संबंधित मंडल विकास अधिकारियों के साथ फील्ड स्तरीय निरीक्षण करने के बाद रिपोर्ट किया गया है। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले के आंगनबाडी केन्द्रों में जलापूर्ति एवं शौचालय की बेहतर होनी चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के साथ-साथ अन्य गोलियां भी दी जानी चाहिए। गर्भवती महिलाओं में, बच्चों में, उन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए एनीमिया को कम करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़ी मेहनत करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाडी केन्द्रों में पोषक रक्षकों की स्थापना की जाये। वजन और ऊंचाई मापने के उपकरणों का उपयोग करके बच्चों के वजन और ऊंचाई को मापा जाना चाहिए। बैठक में जिला अपर कलेक्टर प्रतीक जैन, जिला शिक्षा विभाग, अधिकारी सुशिंदर राव, जिला अनुसूचित जाति निगम अधिकारी प्रवीण रेड्डी, जिला कल्याण अधिकारी मोती, ईई पीआर, संबंधित इंजीनियरिंग, शिक्षा विभाग के अधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एचपीएस के पूर्व छात्र अजय बंगा विश्व बैंक प्रेसीडेंसी के लिए नामांकित

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एचपीएस, भारत का एक प्रमुख स्कूल, 2023 में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। यह कॉर्पोरेट, प्रदर्शन कला, सार्वजनिक सेवा, उद्यमिता, अन्य क्षेत्रों में खेल में लगातार मंथन के लिए जाना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि सत्य नडेला (सीईओ, माइक्रोसॉफ्ट), शांतनु नारायण (सीईओ, एडोब) और एचपीएस के सभी पूर्व छात्र अजय पाल बंगा को एक साथ 2019 में हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में विश्व स्तर पर "शीर्ष 10" सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सीईओ में रखा गया था। मास्टरकार्ड के पूर्व-सीईओ अजय बंगा को यूएसए के राष्ट्रपति द्वारा विश्व बैंक के अध्यक्ष के रूप में मलपास की जगह लेने के लिए नामित किया गया है। अजय बंगा हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट के 1976 बैच से हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NATTA SAVITHRI, R/o.H.No.152, Spring Woods, Praneeth Nagar, Shambhupur, Cyberabad, T.S, changed my name as SHAMILY HARIDAS W/o. RAJESHWAR HARIDAS

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

डिप्टी सीएम के ढोंगी समाजवादी कहने पर सदन में हंगामा

सपा विधायक वेल में आए-शिवपाल ने कहा आपको समाजवादियों का इतिहास जानना चाहिए

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा सत्र के 5वें दिन की शुरुआत भी हंगामेदार रही। सदन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सदन में भाषण दिया। उन्होंने कहा- आप समाजवादी नहीं, अराजकतावादी है। इसके बाद शिवपाल यादव की अगुवाई में सपा और रालोद विधायकों ने हंगामा किया। वह वेल में आ गए। नारेबाजी करने लगे। अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि अगर वो सहयोग नहीं करते तो प्रश्नकाल की कार्यवाही रोक देंगे। इसके बाद विधायक शांत हुए। एक बार फिर सदन में प्रश्नकाल शुरू हुआ।

'गमछा-तिलक पर कमेंट नहीं किया, आपको टोपी के बारे में जानना चाहिए'

ब्रजेश पाठक के बयान पर शिवपाल यादव ने कहा- भाजपा वाले गमछा, टोपी-तिलक लगाते हैं, हमने कभी कमेंट नही किया। आपको हमारी टोपी के बारे में जानना चाहिए। समाजवाद की पहचान है। उन्होंने कहा- जिला अस्पताल के गेट पर दलाल बैठे हैं, छापा मंत्रीजी ने छापे बहुत मारे, बजट आधा भी खर्च कर लिया होता तो बहुत बदल जाता। शिवपाल ने आगे कहा कि सरकार के विज्ञापनों में लगता है कि स्वास्थ्य महकमा बिल्कुल चमक गया। लेकिन, असलियत है कि स्वास्थ्य विभाग वेंटिलेटर पर है। एक्स-रे के नाम पर समय दिया जाता है। वसूली होती है। हमारे ब्लॉक में सीएचसी बनी है। 6 साल हो चुके बने। अभी तक वहां स्टॉफ नर्स, डॉक्टर, वार्डब्वॉय की नियुक्ति नहीं हुई है। कई बार हमने चिट्ठी लिखी...माननीय मंत्री छापा बहुत मारते है, दरबार भी लगा लेते हैं। अफसरों को भी बुला लेते हैं, लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं पड़ता है।

शिवपाल ने कहा- मंत्री जी ने कल समाजवादियों के बारे में भी बहुत बोला। मंत्री जी पहले कांग्रेस में थे, फिर बसपा में गए, सांसद हो गए, आज डिप्टी सीएम भी बन गए। इसके जवाब में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी नहीं, अराजकवादी हैं। ढोंगी और नकली हैं। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया।

केशव प्रसाद बोले-जातीय जनगणना की मांग, विशुद्ध ढोंग

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा-बीजेपी जीत का सिक्सर लगाएगी। अखिलेश यादव की जातीय जनगणना की मांग, विशुद्ध ढोंग हैं। उन्हें न तो पिछड़ों की चिंता है, न दलितों की। उनको सिर्फ अपने कुनबे की चिंता है। बीजेपी की लगातार जीत से, अखिलेश यादव का राजनीतिक अस्तित्व दांव पर लगा है। उन्होंने कहा- अखिलेश इस मुद्दे पर अब जाग रहे हैं, जब वह सत्ता से बेदखल हो गए। जब सपा के समर्थन से केंद्र में सरकार चल रही थी, तब मांग क्यों नहीं की। अखिलेश की सरकार में गोवंश की हत्या होती थी। हमारी सरकार में गोवंश स्थल बनाए गए हैं। जहां पर गायों को रखा जा रहा है। हम गोवंश की गर्दन पर छुरी नहीं चलने देंगे। किसानों का नुकसान न करें हम इसका भी प्रबंध कर रहे हैं।

बीजेपी के पास गाय-गोबर, हमारे पास किसान और यूथ के मुद्दे

सपा के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय ने कहा-यूपी के किसानों के खेत छुट्टा जानवर चर रहे हैं। हजारों एकड़ जमीन किसानों ने मजबूरी में छोड़ दी है। मजदूरी करने के लिए किसान विवश है। युवा डिग्री लेकर टहल रहा। रोजगार नहीं मिल रहा सरकार को जनहित के मुद्दों पर सोचना चाहिए।

इस बजट में जनता के लिए कुछ नहीं था। जनगणना में अगर सारी जातियों की स्थिति सामने आ जाए तो क्या समस्या हैं? भारत का संविधान और लोकतंत्र भी यही चाहता है। बीजेपी के पास गाय और गोबर ही विषय है। हमारे पास नौजवान किसान और गरीब विषय है।

दानिश ने कहा-विपक्ष को यूपी का विकास पसंद नहीं

अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद ने सदन में कहा- सपा जनता को विकास के मुद्दों से भटकाना चाहती है। बीजेपी सरकार यूपी को विकास के पथ पर आगे ले जा रही है। विपक्ष को यूपी का विकास पसंद नहीं। योगी सरकार यूपी का विकास सुनिश्चित कर रही है।

सूट-बूट वालों से बचो, क्या जाने बीजेपी वाले एमओयू करवा दें

समाजवादियों से सीखें कि इन्वेस्टमेंट कैसे लाते हैं : अखिलेश

नोएडा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोएडा में बीजेपी को महंगाई और जतीय जनगणना के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने कहा-मैं विधानसभा का सत्र छोड़कर आया हूं। राज्यपाल का अभिभाषण भी आपने सुना और पढ़ा होगा। बीजेपी वाले जाने कहां से रटकर आ गए हैं वन ट्रिलियन इकोनॉमी। सीएम से लेकर नेताओं से पूछे कि कैसे? मैं नहीं समझता हूं कि ये हो सकता है। जापान, अर्जेंटिना, अमेरिका, न जाने कहां-कहां गए। हमें लगा कुछ लाएंगे। अभी पता चला कि न वो कुछ लेने गए थे, न देने। वो सिर्फ निमंत्रण देने गए थे। अखिलेश ने कहा कि सच्चाई तो ये है कि कोट-सूट किसी को पहने दे लिया, उससे भी एमओयू करवा लिया। मुझे खुशी है कि इस मंच पर कोई ऐसा नहीं है, जिससे ये लोग एमओयू करवा ले। सूट-बूट वाला भीड़ में भी कोई नहीं है। बच के रहो, बीजेपी वालों से क्या जाने एक एमओयू आपसे ही करवा लें।

दूध, दाल और तेल देखों कितना महंगा, बीजेपी वालों के लिए ये मुद्दा नहीं

ये न धान की कीमत दे पाए। जो आलू पैदा हुआ, न उसकी कीमत दे पाए है। जो भी किसान पैदा कर रहा है। वो घाटे में जा रहा है। किसानों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई। नोएडा में इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कि इतनी महंगी मैं नहीं समझता हूं कि किसी ने देखी होगी। बताओ नोएडा वालो....। भीड़ से आवाज आई कि नहीं देखी। आज बताओ चावल की कीमत क्या है? राजकुमार भाटी आप बताओ? डिपार्टमेंट बता रहा है कि 31 रुपए किलो है। आटा बताओ, तूर दाल कितने की हो गई। सरकार वाले 100 रुपए की बता रहे हैं। मूंग, उड़द और मूगफली का तेल क्या हिसाब बिक रहा है। तेल में पॉम ऑयल मिला रहे है, ख्याल रखना। ये भी गड़बड़ है। जो खाए, वो बीमार हो जाता है। आलू और टमाटर क्या हिसाब है। बताओ 1 लीटर दूध कितने का मिल रहा है। अभी आपने देखा होगा कि अमूल ने 3 रुपए लीटर बढ़ा दिया, सभी कंपनियों ने कीमत बढ़ा दी। आपमें अधिकांश लोग दूध खरीद रहे हैं। ये भारतीय जनता पार्टी के लोगों के लिए महंगाई कोई मुद्दा नहीं है।

बीजेपी वाले छुटभैया नेता आगे कर रहे, उनकी मत सुनना

बीजेपी के लोग कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। हमने एक नया सवाल उठाया है जातीय जनगणना का। बीजेपी वाले छुटभैया नेताओं को आगे कर रहे हैं। लेकिन हम उनकी नहीं सुनेंगे। अब वो गांव हजरतपुर वाजिदपुर में स्व. राजपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण करने वाले हैं। इसके बाद करीब 1 बजे कार्यकर्ता को संबोधित करेंगे। अखिलेश पहले लखनऊ से हवाई जहाज से दिल्ली पहुंचे थे। इसके बाद यहां से नोएडा आए। करीब 12 बजे गांव हजरत पुर वाजिदपुर सेक्टर-63 में स्वर्गीय राजपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति तय की। इससे पहले 27 अगस्त को अखिलेश यादव नोएडा आए थे।

यूफ्लेक्स कंपनी के ठिकानों पर सर्च चौथे दिन भी जारी

500 करोड़ के मिले बोगस ट्रांजैक्शन

नोएडा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। यूफ्लेक्स कंपनी के ठिकानों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की सर्च के 60 घंटे से भी अधिक बीत चुके है। बोगस ट्रांजैक्शन का दायरा अब 150 करोड़ से बढ़कर 500 करोड़ तक पहुंच गया है।

वहीं नोएडा के बाहर 15 स्थानों पर सर्च पूरी कर ली गई है और एनसीआर में 10 स्थानों पर सर्च बढ़ा दी गई है। यानी एनसीआर को मिलाकर 66 स्थानों पर सर्च जारी है। नोएडा में कंपनी के एक परिसर सेक्टर-34 और दिल्ली के शाहदरा के एक परिसर को सील किया गया है। यहां ट्रांजैक्शन की डिटेल मिली थी। लेकिन जब टीम पहुंची तो वो परिसर खाली थे। इसलिए उनको सील किया गया है। कैपिटल गेन में 209 करोड़ के शेयर 200 करोड़ में दिखाए गए हैं। इसे आसान भाषा में समझे तो कैपिटल एसेट की बिक्री से होने वाले फायदा को कैपिटल गेन या पूंजीगत फायदा कहा जाता है। कैपिटल एसेट घर, जमीन, स्टॉक, म्यूचुअल फंड, गहने, ट्रेडमार्क आदि जैसे निवेश हैं। फायदा को 'आय' माना जाता है, इसलिए उसी वर्ष उस विशेष राशि पर टैक्स देना होता है, जिस वर्ष आपने इसे बेचा है।

यूफ्लेक्स सर्च में शेल कंपनियों का दायरा 10 से बढ़कर अब 40 हो गया है। इन कंपनियों में बोगस ट्रांजैक्शन किए गए हैं। जिनकी डिटेल खंगाली जा रही है। इन कंपनियों में जो डायरेक्टर हैं उनकी डिटेल निकाली जा रही है। यूफ्लेक्स ग्रुप पर सर्च के 60 घंटे से ज्यादा बीत चुके हैं। एनसीआर में करीब 600 और बाहर करीब 150 लोगों की टीम सर्च कर रही है। 20 अकाउंट ऐसे मिले हैं जो बहुत ही गरीब तबके के लोगों के हैं। जिनके मकान भी एक कमरे के ही हैं। इन लोगों के खातों से 5 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक ट्रांजैक्शन के दस्तावेज मिले हैं। 15 लॉकर मिले हैं। जिनको जल्द खुलवाया जाएगा। सर्च के दौरान जम्मू में करीब 100 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेन देन के दस्तावेज मिले हैं। इनकी जांच की जा रही है।

राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह और गनर की हत्या

प्रयागराज में घर में घुसकर दागीं गोलियां; राजू की हत्या का आरोप अतीक अहमद पर

प्रयागराज, 24 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बसपा विधायक रहे राजू पाल मर्डर केस के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी गई है। प्रयागराज में शुक्रवार को हमलावरों ने उन्हें घर में घुसकर घुसकर गोली मार दी। बदमाशों ने उपर कई राउंड फायर किए और गाड़ी पर बम से भी हमला किया। गोलीबारी में उमेश पाल की सुरक्षा में लगे तैनात दो गनर भी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान गवाह उमेश पाल और उनके गनर संदीप मिश्रा की मौत हो गई। दूसरे गनर राघवेंद्र सिंह का इलाज चल रहा है। उसकी हालत भी गंभीर है। फिलहाल हमलावरों के बारे में पता नहीं चल पाया है।

राजू पाल की 2005 में कर दी गई थी हत्या

इलाहाबाद पश्चिमी के बसपा विधायक रहे राजू पाल की 25 जनवरी 2005 को सुलेमसराय में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी पूजा पाल कौशाम्बी की चायल सीट से सपा से विधायक हैं। राजू पाल हत्याकांड में पूर्व सांसद अतीक अहमद व उनके छोटे भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ समेत अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उमेश पाल घटना के मुख्य गवाह था। वह राजू पाल की पत्नी पूजा के सगी बुआ का लड़का था। राजू पाल हत्याकांड की जांच सीबीआई ने की थी, जिसमें उमेश पाल मुख्य गवाह है।

यही कारण है कि उसे कई बार जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। राजू पाल की पत्नी कौशाम्बी की चायल सीट से विधायक पूजा पाल भी कई बार आशंका जता चुकी हैं कि गवाही को प्रभावित करने के लिए उमेश पाल की हत्या हो सकती है। उमेश पाल ने भी जान का खतरा बताया था। बसपा के पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद के बीच दुश्मनी करीब 17 साल पुरानी है। राजू पाल हत्याकांड में जब उमेश गवाह बने तो अतीक ने उनका अपहरण करा लिया था। उमेश अतीक गिरोह के खिलाफ अब तक पांच FIR करा चुके हैं। 25 जनवरी 2005 को शहर पश्चिम के विधायक राजू पाल को सुलेम सराय इलाके में गोलियों से भून दिया गया था। उस समय राजू पाल के दोस्त और रिश्तेदार उमेश पाल पूरे मामले के गवाह बन गए थे। राजू पाल हत्याकांड में गवाह बनते ही अतीक गिरोह उन्हें दुश्मन की नजर से देखने लगा। कई बार हमले का प्रयास हुआ लेकिन वे बच निकले थे। 28 फरवरी 2008 को उमेश का अपहरण कर लिया गया था। उनके साथ मारपीट की गई। धमकी दी गई, गवाही दी तो मार दिया जाएगा। बाद में उन्हें छोड़ा गया तो उन्होंने अतीक, अशरफ समेत गिरोह के कई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी इसके बाद भी अतीक गिरोह उमेश के पीछे पड़ा रहा। 11 जुलाई 2016 को उमेश गवाही देने कचहरी गए थे। उन पर कचहरी परिसर में ही जानलेवा हमला किया गया। उमेश ने अतीक, अशरफ समेत गिरोह के तमाम लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। दोनों मामले अब कोर्ट में चल रहे हैं। बृहस्पतिवार को उमेश ने अतीक गिरोह के खिलाफ तीसरी एफआईआर दर्ज कराई है। इसके अलावा 2022 में जन से मारने की धमकी और एक अन्य मामले में एफ आई आर लिखाई गई थी।

हत्या में फंसाने की भी हो चुकी है कोशिश

अतीक गिरोह ने उमेश पर न सिर्फ हमले कराए और धमकियां दीं बल्कि 2016 में धूमनगंज में जीतेंद्र पटेल की हत्या के मुकदमे में नामजद भी करवा दिया। हालांकि जांच में उमेश को बरी कर दिया गया।

रंगोत्सव में उड़ेंगे मथुरा के कैदियों के बनाए रंग

मथुरा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध ब्रज के रंगोत्सव पर इस बार कैदियों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल उड़ेगा। मथुरा के जिला कारागार में बंद छह कैदियों द्वारा होली के लिए हर्बल गुलाल तैयार किया है। जो ईको फ्रेंडली के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी अनुकूल है। वहीं इस पहल से जेल में निरुद्ध कैदी भी आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशभर में बने कारागारों को कौशल विकास मिशन के माध्यम से कैदियों को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। मथुरा की जिला कारागार में जेल प्रशासन कौशल विकास मिशन के तहत कैदियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने में जुटा हुआ है।

ब्रज की होली को और खास बनाने के लिए मथुरा जेल में बंद 6 कैदी खास गुलाल तैयार करने में जुटे हैं। जेल में अरारोट में सब्जियों को मिलाकर हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है।

हाईकोर्ट के दखल के बाद यूपी में फिर से खुल सकते हैं हुक्का बार

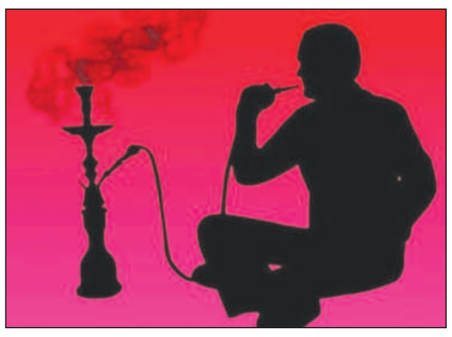

प्रयागराज, 24 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हुक्का बार का कारोबार करने वालों के लिए आखिरकार एक अच्छी खबर है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में अधिकारियों से हुक्का बार चलाने के लिए लाइसेंस देने या नवीनीकरण की मांग करने वाले आवेदनों पर विचार करने की तारीख से एक महीने की अवधि के भीतर कार्रवाई करने को कहा है।

कोविड-19 के प्रसार के दौरान 2020 में राज्य के विभिन्न जिलों में चलने वाले सभी हुक्का बारों को बंद कर दिया गया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल की पीठ ने कहा, कोविड-19 महामारी प्रतिबंधों में काफी हद तक ढील दी गई है और इसलिए कई दूसरे व्यवसायों को फिर से शुरू करने की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में समान व्यवसायों को चलाने की अनुमति दिए जाने के तथ्यों और परिस्थितियों पर भरोसा किया है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता मनीष गोयल ने राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, प्रस्तुत किया कि हुक्का बार मालिकों ने अभी तक नए लाइसेंस के लिए खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत वैधानिक प्राधिकरण को आवेदन नहीं किया है। यदि वे आवेदन करते हैं, तो उनके अनुरोध पर यथासंभव शीघ्रता से कानून के अनुसार सख्ती से विचार किया जाएगा।

अदालत ने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उपरोक्त अधिनियम के तहत निर्विवाद रूप से हुक्का बार चलाने के व्यवसाय को विनियमित किया जाता है, संबंधित हुक्का बार चलाने के लिए लाइसेंस के अनुदान/नवीनीकरण के लिए वैधानिक प्राधिकरण को आवेदन करने के लिए खुला छोड़ दिया गया है। हुक्का बार मालिकों की ओर से पेश वकील ने आग्रह किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों में काफी हद तक ढील दी गई है और इसलिए, उन्हें अपना व्यवसाय फिर से शुरू करने की अनुमति दी जा सकती है। लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी के छात्र हरि गोविंद दुबे ने राज्य में हुक्का बार के माध्यम से कोरोनावायरस के प्रसार के मुद्दे पर 2020 में उच्च न्यायालय में एक पत्र याचिका दायर की थी। अदालत ने उसी का संज्ञान लिया और पत्र को जनहित याचिका माना।

गैंगस्टर जावेद की 2.03 करोड़ की संपत्ति जब्त

मथुरा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा में नशे के कारोबार से अकूत संपत्ति अर्जित करने वाले गैंगस्टर जावेद की बृहस्पतिवार शाम 2.03 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। इनमें एक बेशकीमती प्लॉट, एक प्लॉट पर अधूरा बना मकान और दो मंजिला मकान शामिल है। एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अजय जैन व सीओ सिटी अभिषेक तिवारी पुलिस बल के साथ भूतेश्वर तिराहा के पास नवनीत नगर में पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। कारोबारी जावेद पुत्र बुंदू के आवास पहुंचकर कोतवाली पुलिस ने मुनादी कराते हुए करीब 45 लाख रुपये मकान कुर्क किया।

किसान ने बेटियों को हेलीकॉप्टर से किया विदा

'ससुराल' में नहीं मिली उतरने की इजाजत, इंतजार करते रह गए लोग

बरेली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में किसान भाइयों ने अपनी मां की इच्छा पूरी करने के लिए बेटियों की शादी धूमधाम से की। गुरुवार की रात दोनों बेटियों के विवाह की रस्में संपन्न हुईं। शुक्रवार की सुबह दुल्हनों की विदाई हेलीकॉप्टर से की गई। इसके लिए किसान परिवार ने अपने खेत में हेलीकॉप्टर उतरने की इजाजत पहले ही ले ली गई थी, लेकिन ससुराल में यह उत्साह तब फीका पड़ गया, जब दुल्हनों को लेकर आए हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति नहीं मिली। इसके कारण हेलीकॉप्टर से दूल्हा-दुल्हन दिल्ली रवाना हो गए।

भोजीपुरा क्षेत्र के गांव दोहना पीतमराय के किसान राजेंद्र सिंह यादव की बेटी प्रियंका और उनके छोटे भाई रामदास उर्फ नन्हे यादव की बेटी प्रीति की शादी मीरगंज के गांव हल्दी खुर्द निवासी सगे चचेरे-तहेरे भाइयों के साथ हुई है। राजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि उनकी 70 वर्षीय मां प्रेमवती की इच्छा थी कि दोनों बेटियों की विदाई हेलीकॉप्टर से की जाए। रामदास ने बताया कि दोनों दामाद चचेरे तहेरे भाई हैं। सुबह करीब 10 बजे हेलीकॉप्टर राजेंद्र सिंह यादव के खेत में उतरा।

विहिप की पूर्व प्रांत संयोजिका भूख हड़ताल पर बैठीं

बोलीं-मेरा कथित वीडियो वायरल करके मानसिक बलात्कार हुआ; साजिश करके पद से हटाया

कानपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में विश्व हिन्दू परिषद के दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका रूबी द्विवेदी उर्फ मनु भूख हड़ताल पर बैठ गई हैं। उनका कहना है कि मेरा कथित अश्लील वीडियो वायरल करके साजिश की गई। संगठन में झूठी शिकायत करके मुझे पद से हटाया गया है। इसके चलते वह भूख हड़ताल पर बैठी हैं। जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिलेगा वह भूख हड़ताल पर बैठी रहेंगी। संगठन को उनका भी पक्ष सुनना चाहिए।

कानपुर में विश्व हिन्दू परिषद के दुर्गा वाहिनी की कानपुर प्रांत संयोजिका रूबी द्विवेदी उर्फ मनु को बीते दिनों पद से हटा दिया गया। रूबी ने बताया कि उन्होंने अपने पदाधिकारियों से इस संबंध में बात की और पूछा कि क्यों हटाया गया है। तब उन्हें जानकारी दी गई कि उनका एक अश्लील वीडियो संगठन के पास आया है। इसके चलते पद से हटाया गया है। रूबी ने इस बात का खंडन करते हुए कहा कि उनका अश्लील वीडियो नहीं है। उन पर झूठे आरोप लगाकर पद से हटाया गया है। साजिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और चरित्र हनन के चलते कानपुर के श्री मुनि हिन्दू इंटर कॉलेज गोविंद नगर स्थित विश्व हिन्दु परिषद के कार्यालय में अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गईं। उनका कहना है कि उनपर झूठे आरोप लगाकर मानसिक बलात्कार किया गया है। उनपर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। इस तरह की साजिश करने वालों के खिलाफ संगठन को कार्रवाई करनी चाहिए। उनकी भूख हड़ताल संगठन के खिलाफ नहीं है। वह अपने संगठन से न्याय की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी हैं।

पुलिस ने कहा तहरीर मिलने पर एफआईआर होगी

वहीं मामले में गोविंद नगर थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि इस संबंध में मेरे पर कोई तहरीर नहीं दी गई है। अगर पीड़िता मामले में तहरीर दें तो उसका कथित अश्लील वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

क्रिकेटर को आईपीएल में ब्रेक दिलाने के नाम पर ठगी

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के क्रिकेट खिलाड़ी अभिलेख सिंह से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में ब्रेक दिलाने में मदद करने के नाम पर पांच लाख रुपए की ठगी की गई। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद गौतमपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज से पासआउट अभिलेख ने अपनी प्राथमिकी में कहा है कि 2019 में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में एक अभ्यास मैच के दौरान उसकी मुलाकात कृष्ण कुमार झा से हुई थी। उसने पहले मुझे आईपीएल में खेलने का लालच दिया और 17 लाख रुपए की मांग की। मैंने इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने में असमर्थता व्यक्त की। उसने मुझे एक राज्य के लिए खेलने के लिए 5 लाख रुपए के एक और सौदे में फंसाया।

तिरुपति बालाजी की तर्ज पर काशी विश्वनाथ धाम में मिलेगा प्रसाद, ऑनलाइन ऑर्डर भी कर सकेंगे

वाराणसी, 24 फरवरी (एजेंसियां)। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में तिरुपति बालाजी की तर्ज पर भक्तों को लड्डू का प्रसाद मिलेगा। प्रसाद के स्वाद और गुणवत्ता पर होली से पहले तक निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास बाबा विश्वनाथ के प्रसाद पर जल्द ही अंतिम मुहर लगा सकता है। इसका जीआई पंजीकरण भी कराया जाएगा। इससे प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता बरकरार रहेगी। देवाधिदेव महादेव के प्रसाद की सामग्री का चयन करने के बाद न्यास शासन से भी सहमति लेगा। काशी विश्वनाथ धाम में पहुंचने वाले भक्त मंदिर के काउंटर से लेकर बाबा को भोग लगा सकेंगे। ऑनलाइन ऑर्डर पर भी प्रसाद मिलेगा। दरअसल, पिछले महीने मुख्य सचिव डॉ. दुर्गा शंकर मिश्रा ने वाराणसी प्रवास के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर की व्यवस्था की समीक्षा की थी। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए प्रसाद का सुझाव दिया था। इसके बाद से ही प्रसाद को लेकर मंथन चल रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की बुधवार को हुई बैठक में इस पर लंबी चर्चा की गई और लड्डू के प्रसाद पर सहमति बनी है। इसके अलावा टेढ़ीनीम स्थित बाबा की भोगशाला को अतिथि गृह के रूप में विकसित करने पर सहमति बनी है।

पवन खेड़ा-नेहा सिंह पर कार्रवाई के मायने

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता पर कथित अभद्र टिप्पणी के कारण कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर हुई कार्रवाई का पहला एपिसोड उन्हें जमानत मिलने के बाद समाप्त हो गया है। भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौड़ को उनके एक गाने के कारण उत्तर प्रदेश पुलिस का नोटिस मिलने की भी सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। इसके पहले भी कई सरकार विरोधी विचार लोगों पर कार्रवाई की जा चुकी है, जिस पर हंगामा मच चुका है। बड़ा प्रश्न है कि सरकार का विरोध करने वाली सामान्य आलोचना पर भी इस तरह की कड़ी कार्रवाई क्यों हो रही है, और इसका भाजपा या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर क्या असर पड़ रहा है?

'अपनी आलोचना नहीं सुनना चाहती सरकार'

कांग्रेस नेता रितु चौधरी ने कहा कि पवन खेड़ा की जिस टिप्पणी पर इतना विवाद खड़ा किया गया, वह एक मानवीय भूल के कारण हुई थी। उन्होंने बिना कोई देर इस पर खेद भी प्रकट कर दिया था। इसके बाद मामला तुरंत समाप्त हो जाना चाहिए था। लेकिन जिस तरह पवन खेड़ा को गिरफ्तार किया गया और उन्हें असम पुलिस ने निशाना बनाने की कोशिश की, उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार केवल लोगों का दमन करने पर उतारू है। वह किसी भी कीमत पर अपनी आलोचना सुनने को तैयार नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि गांधी परिवार को उनकी कई पीढ़ी तक अपमानित किया जाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता उनकी नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं, लेकिन कांग्रेस ने अपने शासन में कभी उनके खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष के विरोध करने के अधिकार का दमन करने की कोशिश है। रितु चौधरी ने कहा कि उनके नेता पर हुई कार्रवाई कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन को प्रभावित करने के लिए की गई है। सरकार यह समझ रही है कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस मजबूत हुई है और रायपुर अधिवेशन से इस मजबूती को जनता के बीच और ज्यादा आधार और स्वीकृति मिलेगी। यही कारण है कि उनके वरिष्ठ नेताओं पर कार्रवाई कर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है।

'भाजपा नहीं करा रही एफआईआर'

उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता एसएन सिंह ने कहा कि सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि पवन खेड़ा का मामला हो या नेहा सिंह राठौड़ का, उन पर भाजपा ने कोई एफआईआर नहीं दर्ज कराई है। जब पार्टी को किसी बात का विरोध करना होता है, तो वह संबंधित पार्टियों के कार्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करती है। इस मामले में भाजपा ने कोई धरना-प्रदर्शन नहीं किया, लिहाजा इसे भाजपा की तरफ से की गई कार्रवाई नहीं कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन मामलों में इन लोगों की टिप्पणियों से क्षुब्ध सामान्य जनता की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। यदि भारत के लोकतंत्र में इन लोगों (पवन खेड़ा और नेहा सिंह राठौड़) को अपनी बात कहने का अधिकार है, तो उससे चोटिल हुए व्यक्ति को भी कानून की धाराओं के अंतर्गत उपचार पाने का अधिकार है। यदि उन्होंने ऐसा किया है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

संवैधानिक संस्थाओं-पदों पर हमले कैसे रुकेंगे

एसएन सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने लगातार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय, थल सेनाध्यक्ष और चुनाव आयोग पर अंगुली उठाई है और उनके विरुद्ध अभद्र टिप्पणियां की हैं। अभद्र टिप्पणी करने वालों में कांग्रेस का सर्वोच्च नेतृत्व भी शामिल रहा है। ऐसे में ये क्यों न माना जाए कि ये नकारात्मक टिप्पणियां जानबूझकर और गलत मंशा से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी पद संविधान सृजित हैं। इन पर बैठे व्यक्ति के बारे में नकारात्मक टिप्पणी केवल इन पर बैठे व्यक्तियों के विरुद्ध की गई नकारात्मक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उस संवैधानिक पद और स्वयं संविधान पर की गई टिप्पणी है। इसलिए संविधान और संवैधानिक पदों की मर्यादा बनाए रखने के लिए ऐसी अभद्र टिप्पणी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करना बेहद आवश्यक है।

सबके लिए हों एक जैसे कानून

वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष ने कहा कि लोकतंत्र अपनी मूल भावना में ही लोगों को सरकार से असहमत होने का अधिकार देता है। उसकी यह विशेषता ही उसे एक सफल लोकतंत्र बनाती है। लेकिन जिस तरह से नेहा सिंह राठौड़ के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें नोटिस थमाया गया है, यह दर्शाता है कि सरकार अपने विरुद्ध किसी की आलोचना सुनने को तैयार नहीं है। यह लोकतंत्र की मूल भावना के विरुद्ध है और यह लोकतंत्र के प्रति सरकार की सोच को दर्शाता है। आशुतोष ने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ है कि किसी अपराध के लिए एक सामान्य व्यक्ति और एक प्रधानमंत्री के बीच भेद नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी टिप्पणी के लिए पवन खेड़ा और दूसरे गैर-भाजपाई दलों के नेताओं पर कार्रवाई हो रही है तो ऐसी ही कार्रवाई उन भाजपा नेताओं पर भी होनी चाहिए जो समय-समय पर विपक्ष के नेताओं पर अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। लेकिन ऐसा न होना यह दर्शाता है कि एक वर्ग स्वयं को दूसरों से ऊपर समझ रहा है और सरकार के बल प्रयोग के जरिए वह अपने विरोधियों का दमन करने पर उतारू है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था, देश और समाज को कमजोर करती है।

सोशल मीडिया ने बदले मानक, लाभ नहीं मिलता

वरिष्ठ पत्रकार सुनील पांडे ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में समाज के कई मानक टूट रहे हैं, तो कई नए मानक स्थापित हो रहे हैं। सामान्य टिप्पणी करने में भी नैतिकता की सोच रखने वालों का युग समाप्त हो चुका है और अब हर राजनीतिक दल का एक ऐसा समर्थक वर्ग तैयार हो चुका है, जो उनका विरोध करने वालों से तुरंत गाली-गलौज और हिंसा करने को उतारू रहता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस तरह की कार्रवाइयों को राजनीतिक दलों के द्वारा ही बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे यह बीमारी संक्रामक हो गई है। नेताओं की रैलियों में किसी एक वर्ग के लोगों के लिए अपमानजनक और हिंसा को उकसाने वाले भाषणों पर जनता के बीच ताली बजना भी यह बताता है कि जनता के एक वर्ग के बीच यह संस्कृति स्वीकार्य हो रही है। दूसरे दल भी देखा-देखी अब जवाब देने में किसी से कमजोर नहीं रहना चाहते और जमकर अपने विरोधियों पर उसी अपमानजनक शब्दों में टिप्पणी कर रहे हैं जिससे माहौल और ज्यादा गंदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक यह संस्कृति केवल पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा जैसे वामपंथी प्रभाव वाले राज्यों में देखने को मिलती थी, अब यह देशव्यापी होती दिख रही है। आलोचना करने की छूट के कारण सोशल मीडिया इस बीमारी का संवाहक बना हुआ है। इस तरह की आलोचनाओं के कारण किसी दल को कोई राजनीतिक लाभ मिलता हो, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक वर्ग ऐसा अवश्य पैदा हुआ है जो इस तरह की टिप्पणियों के जरिए प्रतिक्रिया देने पर स्वयं को संतुष्ट महसूस करता है। अपने मतदाताओं की इन्हीं भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए नेता भी इसे बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन इससे देश की सामान्य सामाजिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है, वर्गों के बीच वैमनस्य बढ़ रहा है जो कभी सांप्रदायिक-जातीय हिंसा के रूप में सामने आ सकता है। उन्होंने कहा कि इसका नुकसान आपसी तनाव के रूप में पूरे देश को भुगतना पड़ेगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर किया 1 साल तक बलात्कार

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक लड़की के साथ उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड ने कई बार रेप किया. जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय छात्रा के साथ उसके दोस्त ने एक साल में कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, लड़की पहली बार उस व्यक्ति से तब मिली जब वह नाबालिग थी, वह पुलिस के पास गई जब आरोपी ने उसे अपने दोस्तों के साथ सोने के लिए ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसकी शिकायत के अनुसार जुलाई 2020 में इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात गुरुग्राम निवासी अभिषेक नाम के लड़के से हुई। उनकी सोशल मीडिया मीटिंग के बाद, वह पहली बार उनसे गुरुग्राम के एक पार्क में मिलीं। लड़की ने कहा, 'सितंबर 2021 में हम दोबारा एमजीएफ मॉल में मिले जहां वह मुझे डीएलएफ फेज-2 इलाके के एक गेस्ट हाउस में ले गया जहां उसने मेरे साथ रेप किया।' युवती बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। इस घटना के बाद आरोपी उसे फोन कर संबंध बनाने के लिए कहता था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपी ने मानेसर के एक होटल में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। लड़की ने अपने बयान में कहा, उसने मुझे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया तथा पिछले साल सितंबर में एक बार फिर मेरे साथ बलात्कार किया। उसकी शिकायत के आधार पर, अभियुक्त अभिषेक के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सेना ने गलवान घाटी के पास दागी टैंक-रोधी गाइडेड मिसाइल 'ध्रुवस्त्र हेलिना'

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी के पास रुद्र गनशिप से टैंक-रोधी गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) 'ध्रुवस्त्र हेलिना' दागकर सफल परीक्षण किया है। यह वही इलाका है, जहां से 2020 में भारत और चीन के सैनिकों में घातक खूनी संघर्ष हुआ था। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। इसी घटना के बाद से भारत और चीन के बीच उत्तरी सीमा पर गतिरोध ज्यादा बढ़ा है, जिसका समाधान निकालने के राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य प्रयास चल रहे हैं। स्वदेश में ही विकसित हेलीकॉप्टर से लॉन्च की जाने वाली टैंक-रोधी मार्गदर्शित मिसाइल 'ध्रुवस्त्र हेलिना' विकास परीक्षण पूरे होने के बाद अब सीधे और शीर्ष हमले के मोड में है, जो नई सुविधाओं के साथ उन्नत है। भारत ने पिछले साल 11-12 अप्रैल को लगातार दो दिन लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्वदेशी उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) से एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'ध्रुवस्त्र हेलिना' का परीक्षण किया था। इस मिसाइल ने परीक्षण में एक नकली टैंक लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर नष्ट कर दिया था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के वैज्ञानिकों की टीमों ने इन ट्रायल्स को मान्य किया। अब भारतीय सेना ने उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण ट्रायल्स के हिस्से के रूप में पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी के पास रुद्र गनशिप से टैंक-रोधी गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) 'ध्रुवस्त्र हेलिना' दागकर सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण रुद्र हेलीकॉप्टर से किया गया और मिसाइल ने नकली टैंक लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। मिसाइल को एक इन्फ्रारेड इमेजिंग सीकर (आईआईआर) से निर्देशित किया गया, जो लॉन्च से पहले लॉक ऑन मोड में काम करता है। यह दुनिया के सबसे उन्नत टैंक रोधी हथियारों में से एक है। यह परीक्षण सेना के वरिष्ठ कमांडरों और डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की मौजूदगी में किया गया। 'ध्रुवस्त्र हेलिना' तीसरी पीढ़ी की फायर-एंड-फॉरगेट क्लास एटीजीएम है जो स्वदेशी उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) पर लगाई जानी है।

इसकी न्यूनतम सीमा 500 मीटर और अधिकतम सीमा 7 किलोमीटर है। हेलीकॉप्टर से लॉन्च की जाने वाली नाग मिसाइल की रेंज बढ़ाकर इसे 'ध्रुवस्त्र हेलिना' का नाम दिया गया है। इसे एचएएल के रुद्र और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों पर ट्विन-ट्यूब स्टब विंग-माउंटेड लॉन्चर से लॉन्च किया जाना है। उपयोगकर्ता परीक्षण पूरे होने के बाद उत्पादन का रास्ता साफ होते ही सशस्त्र बलों को इस्तेमाल करने के लिए यह एटीजीएम सौंप दी जाएगी। शुरुआत में लगभग 500 मिसाइलों और 40 लॉन्चरों की आवश्यकता होगी।

नारनौल में पुलिस कर्मचारी की बर्बरता

पत्नी को बेरहमी से डंडे से पीटा, नौकरी की धौंस दिखाई; चरखी दादरी में है कार्यरत

नारनौल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में एक पुलिस कर्मचारी द्वारा अपनी ही पत्नी के साथ बर्बरता करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पत्नी ने इसकी शिकायत पुलिस में दी है। पति चरखी दादरी में पुलिस विभाग में कार्यरत है। रामनगर कॉलोनी निवासी एक महिला ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि अक्सर उसका पति उसको पीटता है तथा पुलिस में नौकरी करने की धौंस दिखाता है। 21 फरवरी को वह तथा उसकी लड़की अपने घर में खाना खाकर सो गए थे। रात को 11 बजे के करीब उसका पति कुलदीप आया तथा उसने डोरबेल बजाई। जब उसने दरवाजा खोल कर कहा कि मैं उसके लिए खाना बना देती हूं, तब उसने कहा कि वह अपने आप खाना बना लेगा। उसके बाद उसने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी तथा उसको गली दी। यह सुनकर उसकी बेटी जग गई और उसको छुड़वाने आई, लेकिन तब तक उसके पति ने डंडा लेकर उसके हाथ पैरों पर काफी चोट मारी दी थी।

सीएम शिवराज बोले

मां-बेटे और पिता-पुत्र की पार्टी प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकती

भोपाल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व सीएम कमलनाथ से सवाल पूछते हुए कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि यह मां,बेटे और पिता, पुत्र की पार्टी प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कमलनाथ जी से सवालों का सिलसिला मेरा जारी है। मुझे पता है वह सवालों से बचेंगे, लेकिन उनके चोट को आज पूरा मध्यप्रदेश देख रहा है। अब कांग्रेस में तो गजब की सिरफुटव्वल है। वो भावी सीएम भी बनते हैं। अवश्यं भावी मुख्यमंत्री भी बनते हैं, लेकिन उनके साथ ही कहते हैं अभी कुछ तय नहीं है। एक अजूबा देखिए एक वीडियो में कमलनाथ जी और नकुलनाथ जी के सामने ही शपथ दिलाई जा रही है कि पिता मुख्यमंत्री बनेगा और बेटा सांसद बनेगा। यह मां, बेटे की पार्टी और पिता, पुत्र की पार्टी ना तो प्रदेश का भला कर सकती है ना देश का भला कर सकती है। सीएम शिवराज ने कहा कि कमलनाथ जी आपने जो अपने वचन पत्र में जो झूठ पत्र है, आपने वचन दिया था। संभाग स्तर पर कन्याओं के लिए आवासी खेल स्कूल खोले जाएंगे। क्या आपने एक भी संभागीय स्तर पर फिर स्कूल खोला। क्यों झूठ बोलते हो क्यों भ्रम फैलाते हो"

खाते से 72 लाख गायब करने के मामले में तीन और गिरफ्तार

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। महानगर कोलकाता के पोस्ता थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति के खाते से 72 लाख 42 हजार रुपये गायब करने के मामले में तीन और लोगों की गिरफ्तारी की गई है। इनकी पहचान प्रवेश कुमार राम (21), अनूप दे (30) और बसंत सिंह (42) के तौर पर हुई है। इनमें से प्रवेश बिहार के सुपौल जिले का रहने वाला है जबकि अनूप कूचबिहार का और बसंत कोलकाता के नेताजी नगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इनकी गिरफ्तारी के बारे में शुक्रवार सुबह कोलकाता पुलिस के संयुक्त आयुक्त (अपराध) मुरलीधर शर्मा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में नौ लोगों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी और तीनों की गिरफ्तारी के साथ ही संख्या बढ़कर 12 हो गई है। 20 दिसंबर को इस संबंध में कोलकाता के पोस्ता थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

क्लासमेट ने किया टॉप तो आया गुस्सा

10वीं की परीक्षा दे रही लड़की पर एसिड अटैक

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बीरभूम जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आयी है. एक छात्रा अपने क्लास में प्रायः ही अच्छा रैंक हासिल करती थी. इससे नाराज एक छात्र ने उस पर एसिड अटैक किया. एसिड अटैक के कारण उसकी हथेलियों और कलाइयों पर छाले पड़ गये. बीरभूम के नलहटी थाने के मेहग्राम की एक छात्रा लेखिका की मदद से माध्यमिक परीक्षा में बैठी. परीक्षा के बाद उसने दावा किया कि परीक्षा में बाधा डालने के लिए उसके सहपाठियों ने उस पर तेजाब से हमला किया. छात्रा समय से माध्यमिक परीक्षा केंद्र पर पहुंच गयी थी.

उनकी मां उनके साथ थीं. छात्रा लेखक के बगल में बैठकर पहली भाषा की परीक्षा दी है. वह चेहरे पर मुस्कान लिए परीक्षा केंद्र से बाहर आई. उसने कहा कि टेस्ट काफी अच्छा गया. विश्व हिंदू परिषद के सौरिष मुखर्जी ने ट्वीट किया, 'पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से एक दुखद खबर आ रही है. 21/02/23 को आरिफ शाह ने कथित तौर पर अपनी सहपाठी लक्ष्मी डे के दाहिने हाथ पर तेजाब फेंक दिया. उसका दाहिना हाथ जल गया. आरिफ ने धमकी भरा पत्र भी दिया कि वह उसे माध्यमिक परीक्षा में प्रथम नहीं आने देगा. इसलिए उसने उसका लिखने वाला हाथ जला दिया.' बता दें कि मंगलवार की शाम माध्यमिक परीक्षार्थी घर पर परीक्षा की तैयारी कर रही थी. छात्रा की मां ने दावा किया कि शाम साढ़े सात बजे तक वह घर पर नहीं थी. इसी दौरान एक युवक बाइक पर सवार होकर आया. उसकी बेटी को नाम से पुकारा. जब उसने सामने का दरवाजा खोला तो उस पर तेजाब फेंका. वह इसे अपने हाथों से रोकने की कोशिश की. इससे उसकी हथेली जल गयी.

भ्रूण लिंग जांच कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

रेवाड़ी, 24 फरवरी (एजेंसियां)। झज्जर व रेवाड़ी जिला स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भ्रूण लिंग जांच कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस भी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों ने 60 हजार रुपये में भ्रूण लिंग जांच कराने का सौदा किया था। झज्जर स्वास्थ्य विभाग ने डिकाय मरीज के जरिए बावल के वेदप्रकाश व तुलाराम विहार के पवन से संपर्क किया। पवन लेब टेक्नीशियन है। भ्रूण लिंग जांच कराने का सौदा डिकाय मरीज से 60 हजार रुपये में हुआ। दलाल ने गर्भवती महिला को रेवाड़ी बस स्टैंड पर बुला लिया। पवन ने एसबीआई बैंक के समीप स्थित एक अस्पताल में बुलाकर डाक्टर की पर्ची बनवा दी।इसके बाद महिला को कानोड़ गेट के पास स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर लेकर गए। यहां पर महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया। कानोड गेट स्थित अल्ट्रासाउंड सेंटर के बार ही दलालों ने महिला के साथ आए परिजनों से 60 हजार रुपये ले लिए। पवन ने महिला से कहा कि लड़के कुआं पूजन पर उन्हें भी जरूर बुलाना। पहले से वहां पर मौजूद पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने वेदप्रकाश व पवन को वहीं दबोच लिया।

बसोहली में बांध किनारे दरक रही जमीन

तीन घरों में आई दरारें, कुछ अन्य मकान भी खतरे में

जम्मू, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला कठुआ में रंजीत सागर झील से सटे बसोहली के वार्ड 6 में इन दिनों कई परिवार डर के साए में जी रहे हैं। इसका कारण यह है कि लोगों के मकानों में दरारें आ गई हैं और कुछ लोगों के मकान दरकना शुरू हो गए हैं। लोगों के मुताबिक रंजीत सागर झील के जलाशय की दूरी उनके घरों से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर है और यहां धीरे-धीरे भूमि खिसक रही है और लोगों के घरों को नुकसान पहुंच रहा है। वर्ष 2000 में रंजीत सागर झील का पानी स्टोर किया गया था, जिसके 3 वर्ष बाद लोगों के घरों को नुकसान पहुंचना शुरू हो गया। तब भी लोगों ने इस संदर्भ में स्थानीय जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाया था, लेकिन आज तक इस संदर्भ में कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। वर्ष 2013 में मात्र 3 से 4 घर इस भूस्खलन की जद में थे जबकि वर्ष 2023 में इनकी संख्या लगभग एक दर्जन तक पहुंच गई है। इस बात को लेकर लोगों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि कहीं भविष्य में भूस्खलन के कारण पूरा मोहल्ला इसकी जद में न आ जाए। वार्ड 6 की निवासी सविता शर्मा ने बताया कि उनके घरों की दीवारों पर दरारें आ चुकी हैं, जिसकी अब तक बीते वर्षों में कई बार अपने निजी खर्च पर मरम्मत करवा चुके हैं। इस बात का भी भय बना हुआ है कि रात के समय मकान भूस्खलन की चपेट में आकर रंजीत सागर झील के जलाशय में न समा जाए। इसी भय के कारण वह अपने दूसरे घर में जाकर रात के समय विश्राम करते हैं।

पत्नी को बॉस से संबंध बनाने के लिए मजबूर किया, बोला- सैलरी बढ़ाने का यही एक रास्ता, केस दर्ज

इंदौर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के नंदानगर में रहने वाली 32 साल की महिला ने पुणे में रहने वाले पति, सास और देवर के खिलाफ सेक्सुअल हरेसमेंट का केस दर्ज कराया है। महिला की शादी 2003 में पुणे में रहने वाले अमित छाबड़ा से हुई। अमित कपड़े के शोरूम पर सेल्स का काम करता है और दोनों की एक 12 साल की बेटी है। पति की तनख्वाह 10 हजार रुपए महीना है। महिला ने बताया कि वह तनख्वाह बढ़वाना चाहता था इसलिए उसने कहा कि तुझे मेरे बॉस से संबंध बनाना होंगे। मैंने मना किया तो मुझे खूब पीटा। 12 साल की बेटी की वजह से मैं चुपचाप सब सहती रही। इसके बाद मैंने सास को भी इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने भी मेरा सपोर्ट नहीं किया। महिला ने बताया कि इसके बाद मेरे देवर राज ने भी मेरे साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दी। मैंने यह बात पति और सास को बताई तो वह मुझसे ही झगडने लगे। ससुराल के लोगों ने मुझे इतना परेशान कर दिया कि मैं आत्महत्या का सोचने लगी। मैंने हाथ की नस भी काट ली लेकिन किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा। इसके बाद मैं इंदौर आई लेकिन कुछ ही दिनों के बाद पति अमित भी इंदौर आ गया और मायके में सबके सामने मारपीट की। मैंने इसकी शिकायत पुलिस से की तो पुलिस ने यह मामला महिला हेल्प डेस्क को भेज दिया। पुलिस ने अमित को बुलाया तो उसने लिखित में दिया कि वह अब गलत काम नहीं करेगा लेकिन ससुराल पहुंचते ही सब मुझे फिर से परेशान करने लगे। इसके बाद मैं इंदौर आई और कोर्ट पहुंची। कोर्ट जाने पर महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम बनाकर जांच कर रिपोर्ट पेश करने का कहा गया। रिपोर्ट आने के बाद पति, देवर और सास पर केस दर्ज किया गया।

शिलॉन्ग में पीएम मोदी का रोड शो:कहा- कुछ लोग कहते हैं- मोदी तेरी कब्र खुदेगी, देश कह रहा है- मोदी तेरा कमल खिलेगा

शिलांग, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को नगालैंड और मेघालय में चुनावी रैली में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने मेघालय के शिलॉन्ग में कहा कि कुछ लोग जिनको देश ने नकार दिया है, जो निराशा के गर्त में डूब चुके हैं, वो आजकल माला जपते हैं और कह रहे हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी, लेकिन देश कह रहा है, देश का कोना कोना कह रहा है, मोदी तेरा कमल खिलेगा। पीएम ने कहा- आज जिस प्रकार से शानदार और जानदार रोड शो आपने किया है, आपका यह प्यार, आपका यह आशीर्वाद, मैं आपके इस कर्ज को जरूर चुकाऊंगा। आपके इस प्यार और

आशीर्वाद का कर्ज मैं मेघालय का विकास कर चुकाऊंगा, आपके कल्याण के काम को गति देकर चुकाऊंगा। आपके इस प्यार को मैं बेकार नहीं जाने दूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा- जब मैं मेघालय के बारे में सोचता हूं तो मैं प्रतिभाशाली लोगों, जीवंत परंपराओं के बारे में सोचता हूं, अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य के बारे में भी सोचता हूं। मेघालय का संगीत जीवंत है। फुटबॉल के लिए जुनून है। मेघालय के हर कोने में रचनात्मकता है।

मेघालय में कमल खिल रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा- मेघालय में चारों तरफ बीजेपी ही बीजेपी दिख रही है। पर्वतीय हो या मैदानी इलाका, गांव हो या शहर हर तरफ कमल खिलता दिख रहा है। मेघालय आज फैमिली फर्स्ट की बजाय पीपुल फर्स्ट वाली सरकार चाहता है इसलिए आज 'कमल का फूल' मेघालय की मजबूती, शांति और स्थिरता का पर्याय बन गया है। मेघालय के हितों को कभी भी प्राथमिकता नहीं दी गई, आपको छोटे-छोटे मुद्दों पर बांटा गया। इस राजनीति ने आपका बहुत नुकसान किया है, यहां के युवाओं का बहुत नुकसान किया है। शिलॉन्ग के बाद प्रधानमंत्री तुरा में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

दिमापुर में कहा- कांग्रेस ने नॉर्थ-ईस्ट को एटीएम बना लिया था

इससे पहले प्रधानमंत्री ने नगालैंड के दिमापुर में सभा की। उन्होंने यहां अपने संबोधन में नॉर्थ-ईस्ट को लेकर पहले की कांग्रेस सरकार की नीतियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने नॉर्थ-ईस्ट को एटीएम माना हुआ था। सरकार का पैसा जनता तक नहीं, बल्कि करप्ट पार्टियों की तिजोरी में पहुंचता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नगालैंड की सरकार को रिमोट कंट्रोल से चलाया। दिल्ली से लेकर दीमापुर तक इन्होंने परिवारवाद को ही प्राथमिकता दे रखी थी, लेकिन हमारी सरकार ने पूरे नॉर्थ-ईस्ट के लिए दिल्ली की सरकार की सोच को ही बदल दिया है। नगालैंड को पहली महिला राज्यसभा सांसद देने का अवसर भी एनडीए को मिला है।

हमने नॉर्थ-ईस्ट के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी माना

पीएम ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट के 8 राज्यों को हम कांग्रेस की तरह एटीएम नहीं बल्कि 'अष्ट लक्ष्मी' मानते हैं। हमारा यह प्रयास है कि दिल कि दूरियां भी मिटें और दिल्ली से भी दूरी कम हो। बीते 9 वर्षों में मैं खुद दर्जनों बार यहां आया हूं। अपने लोगों पर अविश्वास करके देश नहीं चलता। देश चलता है अपने लोगों का सम्मान करके, उनकी समस्याओं का समाधान करके। पहले जहां नॉर्थ-ईस्ट में डिवाइड की पॉलिटिक्स चलती थी उसको हमने डिवाइन में बदला है। नगालैंड के लिए हमारा मंत्र है- पीस, प्रोग्रेस और प्रॉस्पेरिटी।

27 को चुनाव, 2 मार्च को नतीजे

बता दें कि मेघालय और नगालैंड में 60 विधानसभा सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव होना है। मेघालय में चुनाव से पहले शुक्रवार का प्रचार मोदी की यह पहली और आखिरी रैली होगी। त्रिपुरा समेत पूर्वोत्तर के तीनों राज्यों में नतीजे दो मार्च को आएंगे। दो दिन पहले मेघालय सरकार ने तुरा में सुरक्षा का हवाला देते हुए पीएम मोदी की चुनावी रैली को परमिशन देने से इनकार कर दिया था। यह रैली पीए संगमा स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स में होने वाली थी।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 फरवरी- 2023

थानों में कैमरा जरूरी

कहने को तो देश में कानून है कि किसी भी आरोपी को गिरफ्तारी के बाद मार पिटाई नहीं होना चाहिए लेकिन देखने में यही आ रहा है कि हो रहा है इसकी ठीक उल्टा। पुलिस और जांच एजंसियां मानवाधिकारों की परवाह किए बगैर हिरासत में लिए गए आरोपियों के साथ किस तरह का मनमानीपूर्ण व्यवहार करती हैं किसी से छुपा नहीं है। अपराधियों को सुधारने और आपराधिक मामलों में जानकारियां हासिल करने के नाम पर कई बार गिरफ्तार किए गए लोगों की किस बेरहमी से पिटाई की जाती है कि हिरासत में ही उसकी जान चली जाती है। इस तरह की मौतों को लेकर लंबे समय से मामला संज्ञान में आता रहा है। इसके बावजूद अफसोस है कि हिरासत में होने वाली मौतों का आंकड़ा कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है। विडंबना है कि जिन राज्यों में सरकारों ने सुशासन के नाम पर पुलिस के हाथ खोल रखे हैं, वहीं ऐसी मौतों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। ऐसे हालातों के देखते हुए करीब दो साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, केंद्रीय जांच ब्यूरो और देश के सभी पुलिस थानों को छह हफ्ते के भीतर अपने दफ्तरों में सीसीटीवी कैमरे और रिकार्डिंग उपकरण लगाने का आदेश दिया था। लेकिन पुलिस थानों की दशा और दिशा देखने के बाद तो यही लगता है कि इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हो पाई है। अब एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट सख्ती बरतते हुए कहा है कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें अपने यहां के थानों में एक महीने के भीतर सीसीटीवी और रिकार्डिंग उपकरण लगाएं, नहीं तो उनके गृह सचिवों और मुख्य सचिवों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। देखना दिलचस्प होगा कि कोर्ट की इस कड़ाई का नौकरशाहों पर कितना असर पडता है? कानूनन गिरफ्तारी के बाद किसी भी व्यक्ति की मार-पिटाई वर्जित है। लेकिन पुलिस के कामकाज में अभी तक वही औपनिवेशिक वर्दी की ठसक बनी हुई है। इसलिए उसने मार-पिटाई को ही अपना मुख्य हथकंडा बना रखा है। यही स्थिति प्रवर्तन निदेशालय, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और केंद्रीय जांच ब्यूरो का है। वे भी तथ्य उगलवाने के नाम पर ऐसी ज्यादतियां करने से नहीं चूकते। बहरहाल, पुलिस इस मामले में कुछ अधिक बदनाम है। वह तो रसूखदार लोगों के प्रभाव में कई बार, बेकसूर होने के बावजूद, किसी को सबक सिखाने के मकसद से भी उठा लाती है और थाने में बंद कर इस कदर पिटाई करती है कि वह दम तोड़ देता है। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब पुलिस ने किसी को बेवजह मार-पीट कर उसकी जान ही निकाल ली। यह भी देखा गया है कि इस तरह की यातना झेलने वालों में ज्यादातर गरीब तबके के लोग होते हैं। इसलिए सुप्रीम अदालत ने थानों में कैमरे लगाने का आदेश दिया था, ताकि जब भी ऐसी शिकायतें आएं तो उन मामलों के तथ्यों को जाना-समझा जा सके। फिर इस तरह पुलिस पर एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनता रहेगा। इसके बावजूद इस आदेश पर अमल न करने से साफ है कि न तो राज्य सरकारें पुलिस के कामकाज का तरीका बदलना चाहती हैं, न पुलिस खुद अपने को बदलना चाहती है। पुलिस सुधार को लेकर अब तक गठित आयोगों और समितियों ने कई मूल्यवान सुझाव दिए हैं, मगर उन पर केंद्र सरकार ने भी कभी गंभीरता से विचार करने की जरूरत नहीं समझी। इसलिए पुलिस मनमानी आज तक जारी है। जब भी हिरासत में मौत का मामला उठता है, तो पुलिस किसी न किसी तरह अपने को पाक-साफ साबित कर लेती है। मगर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस पर कई बार चिंता जताई है कि भारत में हिरासत में होने वाली मौतों का आंकड़ा चिंताजनक है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय की कड़ाई के बाद अगर थानों में कैमरे लगा भी दिए जाते हैं, तो पुलिस के कामकाज में बहुत बदलाव आएगा, इसकी उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। कैमरे लगाने के बाद उनके संचालन और एक केंद्रीय इकाई द्वारा उस पर निगरानी रखने का तंत्र भी मजबूत बनाए जाने की जरूरत रहेगी।

प्राकृतिक रंगों से महकाएं होली

सुनील कुमार महला

रंगों का त्योहार होली इस बार 8 मार्च बुधवार को मनाया जाएगा। होली से आठ दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। 07 मार्च 2023, मंगलवार को होलिका दहन किया जाएगा। फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होली का पर्व आता है और होली के त्योहार के आगमन से बहुत पहले से ही चहुंओर खुशियां और उल्लास से संपूर्ण वातावरण सरोबार हो जाता है। कहीं चंग बजते हैं तो कहीं धमाल की धुन गुंजायमान होती है। उल्लास, हंसी-ठिठौली व रंगों का चटकपन होली के त्योहार के दौरान सहज ही दिखता है। होलिका दहन में किसी पेड़ की एक मोटी शाखा को जमीन में गाड़कर उसे चारों तरफ से लकड़ी, कंडे या उपलों से ढक दिया जाता है। होलिका दहन के समय सुराख वाले गोबर के उपले, गेंहू की नई बालियां, हरे चने जिन्हें सिंकने के बाद 'होला' कहा जाता है, उबटन आदि भी डाले जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इससे साल भर व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति होती है और सारी बुरी बलाएं, नकारात्मक ऊर्जा इस अग्नि में भस्म हो जाती हैं। होलिका दहन पर लकड़ी की राख को घर में लाकर उससे तिलक करने की परंपरा भी है। होलिका दहन को कई जगह छोटी होली भी कहते हैं। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों से खेलने का दिन होता है, जिसे धुलंडी भी कहा जाता है। धुलंडी के दिन लोग रंगों, गुलाल-अबीर से खूब होली खेलते हैं लेकिन आजकल बाजार में प्राकृतिक रंगों के स्थान पर सिंथेटिक, रासायनिक पदार्थ मिले रंग आने लगे हैं, जिससे हमारे स्वास्थ्य को बहुत नुकसान पहुंचता है, हमें ऐसे सिंथेटिक व रासायनिक रंगों के प्रयोग से बचना चाहिए। ये रंग हमारी आंखों, हमारी त्वचा को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। हम अपने घरों में ही प्राकृतिक रंग बना सकते हैं।प्राचीन समय में लोग अपनी रसोई से सामग्री, वनों आदि से फल-फूल,पत्तियाँ इत्यादि का उपयोग करके ही प्राकृतिक और जैविक रंग तैयार करते थे। वो रंग बिल्कुल केमिकल फ्री थे और मजा भी बढ़ा देते थे। होली के त्योहार पर हमें यह चाहिए कि हम सिंथेटिक व रासायनिक रंगों के स्थान पर ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक रंगों को इस्तेमाल में लाएं। नीचे दिए गए तरीकों से हम विभिन्न प्राकृतिक व वैदिक रंगों को अपने घर में बना सकते हैं। घर पर ही रंगों का निर्माण निश्चित ही हमारे मन और आत्मा में एक अलग ही अहसास, खुशी, उमंग, उल्लास व उत्साह की भावनाएं प्रदान करेगा। प्राकृतिक व वैदिक रंग ऐसे बनाएं- हरा रंग- हरा रंग बनाने के लिए हम मेंहदी का इस्तेमाल कर सकते हैं। मेंहदी में आटा मिलाकर बहुत अच्छा हरा रंग तैयार हो सकता है। पालक, धनिया या पुदीने के पत्तों के पेस्ट को पानी में मिलाकर हरा रंग तैयार किया जा सकता है। गुलमोहर के पत्तों को अच्छी तरह सुखा कर पीसकर प्राकृतिक हरा गुलाल तैयार किया जा सकता है। यहाँ तक कि गेहूँ की हरी बालियों, चने के हरे पत्तों को अच्छी तरह पीसकर हरा गुलाल तैयार कर सकते हैं।पीला रंग- हल्दी और बेसन को मिलाकर हम शुद्ध पीला रंग तैयार कर सकते हैं। आमतौर पर इसे बतौर उबटन शादी-ब्याह व अन्य अवसरों पर भी हमारे घरों में हम इस्तेमाल करते हैं।

बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में कृषि का निर्णायक महत्व

डॉ. चक्रपाल सिंह

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा समृद्ध एवं समावेशी भारत की सुखद कल्पना पर आधारित अपनी सरकार के अमृत काल का पहला तथा अपनी सरकार का पूर्णकालिक अंतिम बजट संसद में प्रस्तुत किया जा चुका है। प्रोद्योगिकी और ज्ञान आधारित सशक्त तथा समावेशी अर्थव्यवस्था की अवधारणा के एजेंडे तथा सप्तऋषि प्राथमिकताओं में कृषि के लिए डिजीटल पब्लिक अधःसंरचना, समावेशी किसान केन्द्रित समाधान हेतु कृषि वर्धक निधि, कपास फसल की उत्पादकता बढाने, आत्मनिर्भर बागबानी स्वच्छ पौध कार्यक्रम, कृषि ऋण लक्ष्य को 20 लाख करोड़ करने, मत्स्य पालन क्षेत्र को 600 करोड़ रूपए का आवंटन, सहकारिता आधारित 'सहकार से समृद्धि' के नए आर्थिक विकास माडल की संकल्पना, "श्री अन्न" के महत्त्व तथा उत्पादन और उत्पादकता बढाने हेतु भारतीय बाजरा अनुसंधान केंद्र, हैदराबाद को उत्कृष्टता केंद्र में बदलने , अगले तीन वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सहायता तथा हरित खेती पर जोर देने जैसी घोषणाएं, 21वीं सदी की घोषित उद्योग एवं सेवा आधारित उदार बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में कृषि के निर्णायक महत्व को दर्शाती है। सबसे महत्वपूर्ण बजट में घोषित सरकार की देश के अन्त्योदय तथा प्राथमिकता प्राप्त परिवार के 81. 4 करोड़ लाभार्थियों को अगले एक साल तक मुफ्त खाद्धयानों की आपूर्ति से जुडी अति महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की सफलता भी तभी संभव है, जब देश के गोदाम अन्न से लबालब होंगे । इसके लिए भारतीय कृषि का संधारनीय एवं संतुलित विकास पहली शर्त है। यही कारण है कि वित्तमंत्री ने अपने बजट में कृषि एवं ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखने का प्रयास किया है। चर्चा को आगे बढाने एवं किसी तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचने से पूर्व भारतीय कृषि एवं किसान को समझना अनिवार्य है । "कृषि" शब्द अपने आप में काफी व्यापक है। इसके अर्न्तगत फ़सल उत्पादन, पशुपालन, मछली पालन, बागबानी, मुर्गी पालन, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वानिकी इत्यादि शामिल हैं। अतः कृषि एक जीवंत (Biological) आर्थिक गतिविधि / क्रियाकलाप है, जिसमें उत्पादन से लेकर उत्पाद का मूल्य हाथ में आने तक हर स्तर पर जलवायु परिवर्तन, कृषि पारिस्थितिकी, तापमान, पोषक तत्वों की आपूर्ति, सिंचाई, बुवाई, कटाई, मड़ाई तथा बाजार मूल्य इत्यादि के मध्य, भारी अनिश्चितता एवं जोखिम ही जोखिम निहित हैं। जिसका सीधा प्रभाव उत्पादक यानी किसान की आय पर पड़ता है। कृषि उत्पादन हेतु सभी निविष्टियां पर्याप्त व समय पर उपलब्ध होने के बावजूद कृषि उत्पादन बढाने की अपनी सीमाएं हैं। जिसको किसान प्रति इकाई अथवा प्रति गाय या भैंस से उत्पादन को डेढ़ या दो गुना नहीं कर सकते हैं। निश्चित तौर पर कृषि की प्रवृत्ति एवं स्वरूप उद्योगों से भिन्न है। अतः किसी भी स्तर पर कृषि एवं किसानों की तुलना उद्योग एवं उद्योगपतियों से करना बौद्धिक स्वेच्छाचारिता होगी । 21वीं सदी में भारतीय कृषि मूलभूत बदलाव के दौर में है। आधुनिक कृषि तकनीक एव निविष्टि मूल्य किसानों के हाथों से निकल कर बाहरी आपूर्ति कर्त्ताओं अर्थात निजी बाजारी शक्तियों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। खेत की तैयारी से लेकर उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, सिंचाई, समर्थनकारी सहायक सेवाए, कृषि शोध एव प्रसार सेवाएं तथा अन्य निविष्टियों के लिए किसान की बाजार पर निर्भरता बढ़ रही है। कृषि मशीनीकरण सीमान्त एवं लघु किसानों के लिए अवहनीय तो है ही, साथ में गांवों में मौसमी बेरोजगारी भी बढाने में सक्रिय भूमिका निवाह रहा है। ऐसा इस लिए कि कृषि मशीनीकरण की बजह से अधिशेष कृषि मजदूर/ कृषकों के लिए वैकल्पिक रोजगार का अभाव होने के कारण, यह मानव संसाधन बेकार हो रहा है या फिर गलत गतिविधियों में संलिप्त हो रहा है। ग्रामीण भारत में कृषक परिवारों की स्थिति और परिवारों की भूमि एवं पशुधन धृतियों का मूल्यांकन, 2019 पर एनएसओ के 77वें दौर के परिणामों के अनुसार ग्रामीण भारत में कुल 172। 44 मिलियन परिवारों में 93. 09 मिलियन कृषि परिवार हैं। जिनमें से 70. 40 प्रतिशत परिवारों के पास 1. 00 है। से कम जमीन है अर्थात सीमान्त किसान हैं। इनमें से लगभग 69 प्रतिशत फसल उत्पादन तथा 2. 3 प्रतिशत पशुपालन गतिविधियों में संलग्न हैं। कुल मिलाकर ग्रामीण भारत के 89. 00 प्रतिशत परिवार सीमान्त एवं लघु किसान श्रेणी में आते हैं , जिनकी मासिक पारिवारिक आय रु। 7522 से रु। 11449 के बीच है। जिनपर औसतन प्रति कृषि परिवार रु। 74121 का कर्ज था जिसका 30. 40 प्रतिशत कर्ज साहूकारों, रिश्तेदार तथा दोस्तों से लिया हुआ था। जो कुल कृषि परिवारों का 50. 20 प्रतिशत होते हैं। अतः स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जब भी कृषि एवं किसानों की चर्चा होती है, तो किसानों का यही 89. 00 प्रतिशत किसान बहस के केंद्र में होते हैं। असल में इनकी समस्याएँ ही किसानों की समस्याएँ हैं । इसी वर्ग का अस्तित्व खतरे में है। जहां तक मध्यम एवं बड़े किसानों का प्रश्न है, तो इनमें से अधिकाँश के पास कृषि के अलावा भी आय के अन्य स्रोत होते हैं। या फिर ये नेता , अभिनेता, नौकरशाह , उद्योगपति इत्यादि होते हैं, जिनके लिए खेती जीविकोपार्जन का साधन नहीं , बल्कि दिल बहलाने एवं आयकर बचाने का उपक्रम होता है। इसी रिपोर्ट से मालूम पड़ता है कि एमएसपी को लेकर इन परिवारों में जागरूकता का नितांत अभाव है। तमाम राजनैतिक शोर शराबे के बावजूद अधिप्राप्ति एजेंसियों द्वारा धान की 18. 5 प्रतिशत , गेंहूं 09. 7 प्रतिशत, अरहर 1. 40 प्रतिशत तथा सरसों 1. 40 प्रतिशत किसानों से ही खरीद की गयी या किसानों द्वारा बेचा गया। यह सबसे पुरानी एवं बहुचर्चित योजना की स्थिति है। इसी तरह कृषक उत्पादक संगठन (FPO) किसानों के बजाय पूरी तरह से एनजीओ, बीज, खाद विक्रेताओं आदि आदि के हाथों में सिसकियाँ भर रहे हैं। ये तो उदाहरण भर हैं। अफसाने और भी हैं। अन्य सरकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं के बारे में इन ग्रामीण परिवारों में जागरूकता का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। अतः बहुत जरूरी है किसानों के लिए बनी कल्याणकारी योजानाओं की जानकारी किसानों को होनी चाहिए । इस मामले में वर्त्तमान कृषि विस्तार व्यवस्था की सफलता संदिग्ध रही है। इसे तुरंत चुस्त दुरस्त करने की सख्त जरूरत है। शोध से पता चलता है कि कृषि अनुसंधान एवं विकास पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया उर्वरक सब्सिडी (0. 88), बिजली सब्सिडी (0. 79), शिक्षा (0. 97), या सड़कों (1. 10) पर खर्च किए गए प्रत्येक रूपए पर प्रतिफल की तुलना में बेहतर प्रतिफल (11. 2) देता है । इसलिए कृषि अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने बल्कि सामाजिक आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। अतः इस मद में पर्याप्त बजट आवंटन की आवश्यकता है।

वहीं, प्राकृतिक खेती वैज्ञानिकता की कसौटी पर अभी प्रामान्य नहीं है। इससे फसल उत्पादन में 25-30 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। अतः जरूरी है कि सीमान्त एवं लघु किसानों पर इसे बलात न थोपा जाए। जो हमारी खाद्धयान उत्पादन की रीढ़ हैं। यदि धोखे से भी यह रीढ़ झुकी, तो राष्ट्र को लेने के देने पड़ सकते हैं। बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं इन्हीं के दम पर चल रहीं हैं। जहां तक कृषि ऋण के लक्ष्य को बढाने का प्रश्न है, तो सच्चाई ये है कि पिछले आठ दस वर्षों से कृषि ऋण लक्ष्य से अधिक कृषि क्षेत्र को वितरण होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। किसान कर्ज के दुष्चक्र में फंसता जा रहा है।

जनता ने डरना बंद कर दिया है, ज़िम्मेदारी अब राहुल पर है

श्रवण गर्ग

फ़िल्म 'पठान' की हज़ार करोड़ी कामयाबी ने पस्त पड़ते अरबों रुपए के कारोबार वाले मुंबई के फ़िल्म उद्योग में उम्मीदें जगा दीं हैं कि 'भक्तों' के बॉयकॉट कॉल के आह्वान के बावजूद दर्शक घरों से बाहर निकलकर सिनेमाघरों की ओर रुख़ करने साहस जुटा सकते है और वह अब थमने वाला भी नहीं है।राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी 'भारत जोड़ो यात्रा' को मिली देशव्यापी कामयाबी ने भी लगातार के छापों और गिरफ़्तारियों के कारण निराशा में डूब रहे विपक्ष में आत्मविश्वास भर दिया है कि जनता के मन से सरकार का ख़ौफ़ अब ख़त्म हो रहा है और 2024 के चुनावों में उसे सत्ता से बाहर किया जा सकता है। सवाल यह है कि राहुल की चार हज़ार किमी की सड़क यात्रा मोदी सरकार की 2024 तक की चार हज़ार दिनी सत्ता-यात्रा पर इतनी भारी पड़ सकेगी या नहीं कि विपक्षी दलों के लिए सत्ता में वापसी के रास्ते खुल जाएँ ? ऐसा नहीं हुआ तो उसके राजनीतिक परिणाम देश के लिए किस तरह के होंगे ? क्या मोदी इतनी आसानी से सत्ता तश्तरी पर रखकर विपक्ष को सौंप देंगे और गुजरात लौट जाएँगे ? देश की एक सौ अड़तीस साल पुरानी 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'भारत जोड़ो यात्रा' से उत्पन्न हुए चमत्कार से महीने भर बाद भी इतनी अभिभूत नज़र आती है कि उसकी खुमारी से मुक्त होकर पार्टी की ज़मीनी हक़ीक़तों और विपक्षी दलों से रूबरू होने को तैयार नहीं हो पा रही है ।उसे यह भी खबर है देश की वह जनता जो हज़ारों-लाखों की तादाद में राहुल की अगवानी के लिए सड़कों पर उमड़ी थी ,एक नई कांग्रेस के प्रकटीकरण की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है।दूसरी ओर , इससे पहले कि 'यात्रा' से उत्पन्न होने वाला कोई संगठित प्रताप भाजपा के ख़िलाफ़ प्रकट हो विपक्ष की दरारें सामने आने लगी है। ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने चार दिन पहले कांग्रेस को अपना चुनावी दुश्मन घोषित कर दिया था। तीन दिन पहले राहुल गांधी ने शिलांग में

तृणमूल कांग्रेस के घोटालों का इतिहास उजागर करते हुए कह दिया कि ममता की पार्टी भाजपा की मदद में लगी है।बंगाल से लोक सभा के लिए 42 सीटें हैं जिनमें कांग्रेस के पास सिर्फ़ दो हैं। बिहार में हो सकने वाले नुक़सान की आशंका के चलते भाजपा के लिए बंगाल काफ़ी महत्वपूर्ण हो गया है।राहुल के आरोप का मतलब यह है कि लोक सभा चुनावों में ममता की भूमिका वैसी ही हो सकती है जैसी यूपी के विधान सभा चुनावों में मायावती की पार्टी की थी।बसपा का वोट शेयर विपक्ष में सर्वाधिक था पर एक को छोड़ उसकी सारी सीटें भाजपा के खाते में चली गईं थीं। देश की नज़रें इस समय कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन पर हैं। पवन खेड़ा के ख़िलाफ़ दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई पुलिस कार्रवाई के बाद रायपुर से प्रकट होने वाले कांग्रेस के तेवरों का महत्व और बढ़ गया है।भय इस बात का है कि अधिवेशन का अधिकांश वक्त राहुल की यात्रा का गुणगान करने में ही नहीं गुज़र जाए।विपक्षी दलों का ध्यान भी रायपुर पर केंद्रित रहेगा क्योंकि 2023 का पूरा साल विधानसभा चुनावों के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है और इसी के परिणाम अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों की बुनियाद बनेंगे। कांग्रेस को जानकारी है कि छत्तीसगढ़ सहित जिन तीन राज्यों में 2018 में कांग्रेस की सरकारें बनीं थीं उनमें 2019 के लोकसभा चुनावों में उसे कुल 65 में से सिर्फ़ तीन सीटें मिलीं थीं।(छत्तीसगढ़ में दो, मध्य प्रदेश में एक और राजस्थान में शून्य)। पिछले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने देश भर में 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था पर जीत सिर्फ़ 52 पर मिली थी। 148 पर ज़मानतें चली गईं थीं। पिछले लोकसभा चुनावों (2019) के मुक़ाबले राजनीतिक परिस्थितियों इस वक्त निश्चित ही भाजपा के काफ़ी ख़िलाफ़ हैं।अदाणी प्रकरण ने सरकार को हिला कर रख दिया है। वह मामले की संसदीय जाँच से दूर भाग रही है। जनता की नज़रों में है कि बोलने की आज़ादी पर किस तरह से शिकंजा कसा जा रहा है।बीबीसी पर हमला इसका ताज़ा उदाहरण है। न्यायपालिका पर दबाव बनाया जा रहा है। संसद में विपक्ष की आवाज़ को कुचला जा रहा है।भाजपा को इस समय सारा डर कांग्रेस के बढ़ते हुए प्रभाव से है। केवल कांग्रेस के पास ही उन राज्यों में समर्थन की ज़मीन है जिस पर भाजपा सत्ता की फसलें उगा रही है। जिस तरह की स्थितियाँ देश में बन रही हैं , दुनिया के लोग चिंता के साथ भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संस्थानों की पुनर्स्थापना की उम्मीदें तलाश रहे हैं। माना जा सकता है कि सत्तारूढ़ दल में भी एक बड़ा तबका ऐसा हो जो राहुल गांधी और कांग्रेस के अगले कदमों में अपने लिए राहत की साँसें ढूँढ़ रहा हो ! आश्वासन मिलना चाहिए कि कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन की घोषणा 31 दिसंबर 1929 को रावी नदी के किनारे से जवाहरलाल नेहरू द्वारा किए गए आह्वान जैसी ही प्रभावशाली साबित होगी। एक लंबे अरसे के बाद जानता ने तालियाँ और थालियाँ बजाना बंद करके बोलना शुरू किया है। लोगों की ज़ुबानें फिर से बंद न हों यह सुनिश्चित करना राहुल की ज़िम्मेदारी है !

http://shravangarg1717. blogspot. com

अब एडोना वायरस की दस्तक से नई चिंता

ऋतुपर्ण दवे

कोरोना की रफ्तार सुस्त पड़ते ही एक नए एडोना वायरस की धमक ने एक बार फिर चिन्ता बढ़ा दी है। इसका अब तक ज्यादा असर केवल प.बंगाल में ही दिखा है। लेकिन पुणे और दूसरी जगहों से ऐसे ही लक्षणों के मरीज मिलना मेडिकल विशेषज्ञों के लिए नई परेशानी का सबब बन सकता है। हालाकि यह सच है कि हर वक्त किसी न किसी वायरस के साथ जीना पड़ता है जो आम है लेकिन जब ये खतरनाक रूप या महामारी में तब्दील होकर घातक हो जाते हैं तो स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाते हैं। हमने कोविड के दौरान वायरस के ऐसे ही रूप को देखा जिसने सौ साल में आने वाली महामारी बनकर कैसी तबाही मचाई। आगे चलकर यह कितना फैलेगा और कैसे रोक पाएंगे इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। लेकिन जैसा कि अमूमन हर संक्रामक बीमारी में होता है कि बचाव ही सुरक्षा है वाला तरीका अपनाना होगा। इसका असर सबसे ज्यादा बच्चों में पड़ता है जिसकी एक खास वजह भी सामने आई लेकिन सभी उम्र के लोगों को भी प्रभावित करता है। हाँ, जद में छोटे-छोटे बच्चे इसलिए आसानी से आते हैं क्योंकि वो खुद दूसरे बड़े या छोटे के संपर्क में रहते हैं और मुंह में कुछ भी डाल लेना तथा हाथ न धोना ज्यादा तेज असर करता है। जन्म के समय कम वजन और हृदय रोग के पीड़ित भी जल्द शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा सांस की बीमारी वाले बच्चों पर भी एडोनावायरस का तेज असर देखा गया है। वैसे भी बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है इसीलिए उनके लिए घातक होता सकता है। एडोनावायरस के लक्षण भी कोरोना से काफी कुछ मिलते हैं लेकिन सुकून की बात है कि यह उसका वैरिएण्ट नहीं है। इसे वायरल फ्लू की तरह माना जाता है जिसका कोई विशेष इलाज नहीं है। जरा सी सतर्कता और सावधानी से इससे डरे बिना घर पर भी इसके हल्के लक्षणों का कोरोना की तरह इलाज किया जा सकता है। जीवन रक्षक घोल यानी ओआरएस और अच्छे, ताजे व स्वस्थ आहार के साथ इसके इलाज की सलाह दी जाती है। लेकिन सतर्कता ज्यादा जरूरी है। जब तीन दिनों तक बुखार न उतरे और रोगी में सुधार न दिखे बल्कि जल्दी-जल्दी सांस लेने लगे, भूख भी कम हो जाए पेशाब भी रोजाना की तुलना में कम लगे तो जरूर चिन्ता की बात है। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए मास्क बेहतर बचाव का साधन है। चिकित्सक भी मास्क के अलावा स्वच्छता संबंधी वो सारे उपाय के लिए कहते हैं जो कि कोविड के दौरान जरूरी थे। जैसे बार-बार हाथ धोना, संक्रमण की स्थिति में दूरी बनाए रखना और प्रभावित होने पर क्वारंटीन होना। अब तक लक्षणों से जो सामने आया है उसमें 3 दिन से ज्यादा समय तक बुखार व खांसी चलते रहना, गले में खराश, नाक बहना, उल्टी, दस्त पेट दर्द, तेज-तेज सांस लेना, गुलाबी आंखें हो जाना, कान के संक्रमण यानी ओटिटिस मीडिया जिसमें कान के परदे के पीछे हवा वाले स्थान जो कान के बीचों बीच होता है में संक्रमण होना, सूजी हुई लसीका ग्रंथियां, सीने में ठंड यानी ब्रोंकाइटिस, न्यूमोनिया भी एडोनावायरस का कारण हो सकता है। इसका असर 3 से 5 दिनों तक दिखता है लेकिन पर दो सप्ताह तक भी मरीज बीमार रह सकता है। ऐसे में लगातार खांसी या किसी भी संभावित लक्षण की दशा में तुरंत चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी है। एडेनोवायरस संक्रमण के इलाज के लिए कोई सटीक एंटीवायरल दवा भी अब तक नहीं होने से इसको रोकने के लिए आम दवाएं ही दी जाती हैं। लेकिन गंभीरता की स्थिति में चिकित्सक तेज असरकारक दवाएं लक्षण के हिसाब से देते हैं। ऐसे में लक्षणों की अनदेखी भारी पड़ सकती है। अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की श्रंखला में चौथे क्रम पर शुमार क्लीवलैंड क्लिनिक जिसे कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी और पहले चेहरा प्रत्यारोपण करने का श्रेय भी प्राप्त है के अनुसार एडेनोवायरस एक सामान्य वायरस है जो कई प्रकार के सर्दी या फ्लू जैसे संक्रमण का कारण बनते हैं। यह मध्यम आकार का एक अल्प विकसित वायरस है जो कई तरह के संक्रमण पैदा कर सकता है। इसमें एक आइकोसाहेड्रल न्यूक्लियोकैप्सिड यानी वायरल प्रोटीन का कोट है जिससे जीनोम यानी आनुवांशिक संरचना का पता लग सकता है। इससे हम पता लगा सकते हैं कि आखिर उसका कैसा व्यवहार है? जब तक यह जानकारी नहीं होगी तब तक जांच, इलाज, टीका किसी की खोज नहीं हो सकती है। शोधकर्ताओं ने लगभग 50 ऐसे एडेनोवायरस के वैरिएण्ट पहचाने हैं जो मनुष्यों को संक्रमित कर सकते है। उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि इस वायरस का संक्रमण यूं तो पूरे वर्ष होता है जो सर्दी और बसंत के दौरान ज्यादा होता है।

लाइक, शेयर और कमेंट

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

निजी और सरकारी अस्पताल में जो सबसे बड़ा अंतर है, वह है भगवदगीता के उपदेश का। दोनों ही मरने वाले को नहीं बचा सकते। जहाँ निजी अस्पताल कर्म करने और फल की चिंता न करने का उपदेश देते हैं तो वहीं सरकारी अस्पताल फल दिखाकर कर्म करने को व्यर्थ बताते हैं। इसीलिए चंगा आदमी सरकारी अस्पताल में जाकर मरीज बनता है और निजी अस्पताल में रोगी से आकंठ कर्जे में डूबा रोगी या फिर स्वर्गीय रोगी बनकर निकल लेता है। दोनों में नुकसान वहाँ जाने वाले का होता है। इसीलिए आजकल उन डॉक्टरों की माँग अधिक हो गई है जो फलाना-फलाना चिकित्सा में विशेषज्ञ होता है। विशेषज्ञता भी ऐसी कि सुनकर आँखें फटी की फटी रह जायें। जैसे यदि कोई नेत्र चिकित्सक है तो उसका बाप दाईं या बाईं नेत्र का विशेषज्ञ होता है। उसका बाप दाईं या बाईं नेत्र में रेटिना, कॉर्निया या फिर फलाँ का विशेषज्ञ होता है। जो जितना विशेषज्ञ होता है उसका उतना डिमांड होता है। यहाँ डिमांड का अर्थ सम्मान से ज्यादा रुपए-पैसों से हैं। एक दिन हमें निजी अस्पताल जाने का अवसर मिला। यह अवसर सुअवसर है या फिर बुरा अवसर यह तो हो वहाँ होने वाली घटना पर निर्भर था। अस्पताल का वातावरण ऐसा कि आईसीयू को एक बार देख लें तो सारी की सारी भगवदगीता एक झटके में समझ आ जाती है। इन सबके बीच भी कुछ हैरतअंगेज और इक्कीस तोपों की सलामी पाने योग्य लोग भी होते हैं जिन्हें देखने के बाद अचरज होता है कि वे अस्पताल को इस तरह कैसे एंजाय करते हैं। कुछ लोग अपने सगे संबंधियों को देखने के बहाने नर्सों के साथ नैन मटक्का करने का शगल पाल लेते हैं। कुछ लोगों के केस में यह मामला शादी तक पहुँच जाता है। मेरे मित्र की शादी भी कुछ इसी तरह के घटनाक्रम का परिणाम था। जो भी हो मैं आपको यह बताने का प्रयास कर रहा था कि अस्पताल कुछ लोगों के लिए बड़ी मजेदार जगह होती है। हुआ यूँ कि मैं जिस मरीज को देखने गया था उसी के बगल वाले बेड पर एक महिला को ऑपरेशन के बाद शिफ्ट किया गया था जिसने एकाध दिन पहले एक नवजात शिशु को जन्म दिया था। उस शिशु को देखने के लिए परिजनों में होड़ लगी थी। नर्स ने नवजात शिशु को पिता के हाथों में सौंप दिया। पिता ने न जाने फोन से क्या किया पता नहीं उसके तुरंत बाद अपनी दीदी के हाथ में धर दिया। दीदी ने भी फोन के साथ कुछ उसी तरह किया जिस तरह उसके भाई ने किया। दीदी ने नवजात शिशु को अपनी बहन के हाथों में सौंप दिया। उसने शिशु को नानी की गोद में धर दिया। नानी ने नाना के हाथ में। नाना ने दादा के हाथ में और दादा ने दादी के हाथ में धर दिया। कुल मिलाकर बारह-पंद्रह लोगों के हाथों म्यूजिकल चेर वाला राउंड समाप्त हुआ। यह सब देख मैं हैरान रह गया। मैंने एक बंदे से पूछा यह सब क्या हो रहा है। इस पर उसने हँसते हुए कहा – भाई साहब आप किस जमाने के आदमी हैं। आपको इतना भी समझ नहीं आया।

आमलिका एकादशी की पूजा करने से

भरेगी आपके घर की तिजोरी, दूर होगी आर्थिक तंगी

अयोध्याः वैसे साल के हर महीने में एकादशी आती है. लेकिन फागुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को सनातन धर्म के लोगोंको बेसब्री से इंतजार रहता है. इस दिन को आमलकी एकादशी या फिर रंगभरी एकादशी के नाम से जाना जाता है. हिंदू पंचांग के मुताबिक इस साल फागुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि यानी 3 मार्च को आमलकी एकादशी का महापर्व पड़ रहा है. इसी दिन रंगभरी एकादशी भी मनाई जाती है. आमलकी एकादशी के दिन आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है. धन समृद्धि के लिए आमलकी एकादशी किसी ब्रह्मास्त्र से कम नहीं है. इस दिन विधि-विधान पूर्वक आंवले की वृक्ष की पूजा आराधना करने से धन घर में धन की बरकत होती है. परिवार खुशहाल रहता है तो चलिए जानते हैं क्या कहते हैं ज्योतिष.
ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम बताते हैं कि फागुन माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को आमलकी एकादशी कहते हैं. इस दिन रंगभरी एकादशी भी है, इसी दिन आंवले के वृक्ष की पूजा होती है. धन समृद्ध की वृद्धि के लिए यह एकादशी ब्रह्मास्त्र है.

ऐसा करने से दूर होगी आर्थिक तंगी

सनातन धर्म के लोगों को चाहिए इस दिन प्रात काल उठकर स्नान ध्यान करके आंवले के वृक्ष की पूजा करें. आंवले के वृक्ष की परिक्रमा करें. तिलक लगाएं धूप और दीप जलाएं इसके साथ शिव मंदिर में जाकर तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें अक्षर डालें. भगवान शिव के शिवलिंग पर अर्पित करें. भगवान शिव को भस्म और पीले चंदन का तिलक लगाएं और भगवान शंकर को आंवला समर्पित करते हुए धन-संपत्ति की प्रार्थना करें. इसी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा आराधना भी की जाती है.

विधि- विधान पूजा आराधना करने से भगवान शंकर समेत विष्णु और लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है . इसी दिन से मठ मंदिरों में होली का महापर्व प्रारंभ हो जाता है . भक्त और भगवान एक दूसरे को गुलाल लगाते हैं .

केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को और बद्रीनाथ के 27 अप्रैल को खुलेंगे

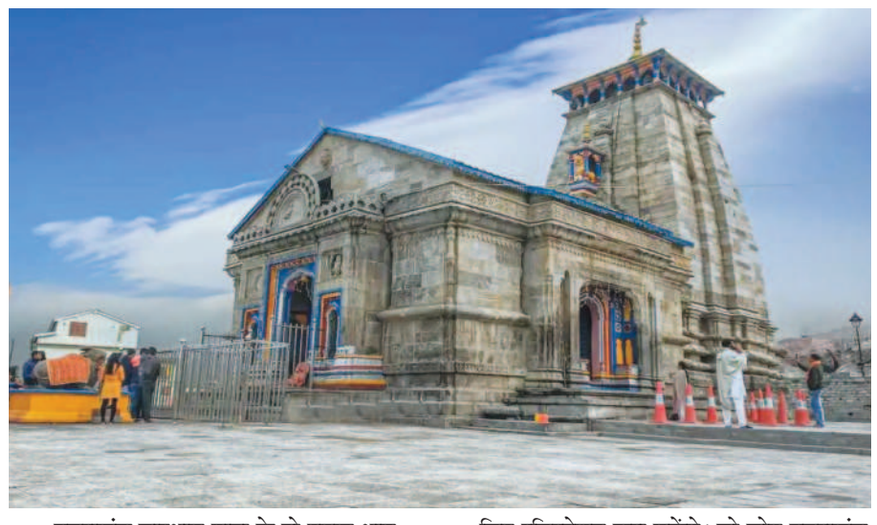

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दो प्रमुख धाम केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट खुलने की तारीख घोषित हो गई है। केदारनाथ मंदिर 25 अप्रैल और बद्रीनाथ मंदिर 27 अप्रैल को भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। इन दो धामों के लिए दर्शनार्थियों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खोलने की तारीख की अधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। वैसे हर साल अक्षय तृतीया पर इन दो धामों के कपाट खोले जाते हैं। इस साल अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन इन दो धामों को खोलने की तारीख तय होगी। इसके बाद यात्री चारों धामों के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। जो लोग उत्तराखंड की चारधाम यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें उत्तराखंड पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इससे रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट मिल जाएगा। उत्तराखंड पहुंचने के बाद रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के बारकोड के आधार पर यात्रियों को दर्शन के लिए टोकन मिलेंगे। यात्री टोकन मिलने के बाद दर्शन कर सकेंगे। चारधाम में दर्शन के लिए यात्रियों की संख्या भी तय की गई है। बद्रीनाथ धाम में 18 हजार यात्री प्रतिदिन दर्शन कर पाएंगे। केदारनाथ में 15 हजार, गंगोत्री में 9 हजार और यमुनोत्री में 5 हजार 500 यात्री रोज दर्शन कर सकेंगे।

जांजगीर-चांपा में पहाड़ की चोटी पर चमत्कारी 'सूर्यकुंड'

पानी पीने से दूर होती है सभी बीमारी

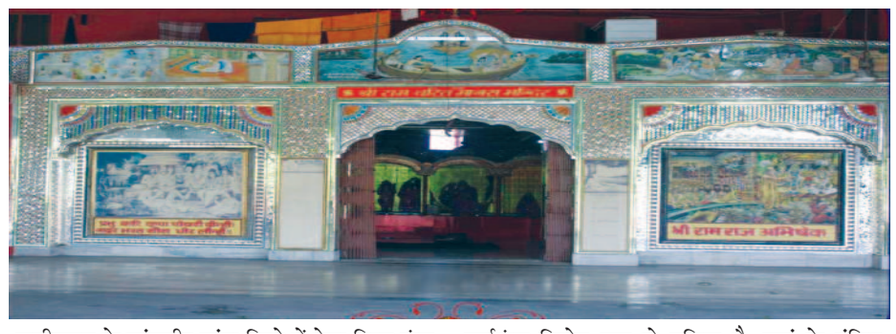

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में ऐसा दिव्य कुंड है जिसका पानी पीने मात्र से लोगों की हर बीमारी दूर हो जाती है. इस मान्यता के कारण दूर-दूर से लोग इस कुंड का जल ग्रहण के लिए यहां पहुंचते हैं. जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर अकलतरा के पास दलहा पहाड़ है. माना जाता है कि सतनामी समाज के संस्थापक गुरु घासीदास ने यहीं पर तपस्या की थी और दलहापोड़ी गांव में उन्होंने अपना अंतिम उपदेश दिया था. दलहा पहाड़ की चोटी पर प्रसिद्ध सूर्यकुंड है. इस पहाड़ पर नागपंचमी के दिन नाग की पूजा होता है और मेला लगता है. अकलतरा तहसील के दलहापोड़ी गांव स्थित दलहा पहाड़ अपनी धार्मिक मान्यताओं के कारण प्रसिद्ध है. लगभग 700 मीटर ऊंचे इस पहाड़ की ऊपरी चोटी पर पहुंचने और ऊपर से चारों ओर का नजारा देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं. दलहा पहाड़ में विशेष रूप से महाशिवरात्रि और नागपंचमी के दिन मेला लगता है. यहां मुनि का आश्रम और सूर्यकुंड विशेष रूप से प्रसिद्ध है. यहां के पंडित उमाशंकर गुरुद्वान के मुताबिक, ऐसी मान्यता है कि नागपंचमी के दिन कुंड का पानी पीने से लोगों का स्वास्थ्य ठीक रहता है. किसी भी प्रकार की बीमारी हो, तो यहां का पानी पीने से बीमारी कट जाती है.

खतरनाक है दलहा पहाड़ की चढ़ाई

दलहा पहाड़ के चारों ओर कोटगढ़, पचरी, पंडरिया व पोड़ी गांव हैं. यहां घने जंगल के अंदर से होकर जब लोग पहाड़ की ओर बढ़ते हैं तो उन्हें कंटीले पौधों और पथरीली पहाड़ से होकर गुजरना पड़ता है. इस जंगल में जहरीले सांप भी रहते हैं. लेकिन, इसके बावजूद लोग इस यात्रा का मोह नहीं छोड़ते.

ज्वालामुखी उद्गार से बना है दलहा पहाड़

दलहा पहाड़ भूगार्भिक क्रिया यानी ज्वालामुखी उद्गार से निर्मित हुआ है. जांजगीर-चांपा क्षेत्र पठारीय इलाका है और यहां चूना-पत्थर भारी मात्रा में पाया जाता है. यही कारण है कि दलहा पहाड़ की चट्टानें भी चूना पत्थर की हैं.

तिनका-तिनका जोड़ा सारा जीवन

80 साल की दादी ने फिर भगवान विट्ठल के चरणों में किया सब अर्पण

पंडित पंढरीनाथ नर्सीकर

उम्र भर तिनका-तिनका जमा किया. फिर एक दिन भगवान के चरणों में सब समर्पित कर दिया. एक 80 साल की दादी मां ने यही किया है. जीवन भर उन्होंने जो कमाया, बचाया और जोगाया वो सब महाराष्ट्र के पंढरपुर के मंदिर में जाकर भगवान विट्ठल के चरणों में चढ़ा आया. गोर-गरीब किसान और मेहनतकश मजदूरों के भगवान माने जाने वाले भगवान विट्ठल के चरणों में इस बूढ़ी मां ने जीवन भर की कमाई दान की है. इस महिला का नाम फूलाबाई चव्हाण है. अस्सी साल की इस बुजुर्ग महिला ने भगवान विट्ठल के चरणों में 1 लाख 11 हजार रुपए चढ़ाए हैं. लोग लाखों और करोड़ों चढ़ाते होंगे लेकिन वे अरबपति होते होंगे. इस बुजुर्ग महिला ने वो सब चढ़ा दिया जो इनके पास था. इन्होंने अपनी जीवन भर की पूंजी भगवान विट्ठल के चरणों में समर्पित किया है. यह बात बहुत बड़ी है. यह दान बेजोड़ है, बेमिसाल है, अनमोल है.

मजदूरी कर बेटे को बड़ा किया, अपने पैरों पर खड़ा किया

फूलाबाई चव्हाण ने जिंदगी भर मजदूरी की और अपने बेटे को बड़ा किया. उसे अपने पैरों पर खड़ा किया. जब जिंदगी की जिम्मेदारियां अच्छी तरह से निभा दीं तो मन ने यही कहा- जो हुआ, जितना हुआ, जितना किया, जितना मिला, सब भगवान विट्ठल का ही दिया हुआ. इसलिए भगवान विट्ठल का आभार जताते हुए पास में जितना जमापूंजी थी, फूलाबाई ने भगवान विट्ठल के चरणों में चढ़ा दिया.

'दो दिन पहले भगवान सपने में आए, सदा साथ रहने का वादा दोहराए'

दो दिनों पहले इन्हें एक सपना आया. सपने में भगवान विट्ठल आए. ये दादी मां बताती हैं कि भगवान ने उनसे कहा कि वे उनके पीछे खड़े हैं. इसके बाद इस अम्मा ने अपने बड़े बेटे को बुलाकर अपने गहने दिए और कहा कि वे इसे बाजार में बेच आए और जो रकम मिले, उन्हें लाकर दे. बेटे ने वजह पूछी तो इन्होंने अपना मकसद और मंतव्य बताया.

'उनका दिया उन्हें ही अर्पण कर रही, अनोखा ऐसा क्या कर रही''

बेटे ने कहा कि जिंदगी भर की कमाई भगवान को देकर खाली हाथ होने में चिंता नहीं हो रही है? मां ने कहा, काहे की चिंता, आज तक जो दिया, वो उनके पांडुरंग भगवान ने ही दिया. आगे भी जरूरत महसूस हुई तो वही पूरी करेगा. फिर बेटे ने कहा कि वह अपनी कमाई से दे देगा. लेकिन मां ने कहा कि वह अपने भगवान को अपनी जमा पूंजी ही देना चाहती है. इस तरह जमा पैसे इस महिला ने भगवान के चरणों में अर्पण कर दिए.

बनारस के वो महान योगी जो मरी चिड़ियों को कर देते थे जिंदा

सूर्य की किरणों से करते थे अद्भुत प्रयोग

पाल ब्रंटन ब्रिटिश पत्रकार और लेखक थे। 1920 के दशक में वह भारत आए। पूरे भारत में घूमे। उनकी दिलचस्पी मुख्यतौर पर आध्यात्मिक भारत और यहां के योगियों में थी, जो विलक्षण थे। वो कई योगियों से मिले। उनमें कई के साथ समय गुजारा। इन सभी योगियों और इनकी अलौकिक क्षमताओं के बारे में उन्होंने एक किताब लिखी सर्च इन सीक्रेट इंडिया। ये किताब भारत की उस दुनिया में ले जाती है जो योगियों और उनकी अपार शक्तियों की दुनिया है। उनकी आध्यात्मिक ताकत को उन्होंने बहुत करीब से महसूस किया और इसके साक्षी भी बने।
पाल ब्रंटन बनारस में जाने माने महान योगी स्वामी विशुद्धानंद परमहंसदेव से मिले। जिनके बारे में कहा था कि वह सूर्य की किरणों के साथ अद्भुत प्रयोग करते थे। उनका मानना था कि सूर्य की किरणों में ही असल में जीवन है, इसी से पृथ्वी का जीवजगत चल रहा है। इसी में प्राण हैं तो इसके विज्ञान को समझ लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं। फिर तो इसके जरिए आप कुछ भी कर सकते हैं।
पाल ब्रंटन जब बनारस में उनके बड़े घर पर पहुंचे तो उस समय अधेड़ स्वामी विशुद्धानंद अपने शिष्यों से घिरे हुए थे। ब्रंटन ने उन्हें प्रणाम किया। वह समझ गए कि इस ब्रितानी लेखक के उनके पास आने का प्रयोजन क्या है। उन्होंने ब्रंटन से अगले दिन उनके शिष्य गोपीनाथ कविराज के साथ आने को कहा, ताकि आपस की बातों को कविराज उन्हें ट्रांसलेट करके बता सकें। कविराज खुद बाद में देश की ख्यातिलब्ध हस्तियों में उभरे। उन्हें पद्मविभूषण भी दिया गया। वही बनारस में गर्वनमेंट संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य भी बने और तंत्र-मंत्र, साधना और आध्यात्म पर कई किताबें लिखीं।
ब्रंटन जब अगले दिन स्वामी विशुद्धानंद के पास पहुंचे तो वह उन लोगों को छत पर ले गए जहां पर्याप्त सूरज की किरणें आ रही थीं। उनके पास एक लैंस और रुई थी और कुछ चीजें। उन्होंने छत पर मृत एक चिड़िया को उठाया। उसे एक तय स्थान पर रख दिया। मृत गौरेया पर कांच के जरिए उन्होंने सूरज की किरणों को केंद्रीत किया। इस तरह केंद्रीत किया कि किरणें गौरेया की आंखों पर गिरें। कुछ देर तो कोई हलचल नहीं हुई।
योगी का चेहरा गंभीर था। फिर उन्होंने किसी मंत्र का जाप शुरू किया। थोड़ी देर गौरेया के शव में हलचल हुआ। वह हिली डुली और पंख फड़फड़ाते हुए खड़ी हो गई। उसमें इतनी मजबूती आ चुकी थी कि वह उड़ने लगी। ब्रंटन चकित से इस घटना को अपने सामने होते देखते रहे। इससे एक दिन पहले स्वामी विशुद्धानंद ने ब्रंटन के सामने सूर्य की किरणों से एक और करिश्मा करके दिखाया था।
उन्होंने कविराज से कहा, अपना रूमाल दो। रेशमी हो तो बेहतर है। इसमें जैसी खुशबु चाहो वो पा सकते हो। इसमें उन्होंने लैंस यानि आतशी शीशे और सूर्य की रोशनी का ही इस्तेमाल किया। तब उन्होंने ब्रंटन से पूछा कि रूमाल में कौन सी सुगंध चाहते हो। तो ब्रंटन ने पूछा-क्या आप बेले की सुगंध पैदा कर सकते हैं। आचार्य ने बाएं हाथ में रूमाल लिया। उसके ऊपर शीशा रख दिया। दो क्षण के लिए सूर्य की किरणें रूमाल पर थिरक उठीं। अब उन्होंने कांच को हटाकर रूमाल दिया तो उसके एक कोने से बेला की मधुर गंध आने लगी थी। रूमाल पर कहीं कोई नमी नहीं थी। ना ऐसा लग रहा था कि इस पर कोई इत्र छिड़का गया। ब्रंटन को शक हुआ कि ये हाथ की सफाई या कोई मामूली जादूगरी तो नहीं। तब उन्होंने सामने ही दूसरा प्रयोग किया। अब रूमाल के एक दूसरे कोने पर उन्होंने गुलाब की सुगंध सूर्य की किरणों के जरिए पैदा की। तीसरी बार उन्होंने ब्रंटन की मांग पर बनफशे की सुगंध पैदा की।

भाग्यश्री ने किए थे सलमान के बारे में दिलचस्प खुलासे

बताया-वो अपनी आदतों की वजह से लड़कियों से दूर रहना चाहते थे

एक्ट्रेस भाग्यश्री ने 23 फरवरी को अपना 54वां जन्मदिन मना चुकी। फिल्म मैंने प्यार किया से करियर की शुरुआत करने वाली भाग्यश्री ने कुछ सालों पहले दिए इंटरव्यू के दौरान सलमान खान और अपनी डेब्यू फिल्म से जुड़े कई दिलचस्प खुलासे किए थे। दरअसल, भाग्यश्री ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि सलमान ने उन्हें यह मानने पर मजबूर कर दिया था कि वो एक बुरे इंसान हैं। लेकिन एक वाक्या की वजह से उनके मन में सलमान को लेकर और भी ज्यादा इज्जत बढ़ गई।

एक इंटरव्यू में भाग्यश्री ने कहा था -असल मायने में सलमान किसी के पीछे नहीं बल्कि महिलाएं उनके पीछे आती हैं। मैंने प्यार किया शूट के समय उन्होंने मुझे कहा था कि मैं नहीं चाहता कि अच्छी लड़कियां मुझसे प्यार करें।

इस पर मैंने उनसे पूछा था- 'आप ऐसा क्यों चाहेंगे? उन्होंने कहा- 'क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं अच्छा लड़का हूं।' 'मेरा मानना है कि मैं एक लड़की के साथ बहुत जल्दी बोर हो जाता हूं और जब तक मैं इस आदत पर कंट्रोल नहीं कर लेता, मैं चाहता हूं कि लोग मुझसे दूर रहें। इसलिए मैं उन्हें अपने करीब नहीं आने देता।'

भाग्यश्री ने आगे कहा- 'आज अगर आप देखें तो ये सही मायने में साबित हो गया। सलमान जिस तरह अपने परिवार को लेकर प्रोटेक्टिव रहे हैं, मुझे लगता है कि वो अपनी महिलाओं के लिए भी बेहद प्रोटेक्टिव हैं। यही वजह कि उनका पजेसिवनेस ज्यादा बढ़ जाता होगा, जो आज की महिलाओं के नहीं पसंद आता है।'

भाग्यश्री ने मैंने प्यार किया फिल्म के प्रमोशन के दौरान का किस्सा शेयर करते हुए कहा था- एक फेमस फोटोग्राफर थे, जो मेरी और सलमान की सेंसेशनल फोटोज क्लिक करवाना चाहते थे। इसलिए वो सलमान को अकेले लेकर गए और उन्होंने अचानक मुझे किस करने को कहा। लेकिन सलमान ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया।

भाग्यश्री ने आगे बताया कि- 'मैं फोटोग्राफर की बात सुनकर घबरा गई थी। उस वक्त हम सब नए थे तो फोटोग्राफर ने सोचा कि वो हमसे कुछ भी करवा लेंगे।

उस दिन सलमान की ये बात सुनकर मेरी नजरों में उनकी इज्जत और भी ज्यादा बढ़ गई है। बता दें कि आज तक सलमान ने ऑनस्क्रीन किसी भी एक्ट्रेस को किस नहीं किया है।

मैं नहीं चाहती थी कि सोहा फिल्मों में काम करे : शर्मिला टैगोर

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर 12 साल बाद 'गुल मोहर' से फिल्मी दुनिया में वापसी कर रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री मनोज बाजपेयी की मां के किरदार में एक अहम भूमिका निभाती नजर आएंगीं। फिल्म की कहानी एक परिवार में प्यार और तकरार के इर्द-गिर्द घूमती है। शर्मिला टैगोर की माने तो उनके परिवार के सदस्यों के बीच भी कई बार असहमति होती है, लेकिन वह किसी की फीलिंग को ठेस नहीं पहुंचाते।

मैं स्क्रीन पर अपने कमबैक को लेकर काफी उत्साहित हूं, एनर्जेटिक भी महसूस करती हूं, लेकिन हां थोड़ी थकान भी महसूस होती है। हमारे दौर में फिल्में प्रमोट करने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। उस वक्त फिल्में ही लोगों के लिए एंटरटेनमेंट का जरिया थीं। उस वक्त ना टीवी था, ना ओटीटी।

फिल्में कुछ 25 हफ्तों तक चल जाती और फिर दूसरी फिल्म थिएटर में लगती, ऑडियंस को नई फिल्मों का इंतजार करना पड़ता था। जब टिकट बुकिंग शुरू होती तो लाइन लग जाती थी और हम एक्टर्स को वे सिर्फ प्रीमियर में देखा करते थे। उस वक्त हमारी फिल्मों को प्रमोशन की जरूरत नहीं होती थी।

वैसे तो पूरी फिल्म की शूटिंग का अनुभव स्पेशल रहा। हालांकि एक मोमेंट जो हमेशा यादगार रहेगा, वो था जब उत्सवी (फिल्म की कलाकार) मेरे पास आई और कहने लगी कि

मैं आपको कुछ पढ़कर सुना रही हूं आप मुझे बताइए कि इसमें क्या बदलाव किया जाए। ऐसा लग रहा था जैसे कि मैं एक एक्टिंग कोच हूं। मैं नर्वस हो गई, मैं मना भी नहीं करना चाहती थी। जिस तरह से वो मेरे क्लोज होने की कोशिश कर रही थी, वो वाकई में बहुत प्यारा तरीके से था, ये मोमेंट हमेशा याद रहेगा।

मैं नहीं मानती कि मैं अपनी फैमिली को बांधकर रखती हूं। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मेरे फैमिली मेंबर्स मुझे मानते हैं। हम कई बार एक-दूसरे के विचारों से असहमत भी होते हैं, लेकिन जब हमने उन्हें पढ़ाया है, उनके पास विचारों का ऑप्शन है तो यदि वे उस ऑप्शन को चुनते हैं तो हमें उसमें सहमति देनी चाहिए। जैसे कि मैं नहीं चाहती थी कि सोहा फिल्मों में काम करें क्योंकि वो बहुत ब्राइट स्टूडेंट हैं, अच्छी यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं, लेकिन उन्हें एक्ट्रेस बनना था, तो ठीक है, वो खुश हैं और मेरे लिए यही बात मायने रखती है। इसी तरह हम एक-दूसरे को समझकर आगे बढ़ते हैं। बच्चे भी मुझे बहुत मदद करते हैं। हम एक-दूसरे की फीलिंग को ठेस नहीं पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

फैमिली मेंबर्स से फिल्म साइन करते वक्त ज्यादा डिस्कस नहीं किया था, वो ज्यादा पूछते भी नहीं हैं। उन्हें यकीन है कि मैं जो करूंगी वो सोच-समझकर ही करुंगी। हां, मेरी सेहत को लेकर पूछते रहते हैं। हालांकि वे बहुत खुश हैं। सैफ ने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी क्योंकि अमृतसर में शूटिंग में व्यस्त हैं। सबा और सोहा ने फिल्म देखी और उन्हें बहुत पसंद आई। सबा से इस तरह का अप्रूवल मिलना मेरे लिए बहुत स्पेशल है।

अब आप एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं क्योंकि 90 के दशक के बाद जब ऑडियंस को ज्यादा कंटेंट का एक्सपोजर मिला तब से डिमांड भी बढ़ गई है। अब फिल्में आपके पास आ रही हैं, आप फिल्में देखने नहीं जाते। कंटेंट के मामले में आपके पास कई सारे विकल्प हैं। पहले ऑडियंस से हम एक्टर्स को बोलना पड़ता था कि ये फिल्म आपको देखनी ही होगी, लेकिन अब हम थोड़ा पीछे हट गए हैं और स्क्रिप्ट ने उसकी जगह ले ली है।

अब कंटेंट अच्छा होना बहुत जरूरी हो गया है और उसके बाद आप उसे किस तरह से प्रेजेंट करते हो, वो मायने रखता है। हालांकि मुझे लगता है कि ये हिंदी सिनेमा के लिए एक बहुत ही सुंदर फेज है, जहां हर तरह का एक्सपेरिमेंट किया जा रहा है। साथ ही मुझे विश्वास है कि हमारे देश के लोगों का सिनेमा और क्रिकेट के प्रति प्रेम कभी खत्म नहीं होगा। उनका कनेक्शन हमेशा के लिए रहेगा। कभी-कभी देखती हूं, कभी नहीं। 'गुलमोहर' मेरी फिल्म है और मैंने अब तक दो बार मोबाइल पर देख ली है। आने वाले दिनों में और भी कई बार इस फिल्म को जरूर देखूंगी।

हेरा-फेरी 3 में बाबू भैया, राजू और श्याम विदेश जाएंगे और वहां हेरा फेरी करेंगे : परेश रावल

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल ने हाल ही में फिल्म 'हेरा फेरी 3' के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के प्लॉट का हिंट भी दिया। साथ ही उन्होंने अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बात करते हुए कहा कि हम तीनों की जो ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री है, वो फिल्मी पर्दे पर भी नजर आती है। परेश रावल ने बातचीत में कहा, 'हम मुंबई में तीन महीने तक शूटिंग करेंगे। उसके बाद हम अबू धाबी, दुबई और लॉस एंजिल्स जैसे इंटरनेशनल लोकेशन पर शूट करेंगे, क्योंकि बाबू भैया, राजू और श्याम तीनों मिलकर इंटरनेशनल लेवल का स्कैम करेंगे। वो तीनों विदेश जाएंगे और वहां 'हेरा फेरी' करेंगे।' परेश से आगे जब पूछा गया कि इस फिल्म में कार्तिक आर्यन किस रोल में नजर आएंगे? इस बारे में बात करते हुए परेश ने कहा, 'पहले अक्षय कुमार और कार्तिक आर्यन दोनों ही 'हेरा फेरी 3' करने वाले थे। लेकिन बात नहीं बनी। अब हुआ क्या, मुझे पता नहीं।' 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग शुरू हो गई है। फैंस लंबे समय से फिल्म के तीसरे पार्ट की डिमांड कर रहे थे। अब खास बात ये है कि इस फिल्म का अक्षय कुमार भी हिस्सा हैं। दरअसल कुछ दिन पहले फिल्म के शूटिंग सेट से अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की एक साथ फोटो सामने आई थी, जिसमें तीनों एक्टर फिल्म में अपने किरदार के गेटअप में दिखाई दे रहे थे। इस फोटो को देख फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं था।

'हेरा फेरी' बॉलीवुड की एवरग्रीन फिल्मों में एक है। इस फिल्म का डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया था। पिछले दोनों पार्ट्स में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिका में थे। दोनों ही पार्ट्स आज भी ऑडियंस के बीच उतने ही फेमस हैं, जितने उस दौर में थे। यही वजह है कि फैंस इस फिल्म से इमोशनली कनेक्टेड हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट 2000 में रिलीज किया गया था।

'ओरिजनल है फिल्म छोरी-2 की कहनी': कुलदीप

बोले- पहले पार्ट से ज्यादा मजबूत होगा नुसरत भरूचा का रोल

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की छोरी-2 की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म में इस बार नेगेटिव लीड ग्वालियर के कुलदीप सरीन प्ले कर रहें हैं। कुलदीप ने कहा- ये तो सब जानते हैं कि इसका पहला पार्ट मराठी फिल्म लपाछपी की रीमेक है। पर जो हिंदी में पार्ट टू आ रहा है, वह रीमेक नहीं है, क्योंकि लपाछपी का अगला पार्ट नहीं आया है। ऐसे में छोरी2 की अपने आप में ओरिजिनल कहानी है।'

फिल्म का पहला पार्ट तो एमपी में भोपाल से 150 किमी दूर पिपरिया इलाके में शूट हुआ था। वहां गन्नों के खेत के बीच हीरो, प्रेग्नेंट लेडी और बच्चों के पीछे पड़े भूत की कहानी थी। यहां कहानी खेत से बाहर निकली है। इमारतों और शहर का सफर तय करती हैं। तो इस बार फिल्म की शूटिंग एमपी में न के बराबर हुई है ज्यादातर शूट मुंबई का है।'

कुलदीप आगे बताते हैं- 'यह पहले पार्ट की प्रॉपर सीक्वल है। यानी पहला पार्ट जहां खत्म हुआ था, पार्ट टू वहां से शुरू होता है। साक्षी का रोल नुसरत ही प्ले कर रही हैं। पहले पार्ट में उनका सफर जहां खत्म हुआ, वहां से वह कहां गईं? आगे के सफर में नई चुनौतियां क्या आईं? पुराने जीवन के साथी हैं कि नहीं, वह सब सरप्राइज यहां हैं? नुसरत के किरदार में इस बार पहले से ज्यादा मजबूती आई है।'

छोरी2 की कहानी आज की तारीख में ही सेट है। कुलदीप के ने कहा- 'फिल्म में ऐसा टिपिकल हीरो हीरोइन वाला कॉन्सेप्ट है ही नहीं। साथ ही यह भी कि इस बार यह कंप्लीट फीमेल सेंट्रिक फिल्म नहीं है।हालांकि इस बार भी महिलाओं का अहम मुद्दा उठाया गया है। साथ ही किरदारों की दुनिया भी खेतों से लेकर समंदर तक जाती है।'ज्यादातर हिस्सों की शूटिंग डे में की गई। यह चूंकि हॉरर फिल्म है तो इसे नाइट में ही फिल्माना है, वैसा नहीं था। नुसरत के किरदार साक्षी की औलाद का भी फिल्म में अहम ट्रैक है। उसकी उम्र चार से पांच साल है। इस तरह कहा जाए तो छोरी2 की कहानी चार साल आगे जाती है। सोहा अली खान की यह पहली हॉरर फिल्म है। ऐसे में सेट पर उनकी तैयारी कंप्लीटली फिल्म को लेकर थी।

सोहा अली खान की पहली हॉरर फिल्म है छोरी2-कुलदीप

कुलदीप बताते हैं, ' वो पूरे टाइम सेट पर फिल्म और किरदारों की ही बातें करती थीं। पॉलिटिक्स या कोई और टॉपिक नहीं छिड़ता था। महिलाओं को लेकर जो मुद्दे इसमें उठाए गए हैं, वो हरियाणा, राजस्थान और वेस्टर्न यूपी में प्रासंगिक है। सोहा और मैं इसमें हरियाणवी बोलते नजर आएंगे। '

दिव्या अग्रवाल ने वापस की एक्स बॉयफ्रेंड की खानदानी ज्वेलरी : बोली- मैंने कभी नहीं मांगा, ना कभी पहना

बिग बॉस ओटीटी की विनर दिव्या अग्रवाल अपने काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती हैं। दिव्या और वरुण सूद लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में थे। दोनों जल्दी ही शादी करने का प्लान भी बना रहे थे, लेकिन पिछले साल मार्च 2022 में दोनों ने ब्रेकअप कर लिया और इसी के कुछ ही महीने बाद दिव्या ने अपने पुराने दोस्त अपूर्व पडगांवकर के साथ सगाई कर ली थी। अब इसी बीच वरुण की बहन ने दिव्या से अपने खानदानी गहने मांगे हैं, जिसके बाद सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ी हुई है। दरअसल, कुछ दिनों पहले वरुण सूद ने अपने फैन्स के साथ सोशल मीडिया पर सवाल- जवाब सेशन किया। इस दौरान एक फैन ने उनसे पूछा कि 'क्या आपने दिव्या को धोखा दिया है?'। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि 'मैंने नहीं भाई।' दिव्या ने 23 फरवरी की उस 'खानदानी ज्वेलरी' को हाथ पर रखकर एक फोटो पोस्ट की और लिखा कि मैं ज्वेलरी वापस कर रही हूं। इसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट में हाथ में किसेस चॉकलेट रखते हुए लिखा,'किसेस के साथ'। इसी बीच दिव्या ने एक फैन के कमेंट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, 'हां तो एक साल बाद याद आया? जीने दो भाई मेरी मैनेजर हॉस्पिटल में है'। एक और रिप्लाई करते हुए लिखा, 'मुझे याद भी नहीं था। मैंने कभी उनसे मांगा नहीं। मैंने कभी उसे पहना भी नहीं। अब एक साल हो गए हैं'।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के खिलाफ रेप का केस : एक्स वाइफ आलिया ने दर्ज कराया मामला

नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर उनकी एक्स वाइफ आलिया ने रेप का केस दर्ज कराया है। आलिया ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा, 'नवाज की बेरहम मां मेरे मासूम बच्चे को नाजायज बोलती है और ये घटिया आदमी चुप रहता है, वर्सोवा पुलिस स्टेशन में कल ही इसके खिलाफ रेप की शिकायत (प्रूफ के साथ) दर्ज कराई है। कुछ भी हो जाए, लेकिन इन बेरहम हाथों में अपने मासूम बच्चों को नहीं जाने दूंगी।'

आलिया ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें वे रोते हुए कहती दिख रही हैं, 'नवाज बच्चों की कस्टडी चाहता है, लेकिन मैं आप लोगों से ये जानना चाहती हूं कि जिस आदमी को ये नहीं पता कि उसके बच्चे छोटे से बड़े कब हो गए। जिसे बच्चों का डायपर तक बदलना न आता हो, वो आज अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करके मुझसे मेरे बच्चे छीनना चाहता है। आज ये सब करके वो अपने आप को महान बाप दिखाने की कोशिश कर रहा है।'

नवाज ने फाइनेंशियली मुझे कमजोर करके रखा है..

आलिया ने वीडियो में आगे कहा, 'अपने पैसे से तुम कितने भी लोगों को खरीद लो, पर मेरे बच्चों को मुझसे अलग नहीं कर सकते। तुम मुझे अपनी पत्नी नहीं मानते, जबकि मैंने तुम्हें हमेशा अपने पति की तरह स्वीकार किया है। हर डॉक्यूमेंट में मैंने तुम्हें अपना पति माना है, लेकिन तुमने मुझे धोखे में रखा। इस चीज को मेरे लिए बर्दाश्त करना मुश्किल है।मैंने अपनी लाइफ के महत्वपूर्ण 40 साल तुम्हारे साथ गुजारे हैं। आज मेरे पास एक-एक रुपए की किल्लत है। ये बात मैंने किसी से नहीं बताई थी, लेकिन अब बता रही हूं क्योंकि इसने (नवाज) मुझे चारों तरफ से कमजोर करके रखा है।'

आलिया ने कहा- नवाज की डार्क साइड भी देखनी चाहिए

आलिया ने नवाजुद्दीन को अहंकारी बताया है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि ये आदमी पावर और फेम के चक्कर में बौखला गया है। बच्चे आज भी मेरे से चिपक कर सोते हैं, इसने तो उन्हें कभी गले भी नहीं लगाया होगा। मुझे कोर्ट पर पूरा भरोसा है इसलिए यकीन है कि फैसला मेरे हक में आएगा। आप सभी से निवेदन है कि इस आदमी की डार्क साइड भी देखो।'

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और आलिया की लड़ाई उस समय शुरू हुई थी, जब आलिया ने नवाज की मां पर मारपीट का आरोप लगाया था। आलिया का कहना था कि नवाज के परिवार वाले उनका शोषण कर रहे हैं और उन्हें अपनी प्रॉपर्टी से बेदखल कर रहे हैं।

वहीं नवाजुद्दीन की तरफ से ये कहा गया है कि आलिया उनसे काफी पहले ही अलग हो चुकी हैं, लेकिन अब प्रॉपर्टी और बंगले पर गैरकानूनी रूप से अधिकार जमाना चाहती हैं। आलिया ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वो नवाज पर भड़ास निकाल रही हैं।

रोते-रोते श्रीदेवी का आखिरी मेकअप किया, ऐसा लग रहा था वो अभी बोल पड़ेंगीं- राजेश ठीक से करो : श्रीदेवी के मेकप मैन राजेश

पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी की पांचवीं पुण्यतिथि पर उनके मेकअप मैन रहे हैं राजेश पाटिल ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक उनके साथ रहे। राजेश के स्ट्रगल की अपनी एक अलग कहानी है, लेकिन उनकी जिंदगी का सबसे इमोशनल या सबसे मुश्किल लम्हा वो रहा, जब उन्होंने श्रीदेवी की मौत के बाद अंतिम संस्कार से पहले उनका आखिरी मेकअप किया।

राजेश को ऐसा लग ही नहीं रहा था कि श्रीदेवी नहीं रहीं। मैं रोते-रोते उनका मेकअप कर रहा था और ऐसा लग रहा था कि वो अभी बोल पड़ेंगीं कि राजेश ऐसे नहीं वैसे करो। वो अपने मेकअप को लेकर बहुत अलर्ट रहती थीं। उनके चेहरे पर क्या अच्छा लगेगा, ये उन्हें बखूबी पता था।

राजेश महाराष्ट्र के जलगांव से हैं। किसान परिवार से हैं और बचपन में घर की स्थिति भी कुछ ठीक नहीं थी। बमुश्किल दसवीं तक पढ़ पाए। छोटे थे तो पाव बेचकर घर के लिए कुछ पैसे कमाते थे। मामा फिल्म इंडस्ट्री में कॉस्ट्यूम का काम देखते थे। उन्होंने मुंबई बुला लिया। मेकअप का काम सीखा। फिर 30 रुपए रोज में काम शुरू किया।

तब्बू, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक कई सेलेब्स का मेकअप कर चुके राजेश अब एक बार के मेकअप के 30 से 40 हजार तक चार्ज करते हैं। श्रीदेवी से उनका काफी जुड़ाव रहा है।

किस्सा श्रीदेवी से पहली मुलाकात का

जब मैं मुंबई आया तो उस समय मेरे मामा फिल्म नगीना के सेट पर काम कर रहे थे।

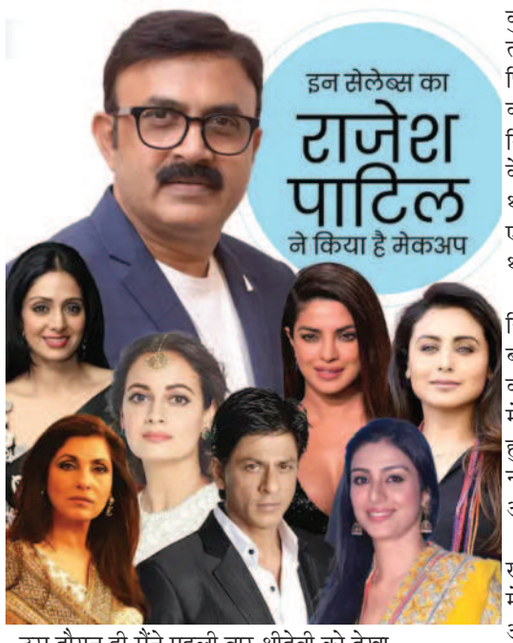

उस दौरान ही मैंने पहली बार श्रीदेवी को देखा था। पंकज खरबंदा श्रीदेवी और तब्बू, दोनों के मैनेजर थे। एक बार श्रीदेवी ने उनसे पूछा था कि किसी अच्छे मेकअप आर्टिस्ट को जानते हैं, तब उन्होंने मेरा रेफरेंस दिया क्योंकि उन्होंने मेरा काम तब्बू के साथ देखा था। तब श्रीदेवी ने कहा- ठीक है, बुला लो उनको। इसके बाद मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्हें मेरा काम पसंद आया। जब मैं पहली बार उनका मेकअप कर रहा था तो बहुत डर लग रहा था कि इतनी सीनियर एक्ट्रेस हैं, कहीं कुछ गलत ना हो जाए। इसके बाद तो मैं उनके रेगुलर टच में रहा। फिल्मों के अलावा भी जब उन्हें कहीं बाहर जाना होता था या किसी रियलिटी शो में, तब मेकअप करने के लिए मैं ही उनके साथ जाता था। इस वजह से मेरा उनके साथ एक बहुत अच्छा रिश्ता बन गया था।

24 फरवरी 2018 को श्रीदेवी के निधन की खबर आई। ये मेरे लिए बड़ा शॉकिंग था। मैं भरोसा ही नहीं कर पा रहा था कि वो इस दुनिया में नहीं रहीं। उनका निधन दुबई में हुआ था और तब मैं उनके साथ जा नहीं पाया क्योंकि मेरे पास कोई और काम आ गया था।

जब लगातार दो-तीन दिन यही खबरें आईं तब विश्वास हुआ कि सच में अब वो नहीं हैं। श्रीदेवी की बॉडी आने से पहले मैं उसी एरिया में था, जहां वो रहती थीं। वो 26 फरवरी की बात थी जब अचानक मेरे पास एक अनजान नंबर से कॉल आया। उन्होंने पूछा- राजेश जी कल क्या आप फ्री हो। मैंने कहा कि हां कल मैं फ्री हूं।

फिर उन्होंने कहा- कल आपको आकर श्रीदेवी का मेकअप करना है। उनकी इस बात पर मैं भड़क गया। मुझे लगा कि ये मजाक है, लेकिन उन्होंने समझाया कि ये बात सच है। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और उनके परिवार वालों का सुझाव है कि सुहागन की तरह सजाने के बाद ही उनका अंतिम संस्कार होगा।

मैंने उनसे कहा कि रात तक कन्फर्म बता दूंगा। इस बात ने मुझे रास्ते भर परेशान किया। मैं जब घर पहुंचा तो पत्नी को ये सारी बातें बताईं। उन्होंने कहा कि शायद कोई मजाक ही कर रहा हो। फिर से रात में कॉल आया और अगले दिन सुबह मुझे श्रीदेवी जी के घर आने के लिए कहा गया। मैं अगले दिन (27 फरवरी को) अपना मेकअप किट लेकर वहां पहुंच गया, लेकिन श्रीदेवी की बॉडी रात 11 बजे आई, जिसके बाद मुझसे कहा गया कि अब कल सुबह आ जाना। फिर मैं घर वापस आ गया, लेकिन पूरी रात सो नहीं पाया। अगले दिन सुबह 7 बजे ही मैं उनके घर पहुंच गया। जब मैं अंदर गया तो वहां पर श्रीदेवी की बॉडी के पास अनिल कपूर की वाइफ सुनीता, रानी मुखर्जी समेत कई लोग मौजूद थे। मैंने अपना मेकअप किट खोला और मेकअप करना शुरू किया। जब मैं उनका मेकअप कर रहा था तो ऐसा लगा कि वो अभी जाग जाएंगीं और कहेंगीं- राजेश ये गलत है, ये ठीक करो। पहले भी जब मैं उनका मेकअप करता था, तो वो शांत नहीं रहती थीं। उनको पता था कि उनके फेस पर क्या अच्छा लगेगा, वो सारी चीजें बताती रहती थीं।

रोते-रोते श्रीदेवी का आखिरी मेकअप किया

वो हर काम बहुत परफेक्शन से करती थीं, इसलिए मैं उनकी पसंद की बिंदी लेकर गया था। जब मैं उनका वो आखिरी मेकअप कर रहा था, मेरी आंखों से आंसू लगातार बह रहे थे। खुद को मुश्किल से संभाल पा रहा था। ये मेरी लाइफ का इमोशनल मोमेंट था जो ताउम्र मुझे याद रहेगा।

कमजोर फील्डिंग और खराब किस्मत से हारी टीम इंडिया

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के रोमांचक सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5 रन से हरा दिया। भारत को 33 बॉल पर 41 रन की जरूरत थी। रिचा घोष और हरमनप्रीत कौर क्रीज पर थीं। तब हरमन रनआउट हो गईं। भारत आखिरी 32 बॉल पर 34 रन ही बना सका और मैच हार गया।

भारत ने पहली पारी में खराब फील्डिंग की, कैच छोड़े और अहम मौकों को किस्मत खराब होने के चलते विकेट भी गंवाए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने शानदार फील्डिंग की, जिस कारण अहम मौकों पर उन्हें विकेट भी मिले। आगे स्टोरी में हम सेमीफाइनल के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स को जानेंगे...

शेफाली ने बाउंड्री पर छोड़ा आसान कैच

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की फील्डिंग बेहद खराब रही। शेफाली वर्मा ने लॉन्ग ऑन पर बेथ मूनी का आसान सा कैच छोड़ दिया। मूनी तब 32 रन पर बैटिंग कर रही थीं, वह 54 रन बनाकर आउट हुईं। विकेटकीपर रिचा घोष ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लेनिंग का कैच छोड़ा। लेनिंग तब एक रन पर खेल रही थीं, वह

49 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। उन्होंने आखिरी ओवर में रेणुका सिंह को 2 छक्के जड़कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 172 तक पहुंचाया। रिचा ने 13वें ओवर में स्टंपिंग का आसान मौका भी गंवा दिया था।

खराब फील्डिंग से दिए कई रन

कैच छोड़ने के अलावा भारत ने कई मौकों पर बहुत खराब फील्डिंग की। शिखा पांडे, दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा जैसी फील्डर के हाथ के नीचे से बॉल जा रही थीं। ऑस्ट्रेलिया ने खराब फील्डिंग का फायदा उठाया और 8 बार 2-2 रन लिए।

पिच में अटका हरमन का बैट

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर 15वें ओवर में 52 रन बनाकर रन आउट हुईं। यहीं से पूरा मैच पलट गया। ओवर की चौथी बॉल पर दूसरा रन लेने के प्रयास में हरमनप्रीत कौर का बैट पिच में अटक गया। वह रन पूरा नहीं कर पाईं और ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलिसा हीली ने गिल्लियां उड़ा दीं। रिप्ले में हरमन आउट नजर आईं। हरमन के विकेट के बाद भारत को 32 बॉल पर 40 रन की जरूरत थी। टीम 34 रन ही बना सकी और 5 रन से मैच हार गई। उनसे पहले तीसरे नंबर पर उतरीं यस्तिका भाटिया भी रनआउट हुईं।

वाइड को छेड़ने में आउट हुईं जेमिमा

चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरीं जेमिमा रोड्रिग्ज ने 24 बॉल पर 43 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 6 चौके जड़े। वे शानदार खेल रही थीं, लेकिन 11वें ओवर में बाउंसर को छेड़ने में विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गईं। अगर वो गेंद छोड़ देतीं तो बॉल वाइड रहती और मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था। जेमिमा से पहले ओपनर स्मृति मंधाना एश्ले गार्डनर की बॉल पर LBW हुईं। अंपायर ने उन्हें नॉटआउट करार दिया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने रिव्यू लिया और मंधाना आउट हो गईं।

एलिस पेरी की मैच जिताऊ फील्डिंग

ऑस्ट्रेलिया ने पूरे मैच में शानदार फील्डिंग की। हरमन के रन आउट के बाद एलिस पेरी ने अंतिम ओवरों में बाउंड्री पर शानदार डाइव मारकर अपनी टीम के लिए 2 रन बचाए। टीम ने पूरे मैच में बेहतरीन फील्डिंग की और कई रन रोके। आखिर में दोनों के बीच जीत का अंतर महज 5 रन का रहा।

अहम मैचों में हमेशा फेल हुईं स्मृति मंधाना, आईसीसी के नॉकआउट मुकाबलों में शर्मनाक है रिकॉर्ड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो चुकी है। सेमीफाइनल में उसे गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मैच में पांच रनों से हरा दिया। भारत का सपना लगातार दूसरी बार इस टूर्नामेंट में कंगारू टीम ने तोड़ा है। पिछली बार टी20 विश्व कप के फाइनल में भी उसने टीम इंडिया को मात दी थी। भारतीय टीम पिछले 10 साल में कुल पांच नॉकआउट मैच खेली है। इस दौरान सिर्फ में उसे जीत मिली है। दुर्भाग्य की बात हैं पांचों मुकाबलों में ओपनर स्मृति मंधाना का बल्ला नहीं चला।

इस बार मंधाना शानदार फॉर्म में थीं। उन्होंने सेमीफाइनल से पहले तीन मैचों में 10, 52 और 87 रन की पारी खेली थी। लगातार दो मैच में दो अर्धशतक लगाने के बाद मंधाना ने उम्मीदें जगा दी थीं। ऐसा लगा था कि इस बार सेमीफाइनल में वह टीम इंडिया को जीत दिला देंगी,

आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में स्मृति मंधाना का प्रदर्शन

टूर्नामेंट	साल	मैच	खिलाफ	रन
वनडे विश्व कप	2017	सेमीफाइनल	ऑस्ट्रेलिया	06
वनडे विश्व कप	2017	फाइनल	इंग्लैंड	00
टी20 विश्व कप	2018	सेमीफाइनल	इंग्लैंड	34
टी20 विश्व कप	2020	फाइनल	ऑस्ट्रेलिया	11
टी20 विश्व कप	2013	सेमीफाइनल	ऑस्ट्रेलिया	02

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह सिर्फ दो रन बनाकर ही आउट हो गईं। मंधाना अपने करियर में पांचवीं बार नॉकआउट मैच में उतरी। वह अब तक एक भी अर्धशतक नहीं लगा सकी हैं। इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 34 रन रहा है। आइए जानते हैं मंधाना ने हर बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में कैसा प्रदर्शन किया है...

महिला वनडे विश्व कप 2017 सेमीफाइनल

भारत का मुकाबला सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ। टीम इंडिया के पास वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने का मौका था। भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। स्मृति मंधाना आउट होने वाली पहली खिलाड़ी थीं। वह सिर्फ छह रन बना सकीं। भारत ने 42 ओवर में चार विकेट पर 281 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 40.1 ओवर में 245 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने 36 रन से मैच को जीत लिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 115 गेंद पर नाबाद 171 रन बनाए थे। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थीं।

महिला वनडे विश्व कप 2017 फाइनल

फाइनल में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड से हुआ। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने 50 ओवर में सात विकेट पर 228 रन बनाए। टीम इंडिया के सामने आसान लक्ष्य था। ऐसा माना जा रहा था कि भारतीय महिला टीम विश्व कप जीत जाएगी। स्मृति मंधाना एक बार फिर टीम को बेहतर शुरुआत दिलाने में नाकाम रहीं। वह शून्य पर आउट हो गईं। पूनम राउत ने 86 और हरमनप्रीत ने 51 रन बनाए। भारतीय टीम 48.4 ओवर में 219 रनों पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड नौ रन से मैच जीतकर चैंपियन बन गया।

महिला टी20 विश्व कप 2018 सेमीफाइनल

भारत के सामने महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की चुनौती थी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। स्मृति मंधाना एक बार फिर नॉकआउट मैच में फेल हो गईं। उन्होंने अच्छी शुरुआत तो की, लेकिन बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। मंधाना 23 गेंद पर 34 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। भारत ने 19.3 ओवर में 112 रनों पर ऑलआउट हो गया। इंग्लैंड ने 17.1 ओवर में दो विकेट पर 116 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया।

महिला टी20 विश्व कप 2020 फाइनल

सेमीफाइनल में भारत के सामने इंग्लैंड की चुनौती थी। बारिश के कारण यह मुकाबला नहीं हुआ। ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण भारत को फायदा हुआ। वह पहली बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ। मेलबर्न में खचाखच भरे स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने 20 ओवर में चार विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया 99 रनों पर सिमट गई। स्मृति मंधाना आठ गेंदों पर 11 रन ही बना सकीं।

महिला टी20 विश्व कप 2023 सेमीफाइनल

दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में भारत का सामना सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हुआ। टीम इंडिया 2020 के फाइनल में मिली हार का बदला लेने के लिए उतरी थी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसने 20 ओवर में चार विकेट पर 172 रन बनाए।

जवाब में टीम इंडिया 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। बेहद करीबी मैच में भारत पांच रनों से हार गया। स्मृति मंधाना एक बार फिर नॉकआउट मैच में फेल हो गईं। वह सिर्फ दो रन बना सकीं।

पहले धोनी अब हरमनप्रीत, सेमीफाइनल में फिर टूटा भारतीय फैंस का दिल, याद आया 2019 विश्व कप सेमीफाइनल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम इंडिया को पांच रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारतीय टीम विश्व कप से बाहर हो गई है। इस मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 52 रन के स्कोर पर रन आउट हो गईं और यहीं से भारत मैच हार गया। हरमनप्रीत के इस रन आउट ने 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल की याद दिला दी, जब धोनी के रन आउट होने के बाद भारत मैच हार गया था।

2019 विश्व कप में क्या हुआ था?

2019 पुरुष वनडे विश्व कप का सेमीफाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच था। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 239 रन बनाए थे। इसके जवाब में भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं थी, लेकिन धोनी ने शानदार अर्धशतक लगाकर

मैच बना दिया था। भारत को जीत के लिए आखिरी 10 गेंद में 25 रन की जरूरत थी। धोनी जैसे बल्लेबाज के लिए यह नया नहीं था। वह ऐसे हालातों से कई बार भारत को जीत दिला चुके थे। ऐसे में फैंस की उम्मीदें बनी हुई थीं। हालांकि, धोनी दो रन लेने के चक्कर में रन आउट हो गए और टीम इंडिया 18 रन से मैच हार गई। इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत का सफर भी खत्म हो गया और बाद में यह धोनी का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ।

हरमनप्रीत के साथ क्या हुआ?

धोनी के रन आउट होने के चार साल बाद हरमनप्रीत भी कुछ उसी अंदाज में रन आउट हुईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल मैच में भारत के सामने 173 रन का लक्ष्य था। इस मैच में भी भारत की शुरुआत खराब थी, लेकिन हरमनप्रीत ने अपने अर्धशतक के दम पर भारत की मैच में वापसी कराई। वह 52 रन बनाकर खेल रही थीं, जब दूसरा रन लेने के चक्कर में वह रन आउट हो गईं। हरमनप्रीत आसानी से दो रन पूरे कर सकती थीं और इसी वजह से वह दूसरा रन आराम से भाग रही थीं, जब थ्रो विकेटकीपर के पास आया तो उन्होंने क्रीज के पार अपना बल्ला ले जाने की कोशिश की। इसी समय उनकी किस्मत ने धोखा दिया और बल्ला जमीन में फंस गया। विकेटकीपर ने गिल्लियां बिखेर दीं और हरमन क्रीज से बाहर रह गईं। यहीं से भारत मैच हार गया। उनके बाद ऋचा घोष भी अगले ही ओवर में पवेलियन लौट गईं और टीम इंडिया की हार तय हो गई।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर कपिल देव ने फिर उठाए सवाल, बोले- कप्तान के लिए यह शर्म की बात

भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रोहित के वजन को लेकर असंतोष जाहिर किया है। 1983 वनडे विश्व कप विजेता कप्तान ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम की फिटनेस को लेकर चर्चा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि भारतीय कप्तान फिट नहीं नजर आते।

कपिल देव ने एक इंटरव्यू में कहा, "फिट होना काफी महत्वपूर्ण है। एक कप्तान के लिए और भी जरूरी है। यदि आप फिट नहीं हैं तो यह शर्म की बात है। रोहित को इसके लिए थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है। वह एक महान बल्लेबाज हैं, लेकिन जब आप उनकी फिटनेस की बात करते हैं तो वह थोड़ा मोटा दिखते हैं। कम से कम टीवी पर तो दिखते ही हैं।"

रोहित को फिट होने की जरूरतः कपिल देव

पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे कहा, ₹यह सत्य है कि जब आप किसी को टीवी पर देखते हैं और फिर वास्तविक जीवन में देखते हैं तो वह काफी अलग होता है। मैं जो देख रहा हूं उसके मुताबिक, रोहित एक महान खिलाड़ी और एक महान कप्तान हैं, लेकिन उन्हें फिट होने की जरूरत है।₹ कपिल देव ने रोहित की फिटनेस की तुलना भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली से की।

विराट से की रोहित की तुलना

कपिल देव ने कहा कि रोहित को अपने साथी खिलाड़ी से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ₹विराट को देखो, जब भी आप उन्हें देखते हैं, तो आप कहते हैं- ये होती है फिटनेस।" रोहित शर्मा की फिटनेस के बारे में कुछ समय से आलोचना हो रही है। वह हैमर्स्ट्रिंग की चोट के कारण कई सीरीज में नहीं खेल पाए हैं।

रोहित ने पहले टेस्ट में लगाया था शतक

रोहित शर्मा ने कभी भी फिटनेस के मुद्दे पर विस्तार से बात नहीं की है। वह टीम और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय कप्तान ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में शानदार शतक लगाया था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला इंदौर के होल्कर स्टेडियम में एक मार्च से खेला जाएगा।

पीवी सिंधु ने ओलंपिक पदक जिताने वाले कोच पार्क से किया किनारा

खराब फॉर्म के लिए ठहराया जिम्मेदार

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कोच पार्क ताए संग से किनारा कर लिया है। कोच पार्क 2019 से सिंधु के साथ काम कर रहे थे। पार्क ताए-संग की देखरेख में सिंधु ने तीन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइल्स, सैयद मोदी इंटरनेशनल टाइटल, स्विस ओपन टाइटल और सिंगापुर ओपन टाइटल जीते। साथ ही बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में महिला एकल में स्वर्ण पदक और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक भी जीता था।पार्क ने सिंधु की

हालिया खराब फॉर्म की जिम्मेदारी ली। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सिंधु के साथ दो तस्वीरें शेयर कीं। इसके कैप्शन में लिखा- हैलो, आप सभी से बात किए हुए काफी समय हो गया है। मैं कुछ दिन पहले हैदराबाद वापस आया था। मैं उन सभी को धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। सच कहूं तो मेरे पिता की हालत अभी ठीक नहीं है। इसलिए मुझे भारत वापस आना भारी लग रहा था। पार्क ने लिखा- मैं पीवी सिंधु के साथ अपने संबंधों के बारे में बात करना चाहूंगा, जिसके बारे में कई लोगों ने पूछा है। उन्होंने हाल के कई मैचों में खराब मूव्स दिखाए हैं और एक कोच के रूप में इसके लिए मैं खुद को जिम्मेदार महसूस करता हूं। इसलिए वह एक बदलाव चाहती थीं और उन्होंने कहा है कि वह एक नया कोच ढूंढ लेंगी। मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं। मुझे खेद है कि मैं अगले ओलंपिक तक उनके साथ नहीं रह सकता, लेकिन अब मैं उन्हें दूर से उनका समर्थन करने जा रहा हूं। मुझे उनके साथ बिताया गया हर पल याद रहेगा। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जो मुझे समर्थन और प्रोत्साहित करते रहे हैं।

मांकडिंग को लेकर गेंदबाज अपराधी नहीं, बल्लेबाज नियम तोड़ रहे

मांकडिंग के मामले पर एमसीसी की विश्व क्रिकेट समिति ने जोर देकर कहा कि किसी बल्लेबाज को नॉन-स्ट्राइकर छोर पर रन आउट करने पर गेंदबाज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। समित ने कहा कि बल्लेबाज ही रन चुराने का प्रयास करते हैं तो उन्हें आउट करना गलत नहीं है। इसके साथ ही इस समिति ने हर तरह के क्रिकेट में मांकडिंग को रन आउट का हिस्सा बनाने की मांग की है।

विश्व क्रिकेट समिति ने इस मुद्दे पर सभी से शांत रहने की अपील की। आईसीसी की मान्यता मिलने के बावजूद कुछ पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि नॉन स्ट्राइक पर बल्लेबाज को रन आउट करना खेल भावना के खिलाफ है। वहीं, आईसीसी इसे अनुचित खेल की बजाय रन आउट का एक हिस्सा मान चुका है।

जनवरी में बिग बैश लीग के एक मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा ने नॉन-स्ट्राइकर टॉम रोजर्स को रन आउट करने का प्रयास किया था। इस मामले पर बवाल होने के बाद खेल के नियम बनाने वाले मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब ने स्पष्टीकरण जारी किया। इसमें नियम 38.3 को ज्यादा स्पष्ट तरीके से समझाया गया है। एमसीसी की विश्व क्रिकेट समिति के नियम को आईसीसी

की मान्यता मिल चुकी है। अब यह समिति सभी से इस नियम को लेकर शांत रहने की अपील कर रही है। रन चुराने की कोशिश कर रहे नॉन स्ट्राइक में खड़े खिलाड़ी को रन आउट करना खेल के नियमों के आधीन है।

एमसीसी ने कहा अहम बात यह है इस प्रकार के आउट होने के नियम से जुड़े सभी भ्रम और विवाद को आसानी से समाप्त किया जा सकता है। नॉन-स्ट्राइकर को कानून का पालन करना और गेंदबाज के हाथ से गेंद से छूटने तक क्रीज में रहना जरूरी है। दुबई में इस बात पर भी चर्चा हुई कि नॉन स्ट्राइक पर रन आउट के लिए गेंदबाज को दोषी ठहराया जाता है, जबकि रन चुराने की कोशिश बल्लेबाज कर रहा होता है। ऐसे में गलती बल्लेबाज की है न कि गेंदबाज की।

उन्होंने कहा, वे इस बात पर भी सहमत थे कि गेंदबाजों को बल्लेबाज को चेतावनी देने की आवश्यकता नहीं है। उनके पास पूरी तरह से नियम तोड़ने के मौके पर बल्लेबाज को आउट करने का अधिकार में हैं।

विश्व क्रिकेट समिति में कुमार संगकारा, सौरव गांगुली, जस्टिन लैंगर, एलिस्टर कुक सहित क्रिकेट के कई महान खिलाड़ी शामिल हैं। माइक गैटिंग इसके अध्यक्ष हैं।

श्रीलंका के महान संगकारा ने कहा गेंदबाज यहां खलनायक नहीं है। प्रत्येक बल्लेबाज के पास एक विकल्प होता है। क्रीज में में रहना या रन चुराने की कोशिश में आउट होने का जोखिम लेना। यदि वे बाद वाले को चुनते हैं, तो वे कानून तोड़ रहे हैं।

27 फरवरी को जारी होगी पीएम किसान की 10वीं किस्त

ई-केवाईसी नहीं कराया तो अटक सकता है पैसा,जानें किस्त का स्टेटस चेक करने की पूरी प्रोसेस

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान सम्मान निधि की 13वीं किश्त 27 फरवरी को किसानों के खातों में ट्रांसफर करेंगे। इस योजना के तहत सरकार हर साल किसानों के अकाउंट में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में 6000 रुपए ट्रांसफर करती है। स्कीम के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है। किस्त का स्टेटस आप अपने मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले पीएम किसान मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। ऐप के जरिए आप नए किसान के रूप में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अपने आवेदन की स्थिति की जांच कर सकते हैं। सब्मिट की गई जानकारी में किसी भी तरह का सुधार कर सकते हैं। बेनिफिशियरी लिस्ट में अपना स्टेटस देख सकते हैं। अपना ट्रांजैक्शन नंबर चेक कर सकते हैं। इसके अलावा भी और कई सुविधाएं हैं। अगर आपको इस योजना के रजिस्ट्रेशन में कोई परेशानी आ रही है या आपकी किस्त से जुड़ी कोई समस्या है या कोई और अन्य सवाल है तो इसके लिए आपको पीएम किसान सम्मान निधि योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर फार्मर कॉर्नर में हेल्प डेस्क पर जाना होगा।

हेल्प डेस्क पर क्लिक करने के बाद यहां आप अपना आधार नंबर, अकाउंट नंबर या मोबाइल नंबर दर्ज करें। गेट डीटेल्स क्लिक करने पर क्वेरी फॉर्म आ जाएगा।

अजय बंगा बन सकते हैं वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट:बाइडेन ने नॉमिनेट किया

भारत में केएफसी-पिज्जा हट खोला, मास्टरकार्ड के सीईओ रह चुके

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मास्टरकार्ड के पूर्व सीईओ अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट बन सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को उन्हें नॉमिनेट किया है। वे इसके लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। वर्ल्ड बैंक के वर्तमान प्रेसिडेंट डेविड मालपास के अप्रैल 2024 से पहले ही पद छोड़ने के एलान के बाद उन्हें नॉमिनेट किया गया है। इस वक्त 63 साल के भारतीय-अमेरिकी बंगा प्राइवेट इक्विटी फंड जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं।

भारत में पिज्जा हट-केएफसी खोलने में बड़ी भूमिका निभाई

अजय उस भारतीय-अमेरिकी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने पढ़ाई भारत में की और अमेरिका में अपनी काबिलियत की धाक जमा दी। उनकी जिंदगी मेहनत, संघर्ष और सफलता की कहानी है।

उन्होंने जालंधर और शिमला से स्कूलिंग की। डीयू से ग्रेजुएशन और आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए किया। 1981 में उन्होंने नेसले इंडिया बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी जॉइन किया और 13 साल में मैनेजर बन गए। इसके बाद वे पेप्सिको के रेस्टोरेंट डिवीजन का हिस्सा बने। यह उदारीकरण का दौर था, जब बंगा ने भारत में पिज्जा हट और केएफसी के लॉन्च में बड़ी भूमिका निभाई।

फॉर्च्यून ने शक्तिशाली उद्योगपति-2012 चुना

बंगा 1996 में सिटी ग्रुप के मार्केटिंग हेड बने। 2000 में सिटी फाइनेंशियल के प्रमुख नियुक्त किए गए। 2009 में मास्टरकार्ड के सीईओ बने और अपनी मार्केटिंग रणनीतियों से मास्टरकार्ड को युवाओं में इतना लोकप्रिय बना दिया कि यह स्टेटस सिंबल बन गया। 2016 में बंगा को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मशहूर पत्रिका फॉर्च्यून ने 2012 में बंगा को 'शक्तिशाली उद्योगपति-2012' के तौर पर चुना था। वह हिंदुस्तान यूनिलीवर के पूर्व चेयरमैन मानविंदर सिंह बंगा के भाई हैं।

बाइडेन बोले- वर्ल्ड बैंक की कमान संभालने के लिए सबसे ज्यादा योग्य

बाइडेन ने कहा कि अजय ने ग्लोबल कंपनियों के निर्माण और मैनेजमेंट में तीन दशक से अधिक समय बिताया है। ये वे कंपनियां हैं, जिन्होंने अर्थव्यवस्था के साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया है। साथ ही कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण में अजय वर्ल्ड बैंक की कमान संभालने के लिए सबसे ज्यादा योग्य हैं। वहीं अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अजय के पास क्लाइमेट चेंज की चुनौती पर काम करने का अच्छा अनुभव है। ये ऐसे अनुभव और प्राथमिकताएं हैं जो वर्ल्ड बैंक के लिए में आने वाले सालों में उनके काम का मार्गदर्शन करेंगे।

निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए एशियाई देशों में अडानी समूह करने जा रही फिक्स्ड इनकम रोड शो

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। अडानी समूह अगले हफ्ते फिक्स्ड इनकम इंवेस्टर्स रोडशो करने जा रही है। हिंडनबर्ग रिसर्च के अडानी समूह के स्टॉक्स में शॉर्ट करने के रिपोर्ट के बाद से ही समूह की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों के भाव औंधे मुंह गिरते जा रहे हैं। तो बॉन्ड भी क्रैश कर गया है। ऐसे में निवेशकों का भरोसा जीतने और समूह की छवि को पहुंचे नुकसान की भरपाई करने के लिए एशियाई देशों में ये रोड शो किया जा रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अडानी समूह 27 फरवरी को सबसे पहले सिंगापुर में रोडशो करेगी। उसके बाद 28 फरवरी और एक मार्च को हांग कांग में ये रोड शो आयोजित किया जाएगा। इस रोडशो में समूह के चीफ फाइनैंशिएल ऑफिसर जुगेशिंदर सिंह और कॉरपोरेट फाइनैंस हेड अनुपम मिश्रा हिस्सा लेंगे। इस रोडशो में हिस्सा लेने के लिए बार्कलेज पीएलसी, बीएनपी पारिबास एसए। डौचे बैंक एजी, एमिरेट्स एनबीडी कैपिटल, आईएनजी ग्रुप एनवी, स्टैंडर्ड चार्टेड बैंक समेत कई दिग्गज वित्तीय संस्थाओं ने संभावित निवेशकों को इस रोडशो में शिरकत करने के लिए न्यौता भेजा है।

अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 8 में गिरावट

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद से ग्रुप का मार्केट कैप 61.6% गिरा, सेंसेक्स 141 अंक गिरकर बंद

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (24 फरवरी 23) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 141 अंक गिरकर 59,463 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 45 अंक टूटकर 17,465 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में गिरावट और 14 में तेजी रही।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 5.11% गिरा

अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 8 में गिरावट रही। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 5.11% गिरा। इसके अलावा अडाणी ट्रांसमिशन, पावर, टोटल गैस और ग्रीन एनर्जी में 5-5% की गिरावट रही। वहीं एनडीटीवी में 4.22%, अडाणी विल्मर में 2.22% और एसीसी में 0.032% की गिरावट देखने को मिली। सिर्फ अडाणी पोर्ट्स में 1.44% और अंबुजा सीमेंट में 2.26% की तेजी रही। अडाणी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को, एम एंड एम, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एलटी और आयशर मोटर्स समेत निफ्टी-50 के 26 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। ओएनजीसी, अडाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, डिविस लैब, अपोलो हॉस्पिटल, कोल इंडिया और बजाज फिनसर्व समेत निफ्टी के 24 शेयरों में तेजी रही। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 10 में गिरावट देखने को मिली। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 3% की गिरावट रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज,एफएमसीजी, आईटी, मीडिया, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली। सिर्फ फार्मा सेक्टर में मामूली तेजी रही।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद से ग्रुप का मार्केट कैप 61.6% गिरा

अडाणी ग्रुप को लेकर 24 जनवरी को हिंडरबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से ग्रुप का मार्केट कैप 61.6% या 11.8 लाख करोड़ रुपए घटकर अब 7.4 लाख करोड़ रुपए हो गया है। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ग्रुप के सात शेयर 85% से जायादा ओवरवैल्यूड है। ग्रुप के शेयरों में अडाणी टोटल गैस का शेयर सबसे ज्यादा टूटा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क की जरूरत

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की गुरुवार को वकालत की। इसके साथ ही उन्होंने ऋण की वैश्विक कमजोरियों को दूर करने और बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने की भी बात की।

वित्त मंत्री सीतारामन जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक्स के गवर्नरों की पहली बैठक में हिस्सा लेने के लिए बेंगलुरू में हैं। दो दिनों तक चलने वाली यह बैठक शुक्रवार को शुरू होने वाली है। इससे पहले वित्त मंत्री ने जी-20 के सदस्य देशों ब्रिटेन, जापान, इटली और स्पेन के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। इसी दौरान उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी समेत अन्य मुद्दों को उठाया। सीतारामन इस तरह की 10 बैठकें करने वाली हैं। जी-20 विकसित और विकासशील देशों का एक समूह है। अभी जी-20 देशों के वित्त मंत्री और सभी देशों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर बैठक के सिलसिले में बेंगलुरू में हैं। भारत की ओर से इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन के साथ रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी हिस्सा ले रहे हैं।

इस कदर गंभीर है कर्ज संकट

ऐसी आशंका है कि अगर कर्ज की वैश्विक संकट पर गंभीरता से काम नहीं किया तो इसके परिणाम बुरे साबित हो सकते हैं। भारत महामारी और मौजूदा भू-राजनीतिक संकटों के कारण विकासशील देशों के सामने उपस्थित कर्ज की गंभीर संकट को दूर करने के तरीकों पर काफी समय से जोर दे रहा है।

अगर विकासशील देशों की इस समस्या पर काम नहीं किया गया तो इससे वैश्विक आर्थिक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और लाखों लोग भयंकर गरीबी की चपेट में जा सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने यूएस की ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन के साथ भी बैठक की। इस बैठक के दौरान क्रिप्टो एसेट्स से जुड़े मुद्दे, बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत बनाने के तरीकों और वैश्विक कर्ज संकट को लेकर चर्चा हुई।

इन मुद्दों पर हो सकती है बात

वित्त मंत्री ने पिछले महीने ग्लोबल साउथ समिट के मिनिस्ट्रियल सेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत जी-20 की बैठक के दौरान ग्लोबल साउथ के विकास के मुद्दों को उठाएगा। भारत ने यह भी कहा था कि फर्स्ट वर्ल्ड और थर्ड वर्ल्ड नहीं बल्कि वनली वन वर्ल्ड की जरूरत है, क्योंकि सबका भविष्य साझा है।

एलन मस्क ने तोड़ा वादा,ट्विटर में एक बार फिर हुई छंटनी?

निकाल दिए गए हजारों कर्मचारी

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क ने एक बार फिर ट्विटर में छंटनी की है। कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। अपने किए हुए वादे के बावजूद दुनिया के दूसरे नंबर में अरबपति और ट्विटर के सीईओ ने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। द वर्ज की रिपोर्ट में कहा गया है कि नंवबर 2022 के बाद ज्यादा संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। पिछले हफ्ते के दौरान टेक साइट द इंफार्मेशन ने सबसे पहले जानकारी दी थी कि एलन मस्क ने इंजिनियरिंग और सेल्स डिपार्टमेंट से कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था, यह नवंबर के बाद ट्विटर में तीसरे राउंड की छंटनी थी।

कितने कर्मचारियों की हुई छंटनी

17 फरवरी को द इंफार्मेशन की रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्विटर अपने सेल्स विभाग से कर्मचारियों की छंटनी किया है। हालांकि कितने कर्मचारियों की छंटनी किया था, ये कंफर्म नहीं था। वहीं दूसरी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्विटर के 2000 कुल कर्मचारियों में से 800 कर्मचारियों की छंटनी जनवरी के अंत में हुई है।

एलन मस्क ने तोड़ा वादा

एलन मस्क के ट्विटर को खरीदने के बाद हजारों कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है। पहली छंटनी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि अब और कर्मचारियों की छंटनी नहीं की जाएगी, लेकिन इसके बाद से कई बार कर्मचारियों को निकाला गया है। ट्विटर से निकाले गए कुछ कर्मचारियों ने ट्वीट कर मस्क के सेल्स टीम पर इस रवैया से नाखुश हैं।

एलन मस्क ट्विटर पर बेहतर विज्ञापन लाना चाहते हैं, जिस कारण वह कर्मचारियों के साथ तीखा रवैया अपना रहे हैं। एक कर्मचारी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ट्विटर अपने विज्ञापन में 2 से 3 महीने में सुधार कर सकती है, न कि 1 हफ्ते में, जो एलन मस्क की समय सीमा थी।

ब्रिटेन के सुपरमार्केट नहीं दे रहे तीन से ज्यादा टमाटर-मिर्ची

बाजार से क्यों गायब हो रही फल-सब्जी?

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में आम लोगों की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। लोग महंगाई से पहले ही परेशान थे कि अब देश में खाद्य संकट हो गया। हालात यहां तक आ गए हैं कि देश के सबसे बड़े सुपरमार्केट, टेस्को, एस्डा, एल्डि और मॉरिसन ने कुछ फलों और सब्जियों की बिक्री सीमित कर दी है। गुरुवार को एक बयान में कहा गया कि कमी की यह स्थिति एक महीने तक बनी रह सकती है। आइये जानते हैं ब्रिटेन में खाद्य संकट क्या है? फल-सब्जी के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों का भी संकट है क्या? इसकी वजह क्या है? सरकार क्या कर रही है? इस संकट से कैसे उबरेगा ब्रिटेन?

खाद्य संकट क्या है?

महंगाई की मार झेल रहे ब्रिटेन में लोगों को अब खाद्य संकट का सामना करना पड़ रहा है। यहां के सबसे बड़े सुपरमार्केट, टेस्को और डिस्काउंटर एल्डि द्वारा जारी किए गए बयानों के मुताबिक, वो प्रत्येक ग्राहक को मात्र तीन टमाटर, मिर्च और खीरे की बिक्री पर कर पाएंगे। एस्डा ने टमाटर, मिर्च और खीरे, सलाद पत्ते बैग, ब्रोकली, फूलगोभी आदि की बिक्री प्रति ग्राहक तीन कर दी है। एस्डा के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमने कुछ फलों और सब्जियों में प्रत्येक उत्पाद की तीन की एक अस्थायी सीमा तय की है, ताकि ग्राहक उन उत्पादों को खरीद सकें, जिनकी उन्हें जरूरत है। वहीं, मॉरिसन ने खीरे, टमाटर, सलाद पत्ते और मिर्च पर दो की सीमा तय की है। अन्य प्रमुख यूके सुपरमार्केट भी कमी की चपेट में आ गए हैं, लेकिन अभी तक ग्राहकों के लिए सीमाएं नहीं तय की हैं।

फल सब्जी के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों का भी संकट है क्या?

जानकारी के मुताबिक, खीरे, टमाटर और सलाद पत्ते सहित सलाद पत्ते की फसलें फिलहाल सबसे अधिक प्रभावित हैं। बैंगन और नींबू की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

ब्रिटेन में पाले ने सबसे ज्यादा गोभी और फूलगोभी के उत्पादन को नुकसान पहुंचाया है। लोग अंडे की कमी का भी सामना कर रहे हैं।

उत्पादकों को बढ़ती लागत और ब्रिटेन में एवियन इन्फ्लूएंजा के सबसे खराब प्रकोप के कारण अण्डों में कमी आई है। नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) का दावा है कि ब्रिटेन के अंडे का उत्पादन नौ वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। वहीं, यूके के अंडे पैक करने वालों ने 2019 की तुलना में 2022 में लगभग 1 बिलियन कम अंडे पैक किए। देश में आपूर्ति में कमी के कारण सेन्सबरी पिछले साल के अंत से इटली से अंडे आयात कर रहा है।यूके सरकार ने कहा है कि संकट काफी हद तक यूरोप और अफ्रीका में खराब मौसम के कारण हुआ है। व्यापार समूह ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम के मुताबिक, सर्दियों के महीनों में ब्रिटेन अपने टमाटर का लगभग 95 फीसदी और इसके सलाद पत्ते का 90 फीसदी आयात करता है।

वायदा बाजार में आज सोने में दर्ज की बढ़त

चांदी लाल निशान पर कर रहा कारोबार, जानें नए रेट्स

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। सोना और चांदी को एक महत्वपूर्ण कमोडिटी माना जाता है। आज भी लोग सोना-चांदी खरीदना बहुत पसंद करते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में लगातार 4 दिन तक सोने के रेट में गिरावट के बाद आज इसमें बढ़त दर्ज की जा रही है। आज सोना वायदा बाजार में हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसमें आज भी गिरावट देखी जा सकती है। शुक्रवार के दिन यानी 24 फरवरी, 2023 को सोने 55,707 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। वहीं 11:55 मिनट तक सोना 55,733 रुपये पर ही कारोबार पर करा है। गुरुवार के दिन की बात की जाए तो 24 कैरेट सोना 55,587 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

वहीं चांदी की बात की जाए तो इसमें आज गिरावट दर्ज की जा रही है। मार्केट खुलने के साथ ही चांदी 64,389 रुपये प्रति किलो के हिसाब से कारोबार कर रहा था। वहीं 11:55 मिनट तक इसमें और गिरावट देखी गई है और यह 64,280 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। कल चांदी 64,351 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

देश के प्रमुख शहरों में गोल्ड-सिल्वर प्राइस-

नई दिल्ली- 22 कैरेट सोना 51,950 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 68,300 रुपये प्रति किलोग्राम

मुंबई-22 कैरेट सोना 51,700 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 68,300 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता-22 कैरेट सोना 51,700 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 68,300 रुपये प्रति किलोग्राम

चेन्नई-22 कैरेट सोना 52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 70,900 रुपये प्रति किलोग्राम

अंतरराष्ट्रीय बाजार क्या है सोने-चांदी का हाल?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने के दाम में बढ़त दर्ज की जा रही है। आज सोना 0. 57 डॉलर की मजबूती के साथ 1,825. 78 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसमें 0.19 डॉलर प्रति औंस की कमी देखी गई है और यह 21. 32 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हरे और चांदी लील निशान के साथ कारोबार कर रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	05-57 बजे
चंद्र-	मेष	में	मीन...	07-38 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-14 बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	10-58 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	13-01 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	15-11 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-23 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-30 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	21-35 बजे
			वृश्चिक.	23-45 बजे
			धनु.....	01-59 बजे
			मकर..	04-09 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-बसंत दिशाशूल-पूर्व • अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **-00 -20** राततक उपरान्त, सप्तमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष, शनिवार **Feb 25**
नक्षत्र - भरणी- **03 -58** राततक तक उपरान्त कृत्तिका
योग - ब्रह्म - **17 - 16** - तक उप ऐन्द्र
करण- कौलव **-12 - 19** - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **होलाष्टक 27 से**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:34 से 11:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:40 - 08:06 अशुभ	लाभ	18:17 - 19:52 शुभ
शुभ.	08:06 - 09:34 शुभ	उत्पात	19:52 - 21:25 अशुभ
रोग	09:34 - 11:02 अशुभ	शुभ	21:25 - 22:57 शुभ
उत्पात	11:02 - 12:29 अशुभ	अमृत	22:57 - 00:29 शुभ
चंचल	12:29 - 13:57 शुभ	चंचल	00:29 - 02:01 शुभ
लाभ	13:57 - 15:25 शुभ	रोग	02:01 - 03:33 अशुभ
अमृत	15:25 - 16:52 शुभ	काल	03:33 - 05:06 अशुभ
काल	16:52 - 18:17 अशुभ	लाभ	05:06 - 06:40 शुभ

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो आ

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें। ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो। शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें। कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो

यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबंध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है। यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा

कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है। ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है। पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा। आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं। ऐसी स्थितियों से दूर रहें।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा। हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योंकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती। ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है। अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें। आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा। इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज सावधान रहें आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी। इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

तुला — स री रु रे से ता तू ते

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा। आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे। इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता। इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें। अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे, संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है। सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं। उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें। सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा। ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है। आपका करियर अब पूरी तरह से एक नए रूप में शोभित होगा।

मीन — ढी ढू ध ज्ञ ज दे दो घ घी

आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है, हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा, लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है। आपका लंबित कार्य जमा होता रहेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मंत्र-पूजा और भेड़ के प्रसाद के साथ लोसर सेलिब्रेशन

कोड वर्ड में भविष्यवाणी करते हैं तिब्बती धर्म गुरु

6वीं शताब्दी में हुई थी लोसर की शुरुआत

निर्वासित तिब्बत की भारत में अपनी सरकार है, जिसे तिब्बत गवर्नमेंट इन एक्साइल कहते हैं। भारत में एक लाख से ज्यादा तिब्बती हैं।

- तिब्बतियों के नए साल को लोसर कहा जाता है। इस दिन तिब्बतियों के धर्म गुरु भविष्यवाणी करते हैं। उसके हिसाब से सरकार की रणनीति बनती है।
- लोसर की शुरुआत 6वीं शताब्दी के दौरान तिब्बत में हुई। इसे कृषि महोत्सव के रूप में जाना जाता था। बाद में इसे नए साल के रूप में मनाया जाने लगा।
- तिब्बती नया साल धार्मिक मान्यताओं पर आधारित होता है। हर साल इसकी तारीखें अलग-अलग होती हैं।
- इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतियन एस्ट्रोलॉजी, तिब्बतियन कैलेंडर जारी करता है। बौद्ध संवत की पहली तिथि से नए साल की शुरुआत होती है।

मैकलोडगंज, 24 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सैकड़ों पकवान और भोग। मक्खन से बने भेड़ का प्रसाद। मंत्रोच्चारण से पूरा हॉल गूंज रहा। लोग नृत्य कर रहे, झूम रहे हैं। ये तिब्बती हैं, जो अपना नया साल यानी लोसर मना रहे हैं। इसी दिन इनके धर्म गुरु यानी लामा भविष्यवाणी करने वाले हैं। ऐसी मान्यता है कि उन पर तिब्बतियों के देवता सवार हैं। आज वे जो कुछ कहेंगे, उसे कोई टाल नहीं सकता, तिब्बत की सरकार भी नहीं। आज के अंक में तिब्बतियों के न्यू ईयर यानी लोसर की कहानी की जानकारी दे रहे हैं। वक्त सुबह के 6 बजे। जगह हिमाचल प्रदेश का मैकलोडगंज। लोसर के तीसरे दिन की खास पूजा है। लो यानी नया और सर यानी साल। पूजा के बाद तिब्बतियों के धर्मगुरु भविष्यवाणी करेंगे। इसी भविष्यवाणी के आधार पर तिब्बती लोग अपनी सामाजिक और राजनीतिक रणनीति तैयार करेंगे। पूजा सुबह 7 बजे शुरू होनी है। गद्दे बिछाए जा चुके थे। नेचुंग मॉनेस्ट्री से लामा (तिब्बतियों के धर्म गुरु) और मॉन्क आ चुके थे। तरह-तरह के साज बज रहे थे। सिंहासन पर पीले रंग के सिल्क का कपड़ा बिछाया गया था। उसके सामने रखे टेबल पर चटक रंग के सिल्क का कपड़ा। उसके ऊपर छोटे-छोटे दो प्याले, जिनमें शराब भरी थी। ऊपर कुछ दाने डाले गए थे। पहली पंगत में सिंहासन पर नेचुंग यानी तिब्बतियों के देवता बैठे थे। उसके बाद तीन बड़े धर्म गुरु और साज बजाने वाले विराजमान थे। लगातार मंत्रोच्चारण हो रहा था। बीच में ढोल की धीमी थाप दी जाती थी। तकरीबन 6 फीट लंबे नगाड़े बजाए जा रहे थे। यह सिलसिला 7 बजे से लेकर 9.30 बजे तक चला। एक घंटे के बाद डेजी और चाय पहले लामा और मॉन्क को दी गई।

फिर दूसरे लोगों को। डेजी एक तरह का प्रसाद है, जो मेवे, चावल, चीनी और मक्खन से बना होता है। इसका स्वाद लाजवाब था। डेजी और चाय के बाद फिर से मंत्रोच्चारण की शुरुआत हुई।

अब धर्म गुरु तरह-तरह की भाव-भंगिमा बनाते हैं। डमरू बजाते हैं। लामा और मॉन्क उनकी तरफ चावल फेंकते हैं। इस भाव-भंगिमा को आम इंसान नहीं समझ सकता। ये उनका कोर्ड वर्ड है, जिसे गिने-चुने लामा ही समझ सकते हैं। इसी कोर्ड वर्ड के जरिए वे नए साल की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल तिब्बतियों के धर्मरक्षक देवता नेचुंग हैं। तिब्बतियों का ऐसा मानना है कि इस दिन नेचुंग धर्म गुरु के शरीर में प्रवेश करते हैं। वे ही धर्म गुरु के जरिए ये बताते हैं कि आने वाले साल में क्या-क्या दिक्कतें रहेंगी और उनसे बचने के लिए क्या उपाय करने होंगे। इस प्रोसेस को नेचुंग ऑरैक्ल मीडियम कहा जाता है। सामने कुछ सीढ़ियां ऊपर चढ़कर तीन छोटे छोटे मंदिर हैं। इनमें एक मंदिर नेचुंग देवता का है। उनकी लाल रंग की मूर्ति है, जिसके मुकुट में इंसानी खोपड़ियां लगी हैं। मंदिर के बाहर भी खोपड़ियों जैसी आकृति बनी है। जैसे हिंदुओं में भगवान को फूलों की माला चढ़ाई जाती है। वैसे ही इनके गॉड को सफेद चुन्नी चढ़ाई गई है। नेचुंग के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में तिब्बती समाज के लोग जुटे हैं। वे उनसे आशीर्वाद मांग रहे हैं। इस मंदिर के बगल में खारोवो खामसुम जिलॉन देवता और एक देवी का मंदिर है। इन तीन मंदिरों से कुछ सीढ़ियां उतर कर दोनों ओर छोटी-छोटी मीनारनुमा आकृति बनी हैं, जिसमें धूणा जल रहा है। तिब्बती इसमें हरे रंग का कुछ डालते हैं, फिर तेल और सत्तू डालते हैं। पूरे वातावरण में खुशबू फैली है। इसका धुआं जरा सा भी आंखों में नहीं लग रहा। करीब 9.30 बजे मंत्रोच्चारण खत्म होता है। सभी लामाओं और मॉन्क के हाथ में भभूत जैसी कोई चीज दी जाती है। वे खड़े होकर इस भभूत को नेचुंग देवता की तरफ उड़ा देते हैं। इसके बाद तिब्बती झूमने लगते हैं। इनमें बच्चे, बुजुर्ग, अमीर-गरीब सब शामिल हैं।

तीसरे दिन पूजा खत्म होने के बाद पारंपरिक कपड़ों में नृत्य करती हुई महिलाएं। महिलाएं पारंपरिक पोषाक में हैं। उनके कपड़ों की मैचिंग और डांस की स्टेप्स की ट्यूनिंग गजब की है। एक स्टेप भी इधर-उधर नहीं है।

दलाई लामा के हिंदी ट्रांसलेटर कैलाश चंद्र बौद्ध लोसर त्योहार के बारे में समझाते हैं। वे बताते हैं, 'लोसर से दो दिन पहले यानी साल के आखिरी सेकेंड लास्ट डे को नीशू- गू मनाया जाता है। इस दिन गुठुक नाम का पकवान बनता है। गु यानी नौ और ठुक यानी व्यंजन। यह 9 तरह के खास व्यंजनों का बना होता है। पूजा बाद परिवार के लोग साथ मिलकर गुठुक खाते हैं। गुठुक के अंदर कागज डालकर कुछ शब्द लिखे जाते हैं। गुठुक खाते वक्त कागज को खोला जाता है। अगर किसी के हिस्से में तलवार, चाकू जैसे शब्द लिखे मिलते हैं, तो माना जाता है कि आने वाला साल उसके लिए सही नहीं रहने वाला है। उससे बचने के लिए वह तांत्रिकों की मदद लेता है। वहीं अगर किसी के हिस्से पूजा सामग्री, शंख जैसे शब्द लिखे मिलते हैं, तो उसे काफी शुभ माना जाता है। अगले दिन घर की साफ-सफाई की जाती है।

जैसे दिवाली के दिन लोग अपने घर की सफाई करते हैं। उसी तरह रौनक भी होती है। लाइटस लगाई जाती हैं। ढेर सारी खरीदारी की जाती है। इसके बाद नए साल यानी लोसर की शुरुआत होती है। लोसर तीन दिनों का त्योहार होता है। पहले दिन को लामा लोसर कहा जाता है। इस दिन तिब्बती लोग घरों में ही पूजा करते हैं। वे किसी से बात नहीं करते ना ही कहीं जाते हैं। यहां तक कि अपने घरवालों से भी बात नहीं करते। दूसरे दिन को गालपो लोसर कहा जाता है। पहले तिब्बत में रिवाज था कि इस दिन प्रजा, राजा के दरबार में जाकर उन्हें मुबारकबाद देगी। प्रशासनिक अधिकारी राजा के दरबार में जाकर सलामी देंगे, लेकिन अब ना राजा है ना प्रजा। इसलिए तिब्बती लोग दोस्तों और रिश्तेदारों को खाने पर बुलाते हैं और खुद भी दूसरों के घर जाते हैं। विदा होते वक्त एक-दूसरे को उपहार देते हैं। लोसर का तीसरा दिन सबसे खास होता है। इसे छोई-क्योंग कहते हैं। छोई यानी धर्म, क्योंग यानी रक्षक। इसे धर्मपालक पूजा भी कहते हैं। इस दिन लहागेलरी में तिब्बत के लोग जुटते हैं। ऐसा कहा जाता है कि कुछ बड़े लामाओं पर नेचुंग देवता आते हैं। इन्हें सरकारी देवता भी कहा जाता है। लामा कोड भाषा में तिब्बत सरकार के लिए भविष्यवाणी करते हैं। उस कोड भाषा को विशेषज्ञ ट्रांसलेट करके प्रशासनिक अधिकारियों और दलाई लामा को बताते हैं। उसी अनुसार तिब्बत सरकार पूरे साल की रणनीति बनाती है, जो पूरी दुनिया के तिब्बती मानते हैं।

यहां से थोड़ी दूर पर बुद्ध विहार तिब्बतियों का खास मंदिर है। यहां महात्मा बुद्ध की मूर्ति है। सामने पानी से भरे बाउल रखे हैं। कुछ खाने-पीने का सामान भी है। उसके नीचे एक सिंहासन है, जिस पर दलाई लामा विराजमान होते हैं। जब भी उन्हें किसी सभा को संबोधित करना होता है या कोई बयान देना होता है, तो वे इसी सिंहासन पर बैठते हैं। एक मंच पर बहुत सारे भोग रखे हैं। दूर से देखने पर लगता है कि संगमरमर की तराशी गई कोई आकृति है, लेकिन पास जाने पर पता चलता है कि ये आकृतियां मक्खन से बनी हैं। एक तिब्बती बताते हैं कि हमारे यहां मक्खन को पवित्र माना जाता है। लोसर के पकवान और भोग मक्खन में ही बनाए जाते हैं।

इस भोग में एक और अहम चीज है, वो है मक्खन से बनी भेड़। इसे अपनी भाषा में ये लोग लुकगो कहते हैं। तिब्बत में असली भेड़ का सिर भोग में रखा जाता है, लेकिन यहां मक्खन से बनी भेड़ प्रतीकात्मक रूप में रखी जाती है। इसकी एक वजह है कि तिब्बती समाज में भेड़ की बहुत अहमियत होती है। जिससे ऊन, दूध, मांस, पैसा सब मिलता है। इसलिए भोग में भगवान को भेड़ चढ़ाई जाती है। भेड़ एक प्रकार से परिवार में खुशहाली का संकेत है।

इस मंच के पीछे मशहूर बौद्ध तांत्रिक आचार्य पद्मासन की मूर्ति है। माना जाता है कि इन्होंने ही तिब्बत को तंत्र ज्ञान दिया था। उनके आगे पानी से भरे बाउल रखे हुए हैं। दीप जल रहे हैं। तरह-तरह की आकृतियां उनके आसपास रखी हैं। इनके दूर से ही दर्शन करने होते हैं। कोई छू नहीं सकता।

ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, 11 की मौत

> सीएम भूपेश ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख
> घायलों को 1-1 लाख देने की घोषणा की

बलौदाबाजार, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार देर रात ट्रक और पिकअप की भिड़ंत में 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 15 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सभी एक ही परिवार के थे और पारिवारिक काम से खिलोरा से अर्जुनी गांव आए हुए थे। मृतकों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। जिनकी उम्र 12 से 13 साल की थी। सीएम भूपेश बघेल ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं प्रधानमंत्री राहत कोष से सभी मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

सीएम भूपेश बघेल ने भी हादसे में मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए और घायलों को एक-एक लाख रूपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घायलों के बेहतर इलाज कराने और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए अफसरों को निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार के खिलोरा से साहू परिवार के सदस्य पिकअप में सवार होकर अर्जुनी गए थे। देर रात वे वापस लौट रहे थे, तभी खमरिया में डीपीएस स्कूल के पास उनकी पिकअप को ट्रक ने टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। मृतकों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को जिला अस्पताल के अलावा आसपास के अन्य हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। वहीं गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को रायपुर रेफर किया गया है। हादसे में 7 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं 4 लोगों की बलौदाबाजार जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 10 घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू का काम शुरू किया। ट्रक जब्त कर थाना लाते समय कुकुरडी बाइपास के पास उसमें भीषण आग लग गई, जिसकी सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। पिकअप वाहन में 22 से अधिक लोग सवार थे। ट्रक दाल से भरा था।

सीएम भूपेश ने सड़क हादसे पर दुख जताया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, सोहन साहू की बेटी की शादी पिछले दिनों हुई थी। 22 फरवरी को चौथिया कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए ग्राम खिलोरा से अर्जुनी कुछ रिश्तेदार और दूसरे समाज के परिचित भी गए हुए थे।

यहां बुधवार को हुए कार्यक्रम के बाद गुरुवार रात 22 से ज्यादा लोग सफेद रंग की पिकअप (क्रमांक CG 11 AH 9979) में सवार होकर वापस ग्राम खिलोरा लौट रहे थे। तभी रात के करीब 10.30 बजे भाटापारा की ओर से आ रहे ट्रक क्रमांक CG 04 MC 4427 के ड्राइवर ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप में सवार 11 लोगों की मौत हुई है।

नहीं होंगे कांग्रेस संगठन के चुनाव

महाधिवेशन के पहले दिन स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में बड़ा फैसला, अध्यक्ष को मनोनयन का अधिकार

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कांग्रेस का 85वां महाधिवेशन जारी है। यहां पहले दिन स्टीयरिंग कमेटी की बैठक हुई है। बैठक के बाद कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि सीडब्ल्यूसी यानि कांग्रेस वर्किंग कमेटी के चुनाव नहीं कराने का निर्णय लिया गया है। कांग्रेस संगठन में पदों के मनोनयन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि इस महाधिवेशन में पार्टी संविधान के 16 प्रावधानों और 32 नियमों में संशोधन किया जाएगा।

जयराम रमेश ने स्टीयरिंग कमेटी की बैठक के बाद पूरे महाधिवेशन को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम को सब्जेक्ट कमेटी की बैठक होगी। बैठक में 6 प्रस्तावों पर चर्चा होगी। उस पर विचार होगा। उसको मंजूरी दी जाएगी। फिर 25 और 26 इन विषयों पर चर्चा होगी। 25 फरवरी को सुबह 10.30 बजे प्रीलिमिनरी सेशन को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संबोधित करेंगे। इसके बाद 11 या 11.15 बजे पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को सेशन को संबोधित करेंगी।

25 फरवरी को सोनिया गांधी के भाषण के बाद तीन प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। जिसमें राजनीतिक, विदेशी और आर्थिक मामलों से जुड़े प्रस्ताव पर चर्चा होगी। 26 जनवरी को कृषि, युवा शिक्षा और रोजगार, सामाजिक न्याय प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके बाद 26 जनवरी को ही सुबह 10.30 बजे राहुल गांधी गांधी प्रीलिमिनरी सेशन को संबोधित करेंगे। 2 बजे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का अंतिम भाषण होगा। फिर 3 बजे जनसभा होगी। जिसे राहुल संबोधित करेंगे। राहुल के साथ उस पब्लिक रैली को सोनिया गांधी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी संबोधित करेंगे।

इस वजह से चुनाव नहीं कराने का फैसला

पत्रकारों से चर्चा करते हुए जयराम रमेश ने कहा है कि आज स्टीयरिंग कमेटी की बैठक हुई है। सभी सदस्यों ने अपनी राय रखी है। सर्व सम्मति से फैसला लिया गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष को यह अधिकार दिया जाए कि वह कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों को मनोनीत करें। एक तो जो राजनीति हालात देश में हैं। उसकी एक मिसाल कल देखने को मिली है। राजनीतिक चुनौतियां हैं, देश के सामने और विपक्ष की पार्टी होने के नाते, देश की स्थिति के कारण ये फैसला लिया गया है। ये फैसला सर्व सम्मति से लिया गया है। उन्होंने कहा कि आम सहमति से नहीं। सर्व सम्मति से ये फैसला लिया गया है। हमारी पार्टी के संविधान में बड़े महत्वपूर्ण संशोधन का प्रस्ताव है। इस पर भी विचार होगा प्रीलिमिनरी सेशन में। मुझे विश्वास है कि जो हमारे पार्टी के संविधान में संशोधन का प्रस्ताव है। करीब 16 प्रावधानों में संशोधन किया जा रहा है। 32 नियमों में संशोधन का प्रस्ताव है। आज उस पर भी विचार हुआ है। सब्जेक्ट कमेटी में विचार होगा। प्रीलिमिनरी सेशन में इस विषय पर विचार होगा।

इन वर्गों को मिलेगा प्रतिनिधित्व

रमेश ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण संशोधन है वह यह है कांग्रेस वर्किंग कमेटी में दलित, युवाओं, महिलाओं, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, ओबीसी का प्रतिनिधित्व मिले। ये हमारे पार्टी के संशोधन में सुनिश्चित किया जा रहा है। इन सब विषयों पर सब्जेक्ट कमेटी में फैसला भी होगा। हमें पूरा विश्वास है कि ये संशोधन आएंगे। सब्जेक्ट कमेटी प्रस्तावों को मंजूरी देगी।

रमेश ने कहा कि हम 2 महत्वपूर्ण कारण, उसमें एक जो आज हमारे देश के सामने राजनीतिक चुनौती है वो।

जिंदा जलकर 2 ट्रक ड्राइवरों की मौत

कोरबा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा जिले के रिसदी-उरगा बाइपास मार्ग पर झगरहा के पास गुरुवार देर रात दो ट्रकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई।

हादसे के बाद दोनों ही ट्रकों में भीषण आग लग गई, जिसके कारण दोनों ट्रक के ड्राइवरों की जिंदा जलकर मौत हो गई। दुर्घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई। शुक्रवार सुबह आग पर काबू पाया जा सका। हादसे की सूचना लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी। जिसके बाद तुरंत मौके पर दमकलकर्मी और पुलिस पहुंची। 11 हजार केवी की बिजली लाइन को भी बंद कराया गया। नगर सेना, बालको और सीएसईबी की दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

झारखंड सीएम के सुरक्षा प्रभारी को ईडी का समन, 28 को होगी पूछताछ

रांची, 24 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में सत्ता से लेकर ब्यूरोक्रेसी के गलियारे में ऊंची पहुंच रखने वाले ठेकेदार-कारोबारी प्रेम प्रकाश के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी में दो ए.के. 47 राइफलों और 60 कारतूस की बरामदगी के मामले में अब सीएम हेमंत सोरेन के सुरक्षा प्रभारी डीएसपी विमल कुमार से पूछताछ होगी। ईडी ने उन्हें नोटिस जारी कर आगामी 28 फरवरी को हाजिर होने को कहा है। बता दें कि प्रेम प्रकाश के ठिकाने से बीते अगस्त महीने में बरामद रायफलें दो पुलिस जवानों के थे। ये दोनों सीएम सिक्योरिटी में तैनात थे, लेकिन उन्होंने अपने हथियार ठेकेदार के घर छोड़ रखे थे। ठेकेदार प्रेम प्रकाश को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जेल में है। अब इसी प्रकरण में सीएम के सिक्योरिटी इंचार्ज से पूछताछ होगी।

इस मामले में रांची पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया था कि 23 अगस्त को बारिश में फंस जाने की वजह से जवानों ने प्रेम प्रकाश के मकान में एक अलमारी में हथियार और कारतूस रख दिये थे। प्रेम प्रकाश का स्टाफ जवानों का परिचित है, इसलिए दोनों रात में अपने हथियार वहां छोड़कर चले गये थे। अगले दिन जब वे वापस वहां हथियार लेने पहुंचे तो पता चला कि ईडी की छापामारी चल रही है। रांची पुलिस ने प्रेम प्रकाश के घर हथियार रखने वाले जवानों को सस्पेंड कर दिया था।

जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार, काम पूरा किए बिना करोड़ों का भुगतान

पुराने पाइप लाइन दिखाकर गोलमाल, पेंटिंग के नाम पर लाखों के वारे-न्यारे

जांजगीर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। ग्रामीणों की शिकायत पर आरटीआई कार्यकर्ता ने सूचना के अधिकार के तहत पीएचई कार्यालय से जानकारी निकाली और भैसमुड़ी, दहिदा और करां गांव में हालात का जायजा लिया।

पुरानी पानी टंकी को रंगाई कर नया बनाने के लिए बिल और पुराने पाइप लाइन को दिखाकर काम पूरा किए बिना ही करोड़ों रुपये के भुगतान होने का मामला उजागर हुआ। इस मामले में नागरिक मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एसडीएम जांजगीर को ज्ञापन भी सौंपा है और भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदार के खिलाफ जांच की मांग की है।

जांजगीर जिले के लगभग सभी गांव में 'जल जीवन मिशन' के तहत हो रहे कार्यों में घोर अनियमितता बरती जा रही है। ठेकेदारों के द्वारा निर्धारित मापदंड के विरुद्ध काम किया जा रहा है।ठेकेदारों की लापरवाही और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कोई अधिकारी तैयार नहीं है। निर्माण कार्य के दौरान ना तो फील्ड पर कोई अधिकारी रहते हैं और ना शिकायत के बाद कोई जांच की जाती है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि निर्माण कार्य के पहले ही ठेकेदारों को भुगतान कर दिया जा रहा है।

सूचना के अधिकार से मिली जानकारी, करोडों का हुआ घोटाला

आरटीआई कार्यकर्ता समर्थ सिंह ने बताया कि ग्राम दहिदा में तय योजना के विरुद्ध काम करते हुए केवल 250-300 मीटर तक ही पाइप लाइन बिछाई गई है और गांव में पहले से बिछाए गए पाइप लाइन को नया बताया जा रहा है। ग्राम दहिदा, करां और भैंसमुड़ी को लेकर आरटीआई से प्राप्त जानकारी में चौंकाने वाली जानकारी प्राप्त हुई है। किसी गांव में छोटे से पम्प हाउस के लिए 10 लाख के ईंट लगाए जाने की जानकारी मिली, तो कहीं पर पेंटिंग के नाम पर लाखों के वारे-न्यारे हुए हैं। भैंसमुड़ी में आज तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है, जबकि अक्टूबर 2022 में निर्माण पूरा बताकर राशि निकाल ली गई है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी ने बाइडेन को बराक ओबामा कहा

तुरंत गलती सुधारी और कहा- माफ कीजिएगा...

वॉशिंगटन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैराइन जीन-पियरे की एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जुबान फिसल गई। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन को गलती से प्रेसिडेंट ओबामा कह दिया। 2008 में कैराइन ने राष्ट्रपति बराक ओबामा के इलेक्शन कैंपेन में अहम भूमिका निभाई थी।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मास्टरकार्ड के पूर्व सीईओ अजय बंगा को वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट के तौर पर नॉमिनेट किया है। इस बारे में चर्चा करते समय कैराइन ने प्रेसिडेंट जो बाइडेन की बजाय पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का नाम ले लिया। हालांकि, उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी और माफी भी मांगी।

विस्तार से समझिए क्या हुआ...

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैराइन जीन-पियरे मीडिया से बातचीत कर रही थीं। वो वर्ल्ड बैंक से जुड़ी जानकारी शेयर कर रही थीं, तभी उनकी जुबान फिसल गई। उन्होंने कहा- जैसा की आप जानते हैं कि कुछ देर पहले ही प्रेसिडेंट ओबामा ने...ओह! माफी चाहूंगी, प्रेसिडेंट बाइडेन ने वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट के लिए मास्टरकार्ड के पूर्व सीईओ अजय बंगा को नॉमिनेट किया है। अब कैराइन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

बाइडेन की भी फिसली थी जुबान, दिवंगत नेता को पुकारा था

प्रेसिडेंड बाइडेन व्हाइट हाउस में भूख, पोषण और सेहत से जुड़े एक बिल पर मीडिया से बात कर रहे थे। स्पीच खत्म करने से पहले बाइडेन तमाम सांसदों का शुक्रिया अदा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जैकी वालोस्की का नाम भी लिया। कहा- इस बिल को तैयार करने में सहयोग देने के लिए मैं हमारे सीनेटर मिस्टर बारुन, सीनेटर बुकर और जैकी को धन्यवाद देना चाहता हूं। जैकी आप कहां हैं? आखिर आप कहां हैं जैकी? बोलने के बाद अचानक बाइडेन को याद आया कि जैकी का तो कुछ वक्त पहले निधन हो चुका है। वो कुछ पल रुके और फिर बोले- मुझे लगता है कि वो आज भी हमारे बीच इस सपने को पूरा करने के लिए मौजूद हैं।

ग्रैमी अवॉर्ड विनर ब्रैड का रूस-यूक्रेन पर एल्बम

एक गाने में यूक्रेनी प्रेसिडेंट जेलेंस्की की भी आवाज, कमाई बेघरों को दान करेंगे

कीव, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर ब्रैड पैसली ने रूस-यूक्रेन जंग का एक साल पूरा होने पर नया गाना रिलीज किया। इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की भी आवाज है। गाने का वीडियो फिलहाल रिलीज नहीं किया गया है।

इस गाने का नाम 'सेम हियर' है। इसके आखिर में ब्रैड पैसली और जेलेंस्की की बातचीत का एक हिस्सा भी है। इसमें जेलेंस्की बता रहे हैं कि उन्हें अपने देश पर कितना गर्व है। वो आजादी की बात कर रहे हैं। साथ ही वो यूक्रेनी नागरिकों के साहस और जज्बे के बारे में भी बोल रहे हैं।

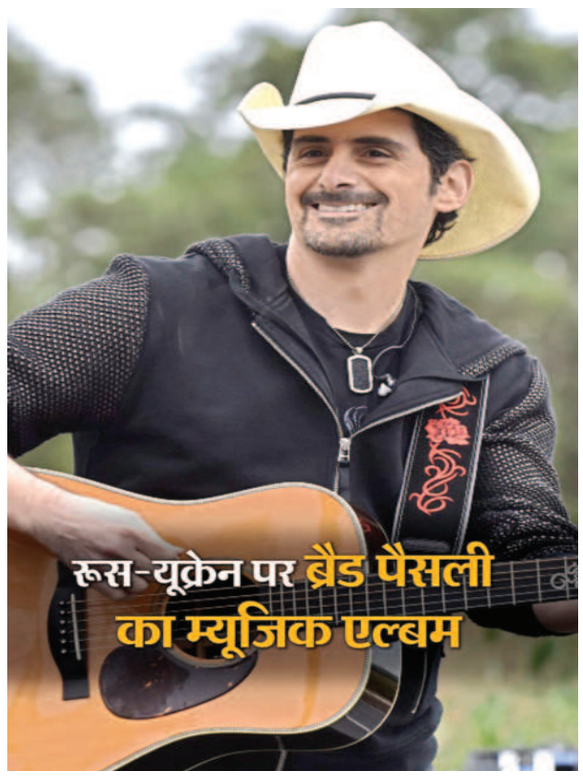

एक साल पहले मैं हैल्पलैस था : पैसली

'सेम हियर' पैसली के नए एल्बम 'सन ऑफ द माउंटेन्स' का एक गाना है। एल्बम साल के आखिर तक रिलीज होगा। ब्रैड ने कहा- एक साल पहले जब मैंने खबरों में हमले और तबाही देखी तो मुझे हेल्पलैस महसूस हुआ। दुनिया एक ऐसा मुकाम पर आ गई, जहां पहले कभी नहीं थी और मैं कुछ नहीं कर पा रहा था।

उन्होंने आगे कहा- हम सब एक हैं। हम लोगों में कोई फर्क नहीं है। हम भले ही अलग देश में रहते हों, हमारी भाषा दूसरी हो लेकिन हम लोगों में बहुत समानताएं हैं।

जेलेंस्की को दिल जीतना आता है : पैसली

ब्रैड उन सेलिब्रिटीज में से हैं, जो यूक्रेन की मदद के लिए फंड जमा कर रहे हैं। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति बनने से पहले जेलेंस्की कॉमेडियन रह चुके हैं। उन्हें लोगों का दिल जीतना आता है। वो लोगों तक मन की बात पहुंचाने की कला जानते हैं, लेकिन हमने सोचा इन बातों को किसी धुन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाए। पैसली ने कहा- इस गाने से हुई कमाई को हम यूक्रेन में बेघर हुए लोगों की मदद के लिए देंगे।

यूरोप से ऑस्ट्रेलिया तक यूक्रेन का सपोर्ट

जेलेंस्की ने कहा- 2023 में हमारी जीत होगी; बाइडेन बोले- पुतिन ने यूक्रेन की बहादुरी देखी

कीव, 24 फरवरी (एजेंसियां)। जंग का एक साल पूरा होने के आखिरी दिन यानी गुरुवार को ब्रिटेन की राजधानी लंदन, फ्रांस की राजधानी पेरिस और बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में प्रदर्शन हुए। रूस-यूक्रेन जंग को आज एक साल पूरा हो गया है। इस मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ट्वीट कर कहा- जंग का एक साल दर्द, दुख, भरोसा और एकता दिखाता है। 2023 हमारी जीत का साल होगा। शुक्रवार सुबह जेलेंस्की ने देश को संबोधित भी किया। कहा- 24 फरवरी 2022 से हमारे जीवन के सबसे बड़े और कठिन दिन शुरू हुए। उस दिन हम बम के धमाकों की आवाज के साथ उठे थे और तब से जाग रहे हैं। रूस ने कहा था कि यूक्रेन 72 घंटे भी नहीं टिक पाएगा, लेकिन हम आज तक उनका सामना कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने आगे कहा- जंग की शुरुआत होने पर हम पीछे नहीं हटे। ये हमारी बहादुरी, जज्बे और विश्वास का सबूत है। हजारों लोगों ने देश की रक्षा में जान गंवाई है। मैं उन सभी को श्रद्धांजलि देता हूं। ये साल वीरता, उम्मीद, दर्द और एकता का साल था। हमने हार नहीं मानी और इस साल हम वो सब करेंगे जिससे हम जंग जीत सकें।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- नाटो अब और मजबूत

दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इस मौके पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा- पुतिन को लगा था कि वो बहुत आसानी से यूक्रेन पर कब्जा कर लेंगे। लेकिन इस एक साल में उन्होंने यूक्रेन की बहादुरी और दुनिया के बाकी देशों की ताकत को भी परख लिया है। पुतिन के नाटो को तोड़ने की कोशिशों के बावजूद हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुके हैं।

रूस का विरोध कर रहे कई ग्रुप्स ने दुनियाभर के 44 देशों के 100 से ज्यादा शहरों में 3 दिन तक जंग के विरोध में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। वहीं, जंग का एक साल पूरा होने के आखिरी दिन यानी गुरुवार को

ब्रिटेन की राजधानी लंदन, फ्रांस की राजधानी पेरिस और बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में प्रदर्शन हुए। दिल्ली में रूस-यूक्रेन जंग के एक साल पूरे होने पर यूरोपीय संघ के एंबेसडर, EU देशों के प्रतिनिधियों और यूक्रेन के प्रभारी इवान कोनोवलोव ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। यूएन जनरल असेंबली में गुरुवार देर रात यूक्रेन में शांति और रूसी सेना की वापसी को लेकर एक प्रस्ताव लाया गया। यह प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पास हुआ। 141 देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। वहीं सात देशों बेलारूस, नॉर्थ कोरिया, सीरिया, माली, रूस, इरीट्रिया और निकारागुआ ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट वोटिंग की।

भारत, चीन और पाकिस्तान सहित 32 देशों ने यूएन में इस प्रस्ताव पर वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। 11 पैराग्राफ के इस प्रस्ताव के पास होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्वीट किया कि यह यूक्रेन के लिए वैश्विक समर्थन का सबूत है। वहीं यूएन में रूस के एम्बेसेडर दिमित्री पोलांस्की ने इसे फालतू बताते हुए खारिज किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि प्रस्ताव शांति नहीं लाएगा, बल्कि इससे जंग भड़काने वालों को हौसला मिलेगा।

चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को 12 पॉइंट का एक पीस प्लान जारी किया। इसमें रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर की अपील की गई। दोनों देशों के बीच शांति वार्ता के साथ रूस पर लगाए गए पश्चिमी देशों के प्रतिबंध को खत्म करने को भी कहा गया। चीन ने कहा कि इस युद्ध में न्यूक्लियर हथियारों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। साथ ही दोनों देशों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करते हुए आम नागरिकों पर हमला नहीं करना चाहिए। चीन ने अपने पीस प्लान में कोल्ड वॉर की मानसिकता को खत्म करते हुए अमेरिका के दूसरे देशों के मामले में हस्तक्षेप न करने की भी मांग की।

भारत-अमेरिका ने जंग खत्म करने की अपील की

भारत और अमेरिका समेत तमाम देश पुतिन से जंग खत्म करने को कह चुके हैं। इजराइल और तुर्की ने मध्यस्थता की कोशिशें भी की थीं। मोदी ने पिछले साल उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुई एससीओ की मीटिंग के बाद मोदी ने पुतिन से कहा था- आज का युग युद्ध का नहीं है। इस पर पुतिन ने मोदी से कहा था- मैं यूक्रेन से जंग पर आपकी स्थिति और चिंताओं को जानता है। मैं भी चाहता हूं कि ये सिलसिला जल्द से जल्द रुके।

भारत में प्रेग्नेंसी के दौरान 24 हजार मौतें

ये दूसरी सबसे ज्यादा, दुनिया में हर 2 मिनट में 1 महिला की मौत

न्यूयार्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)।बीते 20 सालों में मातृ मृत्यु दर में एक तिहाई की गिरावट के बावजूद गर्भावस्था की परेशानियों से हर 2 मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की मौत के मामलों में साल 2000 से 2015 के बीच जबरदस्त गिरावट आई।

2016 से लेकर 2020 के बीच मृत्यु दर स्थिर रही। साल 2000 में एक लाख बच्चों के जन्म के दौरान 339 महिलाओं की मौत हो रही थी। 2020 में यह आंकड़ा घटकर 223 हो गया।

दुनिया भर में 2.87 लाख मातृत्व मौतें हुई

दुनिया भर में 2020 में 2.87 लाख मातृत्व मौतें हुईं, जो 2016 में 3.09 लाख से 7% ही कम हैं। भारत में 2020 में 24 हजार महिलाओं की मौत हुई। यह दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

2020 में सबसे ज्यादा 82 हजार मौतें नाईजीरिया में हुईं। अच्छी बात ये है कि 2000 से 2020 के बीच भारत में गर्भावस्था से जुड़ी मौतें 73.5% कम भी हुईं।

8 क्षेत्रों में से महज 2 में सुधार, सबसे ज्यादा बेलारूस में हुआ

बेलारूस में मातृ मृत्यु दर में रिकॉर्ड 95.5% की कमी आई। वहीं वेनेजुएला की हालत बेहद खराब है। 2016 और 2020 के बीच, मातृ मृत्यु दर संयुक्त राष्ट्र के 8 क्षेत्रों में से केवल दो में कम हुई जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 35% और मध्य-दक्षिण एशिया में 16% रही। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में दर 17% तक बढ़ी है।

अफ्रीका के उप सहारा में 2020 में मौतें 70% बढ़ीं

रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में लगभग 70 प्रतिशत मौतें उप-सहारा अफ्रीका में हुईं, जहां यह दर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की तुलना में 136 गुना अधिक है। अफगानिस्तान में, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, चाड, कांगो, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन के लोग गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं।

तुर्किये को पाकिस्तान ने धोखा दिया

पिछले साल तुर्किये ने पाक बाढ़ पीड़ितों को मदद भेजी थी, वही भूकंप पीड़ितों को भेज दी गई

अंकारा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पिछले दिनों कुछ राहत सामग्री तुर्किये भेजी थी। (फाइल)

दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने अपने करीबी मुस्लिम दोस्त तुर्किये के साथ बड़ा फरेब किया। हाल ही में पाकिस्तान सरकार ने तुर्किये के भूकंप पीड़ितों को कुछ मदद भेजी थी। खास बात यह है कि यह वही रिलीफ मटैरियल था जो पिछले साल पाकिस्तान में आई बाढ़ के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान भेजा था।

पाकिस्तान की इस हरकत का खुलासा तुर्किये की राजधानी अंकारा में रह रहे एक पाकिस्तानी स्टूडेंट ने वीडियो मैसेज में किया। पाकिस्तान की सोशल एक्टिविस्ट जाहरा बलोच ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर किया है।

ऐसे किया गया धोखा

तुर्किये और सीरिया में 6 फरवरी को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। दोनों देशों में कुल मिलाकर 47 हजार लोगों की मौत हुई थी। तुर्किये में मरने वालों का आंकड़ा करीब 42 हजार हो चुका है। मुश्किल वक्त में भारत समेत कई देशों ने तुर्किये को मदद भेजी।

तुर्किये कश्मीर समेत कई मुद्दों पर पाकिस्तान का हर प्लेटफॉर्म पर साथ देता रहा है। लिहाजा, पाकिस्तान ने भी मदद भेजी। अब इसी मदद पर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने तुर्किये को मदद के नाम पर वही बची-खुची राहत सामग्री भेज दी, जो पिछले साल तैयब एर्दोगन सरकार ने पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों को भेजी थी।

इस बाढ़ से करीब 3 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। करीब 2 हजार लोगों की मौत हुई थी। दुनिया के कई देशों और संगठनों ने पाकिस्तान की मदद की थी।

ऐसे हुआ खुलासा

पाकिस्तान के कई स्टूडेंट्स हायर स्टडीज के लिए तुर्किये की अलग-अलग यूनिवर्सिटीज में जाते हैं। ऐसे ही एक स्टूडेंट ने तुर्किये से वीडियो बनाकर अपनी सरकार की ओछी हरकत का खुलासा कर दिया। अब यह वीडियो वायरल हो रहा है। स्टूडेंट का नाम शोएब खटक बताया गया है।

वीडियो में वो कहता है- तुर्किये के टीवी चैनलों पर मैंने यह खबर देखी। उसमें बताया गया था कि तुर्किये ने जो सामान पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों को भेजा था, हमारी सरकार ने वही बचा-खुचा सामान तुर्किये के भूकंप पीड़ितों को अपना टैग लगाकर भेज दिया।

शोएब आगे कहते हैं- इतनी शर्मिंदगी पहले कभी महसूस नहीं हुई। आप खुद देखिए कि कैसे-कैसे लोग पाकिस्तान पर हुकूमत कर रहे हैं। फिर वो शिकायत करते हैं कि तुर्किये ने हमारे प्रधानमंत्री को अंकारा आने की इजाजत नहीं दी। शाहबाज शरीफ यहां आकर जलील ही होंगे।

तुर्किये ने विरोध दर्ज कराया

इस वीडियो के सामने के बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये की एर्दोगन सरकार ने इस हरकत के लिए पाकिस्तान को फटकार भी लगाई है। हालांकि, अब तक दोनों ही देशों की तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक- इस्लामाबाद में मौजूद तुर्किये के ऐंबैस्डर ने पाकिस्तान की फॉरेन मिनिस्ट्री को इस बारे में जानकारी दी है।

पाकिस्तान के बड़े टीवी न्यूज चैनल 'बोल टीवी' के जर्नलिस्ट शाहिद मसूद ने भी अपने शो में इस घटना के बारे में बताया। शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी पहले 8 फरवरी को अंकारा जाने वाले थे। तब वहां की सरकार ने खराब हालात का हवाला देते हुए उनसे न आने को कहा था।

सत्ता में आने पर रोशनी अधिनियम लाएंगे वापस, कब्जा करने वालों को देंगे मालिकाना हक- आजाद

जम्मू, 24 फरवरी (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने वीरवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को प्रदेश की आर्थिक स्थिति में सुधार होने तक संपत्ति कर लगाने को कुछ साल के लिए स्थगित कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनकी पार्टी निर्वाचित होती है तो सत्ता में आने पर रोशनी अधिनियम को वापस लाएगी। इसके तहत राज्य भूमि पर कब्जा करने वालों को मालिकाना हक दिया गया था। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पत्रकारों से बात करते हुए आजाद ने कहा कि पिछले 35 वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आर्थिक स्थिति आतंकवाद के चलते खराब हो गई है। उन्होंने कहा, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति कई गुना बढ़ गई है। पर्यटन,

हस्तकला, बागवानी को बहुत नुकसान हुआ है। व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, दुकानदारों सहित जम्मू-कश्मीर के लोगों को नुकसान हुआ है। लखनपुर से तंगधार तक कोई भी व्यक्ति नहीं है, जिसे नुकसान नहीं हुआ हो। ऐसे में जब हम उनसे जमीन ले रहे हैं, बिजली शुल्क बढ़ा रहे हैं, तो हम संपत्ति कर देने की स्थिति में नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया, 2019 में जम्मू-कश्मीर को यूटी में बदल दिया गया। कोविड के प्रकोप के कारण भी लोगों की कमर टूट गई, राशन की आपूर्ति 35 किलोग्राम से घटाकर पांच किलोग्राम कर दी गई है। ऐसे में लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। उनकी कोई आमदनी नहीं है, ऐसे में वे टैक्स कैसे देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को टैक्स देने में दिक्कत नहीं है, लेकिन पहले इनकम होनी चाहिए। हम जानते हैं कि टैक्स से हमें फायदा होगा, लेकिन लोगों के पास पहले टैक्स देने की ताकत होनी चाहिए, पहले पैसा होना चाहिए। अभी खुद को बनाए रखने के लिए उनके पास पैसा नहीं है, टैक्स कैसे देंगे ? इसलिए मैं सरकार से अपील करूंगा कि जब तक हमारी आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं हो जाती, तब तक इसे चार-पांच साल तक रोका जाए।

एमपी में 27 फरवरी तक छाएंगे बादल

हल्की बारिश के भी आसार; भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में भी बदला मौसम

भोपाल, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानि, 27 फरवरी तक बादल छाए रहेंगे। वहीं, कुछ जगह हल्की बारिश भी हो सकती है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में भी मौसम बदला रहेगा। ऐसा हवा का रुख बदलने से होगा। इसके बाद तेज गर्मी शुरू होगी। मार्च के दूसरे सप्ताह में लू चलने की संभावना भी है। भोपाल में 24, 25, 26 और 27 फरवरी को बादल छाए रहेंगे। इससे दिन का पारा 31 से 33 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं, रात में तापमान 13-14 डिग्री दर्ज किया जाएगा। पिछले सप्ताह के आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो दिन-रात के तापमान में 4 से 5 डिग्री तक की गिरावट होगी। भोपाल में 22 फरवरी को अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री पर पहुंच गया था। फरवरी में 12 साल में यह चौथी बार दिन का सबसे ज्यादा तापमान था। मौसम विशेषज्ञ पीके साहा ने बताया कि अगले दो तीन दिन तक दिन और रात के तापमान में ऐसा ही उतार-चढ़ाव होने की संभावना है। तीन दिन बाद बादल छाने और बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम बदलने से अब दिन गर्मी महसूस हो रही है, लेकिन देर रात और सुबह 7 बजे के पहले तक हल्की ठंडक है। इस कारण तापमान 15 डिग्री के नीचे आ गया है। 25 से बढ़ेगा रात का तापमान मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम हवाएं चलने से हवा में नमी आ गई। वहीं, बादल भी छा गए हैं। इस कारण सूरज की रोशनी जमीन तक आते-आते थोड़ी कमजोर हो गई और दिन के तापमान में गिरावट आ रही है।

ज्यादातर शहरों में 32 डिग्री तक तापमान रहेगा। रात में 11 से 12 डिग्री के बीच तापमान रहेगा। सुबह 5 से 7 बजे के बीच हल्की ठंड भी रहेगी।

पानीपत की बेटी पर कुरुक्षेत्र में दहेज प्रताड़ना

कार और 1 लाख की मांग के लिए घर से निकाला; 6 माह पहले हुई थी शादी

पानीपत, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत की बेटी के साथ कुरूक्षेत्र स्थित उसके ससुराल में दहेज प्रताड़ना की गई। आरोपी पति ने दहेज में सीएनजी कार और 1 लाख रुपए की मांग की। महिला जब ये मांग पूरी न कर सकी तो उसके साथ मारपीट की गई। उसे ताने सुनाए गए। उसकी 6 माह पहले शादी हुई। इसके 3 महीने बाद उसने घर से बाहर निकाल दिया। अब आरोपी पर पानीपत पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

चांदनीबाग थाना पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उसकी शादी जग्गा सिंह निवासी गांव लोहरा, जिला कुरूक्षेत्र के साथ 15 अगस्त 2022 को हुई थी। जग्गा सिंह की लाडवा में मोबाइल की दुकान है। शादी के समय लड़की पक्ष ने 2 लाख रुपए खर्च किए थे। शादी के कुछ दिनों बाद तक तो सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। इसके बाद ससुरालियों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ताने दिए जाने लगे की उन्हें दहेज में कुछ नहीं दिया। आरोपी सीएनजी कार व 1 लाख रुपए की मांग करने लगे। जब महिला ने इसमें असमर्थता जताई तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इस बारे में महिला के मायका पक्ष ने भी लड़के को समझाने की कोशिश की, मगर वह नहीं माना। उसने कहा कि जब तक उसकी मांग पूरी नहीं होगी, वह इसी तरह मारपीट करता रहेगा।

आरोपी पति ने महिला पर दबाव बनाया कि वह जल्द से जल्द उसे 1 लाख रुपए ला कर दे, क्योंकि उसने अपना मोबाइल की दुकान का काम बढ़ाना है। इसी बीच 12 अक्टूबर को आरोपी ने महिला के साथ खूब मारपीट की। उसने धमकी दी कि अगर उसकी मांग पूरी नहीं करेगी, तो वह विदेश भाग जाएगा और कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

कांग्रेस पर हमला करेंगे 55 हजार वॉट्सऐप ग्रुप

एमपी-एमएलए की हर पोस्ट पर नजर, टारगेट-80 लाख के बजाय 4 करोड़ वोटर्स तक पहुंचना

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के विधानसभा चुनाव में 10 महीने से भी कम समय बचा है। अगले साल लोकसभा चुनाव भी होने हैं। दोनों चुनावों में राजस्थान जीतने के लिए बीजेपी ने मास्टर प्लान तैयार किया है। चुनाव में जितना जोर ऑनग्राउंड कैंपेनिंग पर रहेगा, उतना ही फोकस ऑनलाइन कैंपेनिंग पर भी रहेगा। इसके बीजेपी के सबसे बड़े हथियार होंगे- वॉट्सऐप, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम।

अब तक बीजेपी राजस्थान में सोशल मीडिया के जरिए 80 लाख लोगों से जुड़ी हुई है। इस आंकड़े को चुनावों में 4 करोड़ तक ले जाने का टारगेट है। बीजेपी 55 हजार वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए कांग्रेस पर डिजिटल हमला करेगी। हर विधानसभा के लिए अलग सोशल मीडिया पेज बनाया जा रहा है। इस काम को अंजाम देगी भाजपा की 3200 लोगों की टीम। अब तक 2700 लोगों को सोशल मीडिया टीम के तौर पर अलग-अलग स्तर पर जिम्मेदारियां दी जा चुकी हैं।

प्रदेश स्तर पर प्रोफेशनल्स के तौर पर कंटेट राइटर, ग्राफिक डिजायनर, वीडियो एडिटर और कार्टूनिस्ट सहित 10 लोगों की टेक्निकल टीम अलग से बनाई गई है। यह टीम पार्टी के प्रचार के वीडियो, ग्राफिक्स और कंटेंट तैयार करेगी। फिर सोशल मीडिया के जरिए इनको लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

पार्टी के प्रचार और कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनाने में सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं की एक्टिवनेस को लेकर भी भाजपा गंभीर है।

सभी सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है कि वे सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं या नहीं?

फॉलोअर्स की संख्या और नेताओं के सोशल हैंडल्स पर शेयर की जा रही पोस्ट की संख्या के लगातार एनालिसिस से उनकी एक्टिवनेस पर नजर रखी जा रही है। सभी बड़े नेताओं की सोशल मीडिया पर सक्रियता की हर माह रिपोर्ट तैयार हो रही है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर को भेजी जाती है।

पार्टी के प्रचार से संबंधित है या खुद के प्रचार से संबंधित? कुल कितनी पोस्ट शेयर की गई? कितने ट्ववीट किए? इसके आधार पर हर माह प्रदेश स्तर पर यह तय होता है कि टॉप 5 कौन-कौन नेता रहे? और कौन सबसे

कम एक्टिव रहे? जिन नेताओं की रिपोर्ट नेगेटिव रहती है, उनको लगातार अपडेट करके एक्टिव किया जा रहा है। पार्टी के प्रदेश आईटी हैड अजीत मांडण ने बताया- हर बूथ पर वॉट्सऐप ग्रुप का टारगेट लेकर चल रही भाजपा आने वाले दिनों में 55 हजार से ज्यादा वॉट्सऐप ग्रुप बनाने की तैयारी कर रही है।

बूथ स्तर पर बूथ कमेटी के सदस्यों के साथ कम से कम दस आम नागरिकों को भी जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा करीब 3500 ग्रुप पार्टी पदाधिकारियों को जोड़ेंगे। इनमें प्रदेश कोर कमेटी, प्रदेश कार्यसमिति, सांसद (लोकसभा--राज्यसभा), विधायक, सभी मोर्चे, विधानसभा प्रवासी, जिला अध्यक्ष-जिला प्रभारी, पूर्व जिलाध्यक्ष, विभाग--प्रक्रोष्ठों के ग्रुप सहित पार्षद, सरपंच, पंचायत समिति--जिला परिषद सदस्यों के ग्रुप होंगे। संभाग से लेकर जिला और मंडल स्तर के ग्रुप भी बनेंगे।

इनको कंट्रोल करने और इनके लिए कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए भाजपा मुख्यालय पर अलग से वाट्सऐप चैंबर बनाया जा रहा है।

भाजपा का लक्ष्य है कि 4 करोड़ लोगों तक वॉट्सऐप और सोशल मीडिया के जरिए पहुंचा जा सके। अभी करीब 80 लाख लोगों तक हम पार्टी के प्रचार और कांग्रेस सरकार की खामियों के खिलाफ माहौल बनाने वाले मैसेज रोजाना पहुंचा रहे हैं।

भाजपा के सोशल मीडिया विंग के प्रदेश संयोजक डॉ. जोगेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया- हम तीन पार्ट में काम कर रहे हैं। पहला है टेक्निकल, दूसरा संगठनात्मक, तीसरा और अहम हिस्सा है मॉनिटरिंग एंड रिपोर्टिंग।

टेक्निकल पार्ट में फेसबुक, यू-ट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर प्रदेश इकाई से लेकर मंडल इकाई तक अलग-अलग पेज बनाए गए हैं। सोशल मीडिया के इन सभी प्लेटफार्म पर हमने बीजेपी राजस्थान के नाम से पार्टी के प्रदेश स्तर के पेज बनाए हैं। इसी तरह 44 जिला संगठनों के भी सभी प्लेटफार्म पर पेज बनाए जा चुके हैं। राजपुरोहित ने कहा- राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए भी पेज तैयार हो चुके हैं। प्रदेश में कहीं भी बड़ी घटना होती है और उसका अगर राजनीतिक महत्व है तो हमारे प्रदेश स्तर के सभी सोशल मीडिया पेज पर हम उसे तत्काल पब्लिश करते हैं।

कंटेंट राइटिंग, वीडियो एडिटिंग और ग्राफिक्स बनाने के लिए हमारे पास प्रोफेशनल लोगों की टीम है, जो लगातार काम कर रही है।

केंद्रीय नेतृत्व कर रहा है मॉनिटरिंग, कॉल सेंटर भी एक्टिव

आईटी हैड अजीत मांडण बताते हैं- चुनाव में मुख्य भूमिका बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का रहता है। वे ही लोग वोटर्स को घर से निकालकर बूथ तक पहुंचाने का काम करते हैं। इसलिए बूथ कमेटियों के वेरिफिकेशन का काम सबसे महत्वपूर्ण है। 52 हजार बूथ कमेटियों और पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति के बाद आईटी के जरिए प्रत्येक व्यक्ति का वेरिफिकेशन किया जा रहा है ताकि यह तय किया जा सके कि कहीं कोई निष्क्रिय व्यक्ति तो संगठन में नहीं जुड़ा हुआ है।

हर बूथ पर एक आईटी प्रमुख का पद तय किया गया है। प्रदेश मुख्यालय में कॉल सेंटर भी लगातार काम कर रहा है। यहां से प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को फोन करके यह पता किया जा सकता है कि वहां बूथ कमेटी एक्टिव है या नहीं?

चुनाव अभियान के पूरे प्रोसेस को मॉनिटरिंग सिस्टम से जोड़ा गया है।

केंद्रीय मंत्री बोले,राजस्थान में फिर डबल इंजन की सरकार बनेगी

सीएम गहलोत पर तंज,कहा-कुर्सी की चिंता करने वाले विकास नहीं कर सकते

चित्तौड़गढ़, 24 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल गुरुवार शाम को चित्तौड़गढ़ आए थे। मंत्री गोयल यहां अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की ओर से आयोजित यूथ एंटरप्रेन्योर्स मीट प्रोग्राम के लिए आए थे। उन्होंने राजस्थान में एक बार फिर डबल इंजन की सरकार बनने की बात कही। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि जो कुर्सी की चिंता करें, वह प्रदेश का विकास कभी भी नहीं कर सकता। उन्होंने चित्तौड़गढ़ किले की भव्यता का भी बखान किया। साथ ही अफसोस जताया कि दुर्ग देखने का मौका आज भी नहीं मिला। मंत्री का अर्बन बैंक के चेयरमैन आईएम सेठिया सहित सभी बोर्ड मेंबर, कर्मचारी, भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने राजस्थान की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार आपसी झगड़ों में बहुत

व्यस्त है। उनको प्रदेश के विकास के लिए कोई भी समय नहीं है। मैंने वैसे भी कहा है कि वह अपनी परछाई ही देखते रहते हैं कि हम कल कहां रहेंगे, कल हमारा भविष्य कैसा था। परछाई देखने वाला नेता कभी भी निर्णायक और संवेदनशील हो ही नहीं सकता। जो कुर्सी की चिंता करें वह प्रदेश का विकास कभी भी नहीं कर सकता। राजस्थान की कांग्रेस मेरे हिसाब से पूरी तरह से फेल्ड पार्टी है। राजस्थान की सरकार जिसमें बजट किसने बनाया, कौन पेश कर रहा है, उनको यह भी नहीं पता कि मैं क्या कर रहा हूं। यह सरकार प्रदेश का हित नहीं कर सकती। प्रदेश के लोग दुखी है। एक बार फिर डबल इंजन की सरकार राजस्थान में जरूर आएगी। उन्होंने 23 साल पहले चित्तौड़गढ़ आने की बात कही। उन्होंने कहा कि पेलेस ऑन व्हील में कई जनवरी 2000 में अपने परिवार के साथ सफर कर रहा था। ट्रेन रुकी तो मैं कई प्रोफेसरों के साथ चर्चा में व्यस्त हो गया था। लेकिन मेरी पत्नी को चित्तौड़गढ़ दुर्ग देखने का मौका मिला। मुझे अफसोस है कि मैं चित्तौड़गढ़ घूम नहीं पाया। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ का किला सबसे बड़ा किला है और यूनेस्को में अपनी पहचान रखता है। उम्मीद है कि अगर केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ राज्य सरकार भी काम करे तो चित्तौड़गढ़ में पर्यटन बढ़ सकते हैं। साथ ही श्रद्धालुओं का भी स्थान बन सकता है।

मंत्री पीयूष गोयल ने राजस्थान के उद्योगों को बढ़ावा नहीं मिलने पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार पूरे राजस्थान में उद्योग जगत को भगाने में लगी है। अभी कुछ महीने पहले यहां के मुख्यमंत्री इन्वेस्टमेंट समिट के नाम पर इन्वेस्टर लोगों को बुला रहे थे। हमने सोचा राजस्थान में शायद कुछ निवेश आएगा। लेकिन जिस प्रकार का व्यवहार कांग्रेस का है उससे लगता है कि युवाओं के रोजगार का साधन ही राजस्थान से खत्म करते जा रहे हैं।

ईआरसीपी का काम रुकवाने को एमपी की एससी में याचिका

गहलोत बोले- यह पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को पानी से वंचित करने का षडयंत्र

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट में चंबल और सहायक नदियों पर चल रहे काम को रुकवाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इस याचिका को लेकर अब राजस्थान और मध्यप्रदेश की सियासत गर्माने के आसार बन गए है। मध्यप्रदेश सरकार की याचिका को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने निशाना साधा है। गहलोत ने आज बयान जारी कर कहा- ईआरसीपी के काम पर रोक लगवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर एमपी सरकार की याचिका राजस्थान को अपने हिस्से के पानी से वंचित करने का प्रयास है। मध्यप्रदेश सरकार ईआरसीपी का काम रुकवाकर पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के हक का पानी रुकवाने की कोशिश कर रही है। ईआरसीपी से झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा,

अलवर, जयपुर और अजमेर जिलों को पानी मिलेगा।

केंद्रीय जल आयोग की गाइडलाइन के अनुसार है ईआरसीपी

गहलोत ने कहा- ईआरसीपी की डीपीआर केंद्रीय जल आयोग की गाइडलाइंस-2010 के अनुसार बनाई गई है। यह प्रोजेक्ट राजस्थान-मध्य प्रदेश अंतरराज्यीय स्टेट कंट्रोल बोर्ड की बैठक के फैसले के अनुसार बनाया गया है। इसी फैसले को आधार बनाकर मध्य प्रदेश ने अपने यहां कुण्डलिया और मोहनपुरा बांध बनाए हैं। धौलपुर के केंद्रीय जल आयोग के रिवर गेज स्टेशन के आंकड़ों के अनुसार हर साल चंबल में औसतन 19,000 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी बेकार बहकर समुद्र में जाता है। ईआरसीपी के लिए केवल 3500 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की ही जरूरत है। राज्य सरकार ईआरसीपी के माध्यम से इस बेकार बहकर जा रहे पानी को राजस्थान की जनता की पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रही है।

केंद्र और मध्यप्रदेश ईआरसीपी बाधाएं डाल रहे, राज्य सरकार इसे पूरा करेगी

गहलोत ने कहा- केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार पूर्वी राजस्थान के हक के पानी को रोकने का अनुचित प्रयास कर रही है। पानी राज्य के लिए बहुत अहम मुद्दा है। ईआरसीपी को लागू करने में कानूनी बाधाएं पैदा करना राज्य के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

राजस्थान सरकार राज्य के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए ईआरसीपी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार हर प्लेटफॉर्म पर ईआरसीपी के पक्ष में अपनी बात मजबूती से रखेगी और अपने हक की लड़ाई जीतकर पूर्वी राजस्थान में जल संकट को दूर करेगी।

सीएचओ भर्ती परीक्षा को रद्द करे सरकार- उपेन यादव

बोले- सबूत देने के बावजूद पेपर लीक माफिया के खिलाफ नहीं हो रही कार्रवाई

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में 19 फरवरी को आयोजित हुई सीएचओ भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर विरोध तेज हो गया है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि सरकार की लापरवाही से लगातार भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। सरकार न तो आरोपियों पर कार्रवाई कर रही है, और ना ही भर्ती परीक्षा को रद्द कर रही है। ऐसे में अगर सीएचओ भर्ती परीक्षा को रद्द कर दोषियों को नहीं पकड़ा गया तो बेरोजगार सरकार के खिलाफ प्रदेशभर में आंदोलन करेंगे। 19 फरवरी को एक पारी में हुई सीएचओ भर्ती परीक्षा में सोशल मीडिया पर पेपर वायरल होने के बाद से ही संविदा पर निकाली गई इस भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग तेज होने लगी है। परीक्षा से करीब 3 घंटे पहले पेपर के बाहर आने और विनोद मीणा द्वारा सुबह 7 बजे पेपर आने की बात स्वीकार करने के सारे सबूत एसओजी और बोर्ड कार्यालय को सौंप दिए गए हैं तो वहीं अब दूसरी ओर इस मामले को उठाने वाली दोनों छात्राओं ने अपनी जान को खतरा होने की बात कही है। उपेन ने कहा, सीएचओ परीक्षा का आयोजन सुबह 10.30 बजे से होना था। लेकिन जो आरोपी विनोद मीणा है जिसके मोबाइल से सुनीता सेन के पास पेपर आया था। उसने खुद स्वीकार किया है कि पेपर उसके पास सुबह 7 बजे आ गया था। ऐसे में परीक्षा से करीब तीन घंटे पहले पहले पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जो काफी अभ्यर्थियों तक पहुंचा है।

सॉरी मम्मी, सॉरी दीदी लिखकर स्टूडेंट ने सुसाइड किया

नीट की तैयारी कर रहा था; पहले पंखे से लटका तो नीचे गिरा, फिर फंदा लगाया

कोटा, 24 फरवरी (एजेंसियां)।कोटा में नीट की तैयारी कर रहे यूपी के अभिषेक ने सुसाइड कर लिया। वह दो साल से यहां तैयारी कर रहा था।

कोटा में एक और कोचिंग स्टूडेंट ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। स्टूडेंट के पास सुसाइड नोट मिला। लिखा- 'मैं अपनी मौत का खुद जिम्मेदार हूं, मेरे ऊपर किसी का दबाव नहीं था। सॉरी दीदी, सॉरी मम्मी-भाई, सॉरी दोस्तों।' घटना कुन्हाड़ी इलाके में बुधवार रात की है।

यूपी के बदायूं का रहने वाला 17 साल का अभिषेक उद्यान नगर इलाके के हॉस्टल में रहता था। वह दो साल से कोटा में रह रहा था। अभिषेक एलन कोचिंग से नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी कर रहा था। वह पिछले कुछ समय से कोचिंग नहीं जा रहा था और हॉस्टल से ही ऑनलाइन क्लास ले रहा था। बुधवार रात को स्टूडेंट ने कमरे में एंटी सुसाइड फैन से फंदा लगाने की कोशिश की। हालांकि पंखा नीचे आ गया, जिससे वह बच गया। दोबारा उसने कमरे में लगे कड़े से फंदा लगा लिया।

गुरुवार को दिनभर वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो रात को 9 बजे पास के कमरे में रहने वाले दोस्त ने दरवाजा खटखटाया। कमरा अंदर से बंद था। उसने हॉस्टल संचालक को घटना के बारे में बताया। हॉस्टल संचालक ने कमरे की खिड़की से देखा तो

अभिषेक फंदे पर लटका था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अभिषेक को फंदे से नीचे उतारा। बता दें करीब 24 घंटे तक सुसाइड का किसी को पता नहीं लगा।

हॉस्टल में खाने की सप्लाई देने वाले राजेंद्र ने बताया कि मंगलवार को उसने खाना खाया था। बुधवार को 4 बजे उसने बताया था, मैं खाना खाने नहीं आऊंगा। उसके पास दो नंबर थे। उसने मुझे जो नंबर दे रखा था वह नंबर बंद रहता था। दूसरे नंबर से कॉल करता था।

उसने कहा था कि मैं पढ़ाई करूंगा, इसलिए खाना नहीं खाऊंगा। 8 दिन पहले वह लेट खाना खाने आया था। तब उससे देरी से आने का कारण पूछा था। उसने बताया था कि वो दोस्त को दिखाने गया था। स्टूडेंट ने सुसाइड नोट में लिखा- ' मैं आपसे माफी मांग रहा हूं। मैं अपनी मर्जी से कोटा में आया था। मुझ पर घर का कोई भी दबाव नहीं था। सॉरी दीदी, मम्मी सॉरी भाई, सॉरी दोस्तों। मेरी आपसे विनती है मैं हार गया हूं। इसलिए जान देना चाहता हूं।'

अभिषेक के सुसाइड की जानकारी मिलने पर पिता आराम सिंह शुक्रवार सुबह कोटा पहुंचे। उन्होंने कहा कि मां-बाप बच्चों को कैसे पालते हैं। कैसे पढ़ाते हैं, लेकिन सरकार, कोचिंग संस्थान या हमारा भेदभाव इस तरीके का है। इसलिए बच्चे सुसाइड कर रहे हैं। क्यों ऐसी स्थिति पैदा हो रही है? ऐसा क्या माहौल बन रखा है कि बच्चे सुसाइड कर रहे हैं।

मैं मानता हूं कि डॉक्टर की पढ़ाई के लिए अच्छी शिक्षा होनी चाहिए। इतना तो न हो कि स्टूडेंट सुसाइड कर ले। इस बारे में सरकारों को सोचना चाहिए। बच्चों के जीवन के बारे में सोचना चाहिए।

खेत की मिट्टी पर विवाद, ताऊ ने गोली मारी

अजमेर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार शाम को खेत की मिट्टी निकालने के विवाद पर ताऊ ने अपने भतीजे पर फायरिंग कर दी। गोली उसके प्राइवेट पार्ट में जा लगी। फायरिंग का वीडियो भतीजे ने ही रिकॉर्ड किया, जो अब वायरल हो रहा है। भतीजे की हालत गंभीर होने से उसे अजमेर रेफर किया गया है। वहीं, पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

उकसाने से ताऊ को गुस्सा आया और फायर कर दिया

अजमेर जिले के ब्यावर के ठिकरना गुजरान में हमीद काठात (35) ने गुरुवार शाम 6 बजे ताऊ भागा (65) को उसके खेत से ट्रॉली में मिट्टी भरवाते देखा। हमीद पास गया और उन्हें मना करने लगा। इससे भागा ने बंदूक तान दी।

हमीद को लगा कि वह मजाक कर रहा है। उसने ताऊ को उकसाया। इस दौरान हमीद ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू दिया। उसने ताऊ को गोली चलाने के लिए चुनौती दी। ताऊ ने सच फायरिंग कर दी। गोली हमीद के प्राइवेट पार्ट में जा लगी। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

नावां से पूर्व विधायक हरीश कुमावत का हार्ट-अटैक से निधन

नागौर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। नागौर जिले की नावां विधानसभा सीट से 4 बार विधायक रहे भाजपा नेता हरीश कुमावत का शुक्रवार को 79 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे पिछले एक महीने से बीमार थे। जयपुर में उनका इलाज चल रहा था। 10 दिन पहले ही तबीयत में सुधार होने पर वे कुचामन अपने घर लौटे थे। 20 फरवरी को जयपुर के राजस्थान हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होके कुचामन आए थे और आज 8 बजे अपने भाजपा कार्यकर्ता से फोन पर बात की थी। उसके बाद 8.30 बजे अचानक साइलेंट अटैक आने से मौत हो गई।

हरीश कुमावत नागौर जिले में भाजपा के कद्दावर नेता थे। हरीश कुमावत के 3 लड़के में से 1 प्रकाश कुमावत की कोरोना 2020 में मौत हो गई और इस के बाद इनके 2 लड़के और हे राजकुमार, मुकेश और इनके घर में कुल 13 सदस्य है। वहीं हरीश कुमावत के निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं और अन्य राजनीतिक दलों में शोक छा गया, जिले के तमाम नेताओं ने शोक जताया है। उनके निधन के बाद कुचामन शहर के सरकारी-प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। कुचामन नगर परिषद में भी राजकीय अवकाश घोषित किया गया।

कुमावत के निधन की सूचना पर स्थानीय विधायक महेंद्र चौधरी ने छत्तीसगढ़ से फोन कर परिवार को ढांढस बंधाया।

नागौर में भाजपा को मजबूत किया

हरीश कुमावत को नागौर में भाजपा का भीष्म पितामह कहा जाता है। जिले में जब भाजपा का कोई जनाधार नहीं था, तब हरीश कुमावत ने जिले में पार्टी की कमान संभाली। हरीश कुमावत भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे। कुमावत पहली बार 1982 में कुचामन नगर पालिका के अध्यक्ष बने थे।

पेपर लीक मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण को उदयपुर लाई पुलिस

उदयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। एक दिन पहले गिरफ्तार हुए सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण को शुक्रवार सुबह उदयपुर लाया गया। एक दिन पहले गिरफ्तार हुए सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक के मास्टर माइंड भूपेंद्र सारण को शुक्रवार सुबह उदयपुर लाया गया। चौंकाने वाली बात ये है कि पुलिस गिरफ्त में आने के बाद भी आरोपी सारण के चेहरे पर मुस्कुराहट देखी जा रही थी। डीएसटी की टीम सुबह करीब 8 बजे बेंगलुरु से अहमदाबाद होते हुए आरोपी सारण को उदयपुर लेकर पहुंची। सारण को हाथीपोल थाने में रखा गया है जहां उससे पूछताछ की जा रही है। दोपहर को पुलिस भूपेन्द्र सारण को कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस डिप्टी राजेश कसाणा, डीएसटी के विक्रम सिंह, उपेन्द्र सिंह आरोपी को लेकर उदयपुर पहुंचे। बता दें, राजस्थान एटीएस-एसओजी ने एक दिन पहले बड़ी कार्रवाई करते हुए भूपेन्द्र सारण को बेंगलुरू एयरपोर्ट पर शाम करीब 6:30 बजे पकड़ा था। पिछले छह दिनों से पुलिस बेंगलुरू में कैंप कर रही थी। भूपेन्द्र पर एक लाख का इनाम घोषित है।

एनएमडीसी में जीईएम अनुबंध और प्रबंधन पर परस्पर संवाद सत्र संपन्न

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, एनएमडीसी ने शुक्रवार को हैदराबाद में अपने मुख्यालय में कस्टमाइज्ड बोलियों पर फोकस सहित जीईएम अनुबंधों और प्रबंधन पर परस्पर संवाद सत्र का आयोजन किया। प्रकाश मिरानी, संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सीईओ, जीईएम, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार इस सत्र के प्रमुख वक्ता थे। बी. विश्वनाथ, सीवीओ, एनएमडीसी और अधिशासी निदेशक कार्मिक, प्रवीण कुमार ने जीईएम पारिस्थितिकी तंत्र में कंपनी की बढ़ती हुई खरीद हिस्सेदारी पर प्रकाश डाला और ज्ञान प्राप्त करने तथा रचनात्मक फीडबैक देने के लिए सभी परियोजनाओं से उपस्थित कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया।

एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2023 में अब तक गवर्नमेंट ई मार्केट के माध्यम से 665 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की है। स्टील पीएसई में स्टेट माइनर के जीईएम खरीद प्रतिशत में सबसे तेजी से वृद्धि हो रही है।

ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल की विशेषताओं पर प्रकाश डालते प्रकाश मिरानी ने कहा कि "जेम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और मजबूती में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का बहुत बड़ा योगदान है।" उन्होंने एनएमडीसी को अपने सबसे बड़े खरीद भागीदारों में से एक बनाने के अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए जीईएम को अधिक प्रभावी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की निरंतर प्रक्रिया के लिए फीडबैक और इनपुट आमंत्रित किए। जीईएम के माध्यम से भविष्य की खरीद को बढ़ाने के लिए भारत भर में एनएमडीसी की सभी परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने उक्त सत्र में भाग लिया।

एनएमडीसी अपने विक्रेताओं, विशेष रूप से एमएसएमई को राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर सूचीबद्ध करने और जीईएम द्वारा प्रदान की जाने वाली दक्षता और पारदर्शिता का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता का अभाव : न्यायमूर्ति चेलमेश्वर

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर ने गुरुवार को हैदराबाद विश्वविद्यालय में अल्लादी स्मृति व्याख्यान दिया। उन्होंने "भारतीय न्यायपालिका के 75 वर्ष, इसकी स्वतंत्रता और दक्षता" पर बात की। नलसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के वाइस चांसलर प्रोफेसर श्रीकृष्ण देव राव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। न्यायमूर्ति चेलमेश्वर ने संविधान में निहित न्याय और स्वतंत्रता के आदर्शों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक लोकतंत्रों ने राज्य की विभिन्न शाखाओं जैसे कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच शक्ति का वितरण सुनिश्चित किया है। शक्ति का वितरण कुछ नियंत्रण और संतुलन प्रदान करके किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य की कोई भी शाखा निरंकुश शक्ति का प्रयोग न करे। उन्होंने कहा कि "जांच करने और यह निर्धारित करने का अंतिम अधिकार कि क्या कोई भी तत्व संविधान में निहित सिद्धांतों के अनुरूप काम कर रहा है" के रूप में न्यायपालिका को सौंपा गया है, इसे एक निश्चित मात्रा में स्वतंत्रता के साथ निवेश करने की आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय संविधान के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता के इस पहलू पर, जिस कार्यकाल की सुरक्षा और सेवा शर्तों की सुरक्षा द्वारा संरक्षित किया गया था, बाद के वर्षों में न्यायाधीशों के स्थानांतरण की प्रथा द्वारा कैसे कम कर दिया गया था। कॉलेजियम प्रणाली पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें बहुत आवश्यक पारदर्शिता का अभाव है। उसी समय, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि "एनजेएसी (जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था) में कानून मंत्री की उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों के साथ" और नागरिक समाज के सदस्यों की उपस्थिति कैसे स्वतंत्रता को नष्ट कर देगी। न्यायपालिका की। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में प्रणाली के लिए "न्यायपालिका और सरकार के बीच परामर्श प्रक्रिया" की औपचारिकता की आवश्यकता है। उन्होंने न्यायाधीशों का सही चुनाव करने में अपनाए गए मापदंडों के महत्व को रेखांकित किया जो एक कुशल और स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना सुनिश्चित करेगा। इस दिशा में, उन्होंने न केवल सरकार की विभिन्न शाखाओं, बल्कि नागरिक समाज की जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया, जिनके लाभ के लिए अल्लादी कृष्णस्वामी और मसौदा समिति के अन्य सदस्यों जैसे लोगों द्वारा संवैधानिक व्यवस्था अस्तित्व में लाई गई थी।

कवि सम्मेलन में एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों व कवियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक, बीमा) (टीओएलआईसी), हैदराबाद के तत्वावधान में स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज सभागार, बेगमपेट में कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एस.श्रीनिवास राव, (डीएमडी और मुख्य जोखिम अधिकारी) कॉर्पोरेट सेंटर मुंबई, वेणु गोपाल के पटनायक (सीजीएम रिस्क मैनेजमेंट) कॉर्पोरेट सेंटर मुंबई, अमित झिंगरान सीजीएम हैदराबाद सर्कल, नवीन चंद्र झा सीजीएम अमरावती सर्कल, एच आर पटनायक सीजीएम केनरा बैंक, सुरेश चंद्र तेली सीजीएम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और हैदराबाद में स्थित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारी शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन आगामी पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए किया गया। प्रसिद्ध कवि प्रवीण राही, राजनी चौहान, मंजू करमोरे, मुकेश श्रीवास्तव, राहुल शर्मा, गौरव बसल और रवींद्र "रवि" के साथ-साथ स्थानीय कवियों श्री वेणुगोपाल भट्टड और श्री कैलाश भट्टड ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इस कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा।

मंत्री ने डॉक्टर के आत्महत्या के प्रयास का राजनीतिकरण करने के लिए भाजपा की आलोचना की

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मेडिको आत्महत्या के प्रयास की घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने कहा कि भाजपा वारंगल काकतीय मेडिकल कॉलेज के एमडी एनेस्थीसिया के प्रथम वर्ष के छात्र डॉ. दरावथ प्रीति के मुद्दे का अनावश्यक रूप से राजनीतिकरण कर रही है। मंत्री ने कहा कि प्राथमिक जांच से साबित हो गया है कि स्नातकोत्तर प्रीति को उसके सीनियर एस. ए. सैफ द्वारा स्पष्ट रूप से लक्षित उत्पीड़न किया गया है, जो उसे आत्महत्या का प्रयास करने के लिए प्रेरित कर सकता था और कहा कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विपक्षी दलों से अपील की कि वे मेडिको के प्रकरण का राजनीतिकरण न करें और शहर में निजाम के आयुर्विज्ञान संस्थान (एनआईएमएस) में जीवन के लिए जूझ रही प्रीति को राज्य सरकार सबसे अच्छी दवा दे रही है।

शिव प्रदोष कथा के दौरान भव्य रूप निकली गई कलस यात्रा

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विनायक नगर, जीडीमेटला में आयोजित दिव्य ज्ञानी सदगुरुनाथ जी महाराज के मुखारविंद से शिव प्रदोष कथा (शिव महापुराण) 7 दिवसीय कथा के अंतर्गत, गुरुवार के दिन भव्य रूप से बैंड बाजे के साथ कलस यात्रा निकली गई। जिसमे माताओं बहनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मुख्य यजमान भारत भाई पटेल, धनजी भाई पटेल ने अपने सर पर बारी- बारी से पौराणिक शिव महापुराण ग्रंथ को धारण करते हुए लंबी कलस यात्रा में भाग लिया। साथ में समस्त पाटीदार समाज व विभिन्न समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक विवेक गौड़, सर्वदलीय गौरक्षा मंच के ठाकुर जयपाल सिंह नयाल, लव फॉर काऊ के जसमत भाई पटेल आदि ने महाराज जी का आशीर्वाद लिया। बीते 24 फरवरी की कथा में समाज सेवी और उद्यगपति गोपाल बल्दवा ने महाराज जी से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पंडित अशोक भाई, हरीश भाई, लक्षण भाई, रतिलाल भाई, नानाजी भाई, सुरेश भाई, गणेश भाई, चेना राम, राजेश भाई, श्यामजी भाई, जिग्नेश भाई, जगदीश भाई, ईश्वर भाई, कांजी भाई, अंबावी भाई, रमेश भाई आदि गणमान्य सहयोगी भक्त उपस्थित रहे।

पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा आज

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राममनोहर लोहिया समता न्यास की ओर से 25 फरवरी को लेखक-विचारक ए. रघु कुमार की पुस्तक - रीविजिटिंग राममनोहर लोहिया का लोकार्पण और परिचर्चा फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री स्थित सुराणा सभागार में संध्या साढ़े चार बजे आयोजित की जाएगी। पुस्तक का लोकार्पण प्रख्यात इतिहासकार प्रो. रामचंद्र गुहा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं आईटीएम विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति रमाशंकर सिंह करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी (पूर्व न्यायमूर्ति, उच्चतम न्यायालय, भारत) और समाजवादी चिंतक एवं न्यासी, राममनोहर लोहिया समता न्यास उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में राममनोहर लोहिया समता न्यास के अध्यक्ष शरद बदरीविशाल पित्ती और प्रबंध न्यासी अक्षय शरद पित्ती की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

नलसर आज उन्नीसवां वार्षिक दीक्षांत समारोह आज

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद का 19 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 25 फरवरी (शनिवार) को मनाया जाएगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डी वाई चंद्रचूड़ मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने इस अवसर पर उद्घाटन रजत जयंती व्याख्यान सह दीक्षांत भाषण दिया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और नालसार के कुलाधिपति दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे। कानून और न्याय, वन, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और बंदोबस्ती राज्य मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी दीक्षांत समारोह में सम्मानित अतिथि होंगे। नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के वाइस चांसलर प्रोफेसर श्रीकृष्ण देव राव स्वागत भाषण देंगे। नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के रजिस्ट्रार प्रोफेसर के. विद्युलता रेड्डी इस अवसर पर शैक्षणिक जुलूस का नेतृत्व करेंगे। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री पी.एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यम देश के शीर्ष न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस.एस.एम. कादरी और न्यायमूर्ति पी.वी. रेड्डी भी इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। नालसार विधि विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर रणबीर सिंह भी उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति और राज्य के मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां पीएचडी, एलएलएम, एमबीए, बीए, एलएलबी (ऑनर्स), एमए (विमानन कानून और वायु परिवहन कानून), एमए (अंतरिक्ष और दूरसंचार कानून) की डिग्री प्रदान करेंगे। ` उत्कृष्टता भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, 6-11 फरवरी, 2023 तक पेरिस में आयोजित 18वीं आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता प्रतियोगिता में 'विश्व चैंपियनशिप' जीतने वाले छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी टीम के सदस्यों को प्रदान किया जाएगा।

श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर की 30 वी वर्षगांठ एवं ध्वजारोहण सम्पन्न

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी स्थित श्री अचलगच्छ जैन संघ संचालित श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर की 30वीं वर्षगांठ के उपलक्ष मे श्री 18 अभिषेक, सत्तरभेदी पूजा एवं ध्वजारोहण भव्यता एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ । संघ के ट्रस्टी केशवजीभाई छेडा एवं मंत्री कीर्तिकुमार मोमाया ने बताया कि शासनरत्न, राष्ट्रसंत, अचलगच्छाधिपति प.पू. आ.भ. श्री गुणसागरसूरीश्वरजी म.सा एवं वर्तमान गच्छाधिपति तपस्वीरत्न साहित्य दिवाकर सौमय स्वभावी दक्षिण दीपक प.पू. आ.भ. श्री कलाप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा की आज्ञा-आशिष से तथा श्री कवीन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा., श्री महोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शुभाशिर्वादो से पूज्य साध्वी चंद्रप्रभाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या प.पू. साध्वी विजयपूर्णाश्रीजी म.सा. तथा पूज्य साध्वीश्री रत्नरेखाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या पू.साध्वी लक्ष्यलीनाश्रीजी म.सा., प.पू. साध्वीश्री जयस्मिताश्रीजी म.सा. एवं पूज्य साध्वीश्री हस्तरेखाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 3 के सानिध्य मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे संघ के केशवजीभाई छेडा, उत्तमचंद मोमाया, पोपटलाल गडा, शांतिलाल मामणिया, किर्ती मोमाया, विजय जागीरदार, भा.ज.पा. नेता दिनेश गोसर, चंद्रकांत शाह, रतिलाल छेडा, कांतीलाल शाह, जयचंद मैशेरी, हंसकुमार शाह, रिद्धीश जागीरदार, जयंत गडा, गौतम लोडाया, शांतिलाल मारू, गिरीश लोडाया, दिलीप मोमाया, निशीत शाह, सिद्धार्थ शाह, नवीन गादिया, अतुल सायला, राहुल सायला, नरेश मोमाया, दिलीप मोता, गुलाब मोता, निखिल मोमाया, रूपेश अनील मोमाया, नूतन छेडा, हिरांवती मोता, हिराबेन मोमाया, जयाबेन जागीरदार, गीता सायला, ममताबेन गाला, मधुबेन जागीरदार, नयना मोमाया, वंदना मोमाया, दिप्ती सायला, मिनाक्षी नागडा, यक्षा नागडा, अवनी राहुल छेडा, आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बीजेपी प्रवक्ता सुभाष ने केटीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने आज कहा कि एमए एंड यूडी मंत्री के तारकरामा राव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। भूपालपल्ली में केटीआर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, सुभाष ने कहा कि पूर्व भाजपा की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे थे और मोदी सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करके कीचड़ उछाल रहे थे। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारी पार्टी के नेताओं ने पिछले आठ वर्षों के दौरान तेलंगाना को इसके विकास के लिए दिए गए केंद्र सरकार के फंड पर खुली बहस की चुनौती दी, लेकिन कोई भी बीआरएस मंत्री या नेता आगे नहीं आ रहे हैं।' सुभाष ने कहा कि अगर बीआरएस नेता शराब घोटाले में शामिल नहीं हैं, तो आप हंगामा क्यों कर रहे हैं, भाजपा नेता ने सवाल किया। उन्होंने इस बात की भी आलोचना की कि देश में जहां भी घोटाले हो रहे हैं, वे सभी प्रगति भवन की ओर ले जा रहे हैं और सीएम केसीआर परिवार के सदस्य और बीआरएस के नेता शामिल हैं।

तेलंगाना ईएएमसीईटी 2023 का नोटिफिकेशन शेड्यूल जारी

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट काउंसिल फॉर हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) ने शुक्रवार को टीएस-ईएएमसीईटी 2023 का नोटिफिकेशन शेड्यूल जारी किया। परीक्षा टीएससीएचई की ओर से जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-हैदराबाद द्वारा आयोजित की जाएगी। अधिसूचना 28 फरवरी को जारी की जाएगी और ऑनलाइन आवेदन जमा करना 3 मार्च से शुरू होगा। बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल है। छात्र 12 से 14 अप्रैल के बीच जमा किए गए आवेदन पत्र में अपना विवरण, यदि कोई हो, संपादित कर सकते हैं।

टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रो. आर लिंबाद्री के अनुसार, टीएस ईएएमसीईटी के लिए 25 प्रतिशत इंटरमीडिएट वेटेज पर इस साल भी विचार नहीं किया जाएगा। टीएस ईएएमसीईटी 2023 के माध्यम से प्रवेश के लिए न्यूनतम इंटरमीडिएट अंक मानदंड यानी 45 प्रतिशत को बहाल कर दिया गया है। प्रवेश परीक्षा में 70 प्रतिशत प्रथम वर्ष और 100 प्रतिशत द्वितीय वर्ष के इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम शामिल होंगे। आवेदन 50 रुपये विलंब शुल्क के साथ भी जमा किया जा सकता है। 250, रु. 500, रु. 2,500 और 5,000 रुपये क्रमशः 15 अप्रैल, 20, 25 और 2 मई तक छात्र 30 अप्रैल से हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए टीएस ईएएमसीईटी 7, 8 और 9 मई को है और एएम स्ट्रीम के लिए टेस्ट 10 और 11 मई को है। अधिक जानकारी वेबसाइट पर https://eam-cet.tsche.ac.in मिल सकती है।

मेट्रोपॉलिटन लीगल सर्विसेज अथॉरिटी हैदराबाद, पुनर्निर्मित मीटिंग हॉल के उद्घाटन के अवसर पर, न्यायमूर्ति पी.नवीन राव, न्यायाधीश, तेलंगाना उच्च न्यायालय, कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना कानूनी सेवा प्राधिकरण, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव गोवर्धन रेड्डी, मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष बी.पापी रेड्डी, सीवी आनंद, पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सिकंदराबाद छावनी परिषद, तेलंगाना की चुनावी प्रक्रिया को लेकर हुई बैठक छावनी परिषद के अध्यक्ष व आंध्रा-तेलंगाना सब एरिया कमांडर सोमा शंकर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीईओ मधुकर नाईक, नामनेट मेंबर रामाकृष्णा आदि ने बैठक की शुरूआत में छावनी परिषद के एमएलए सायन्ना के निधन पर मौन रखकर उनकी आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

आप-भाजपा पार्षदों ...

इस पर भाजपा पार्षदों ने भी आप के खिलाफ नारेबाजी की।

स्टैंडिंग कमेटी ही एमसीडी में सबसे ताकतवर है। यह कमेटी कॉर्पोरेशन का कामकाज और मैनेजमेंट का काम देखती है। इसके अलावा प्रोजेक्ट्स को वित्तीय मंजूरी, नीतियों को लागू करने से पहले चर्चा और उसे अंतिम रूप देने का काम भी इसी कमेटी के हाथ में है। यानी निगम की मुख्य डिसीजन-मेकिंग बॉडी यह कमेटी ही है।

स्टैंडिंग कमेटी में 18 सदस्य होते हैं। इस कमेटी में एक चेयरपर्सन और डेप्युटी चेयरपर्सन होता है। इन्हें स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों में से चुना जाता है। मेयर चुनाव के बाद 6 सदस्यों को एमसीडी हाउस में सीधे चुना जाता है। दिल्ली में एमसीडी 12 जोन में बंटी है। हर जोन में एक वार्ड कमेटी होती है जिसमें क्षेत्र के सभी पार्षद और नॉमिनेटेड एल्डरमैन शामिल होते हैं। स्टैंडिंग कमेटी में जोन प्रतिनिधि भी होते हैं। ऐसे में अगर यहां भी भाजपा हारती है तो उसके पास एमसीडी में कुछ नहीं बचेगा।

बुधवार, 22 फरवरी को मेयर चुनाव हुआ था। इसके बाद होने वाला यह स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव हंगामे के बाद रुक गया। सिर्फ 47 पार्षद ही वोट डाल पाए थे। भाजपा फिर से चुनाव कराने की मांग पर डटी थी। इससे पहले बुधवार दोपहर से गुरुवार सुबह तक सदन की कार्यवाही 6 बार स्थगित की गई थी। भाजपा ने आप पर वोट की गोपनीयता भंग करने का आरोप लगाया है। इसके बाद कार्यवाही शुक्रवार सुबह तक स्थगित कर दी गई।

बुधवार को स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के दौरान कुछ पार्षद मोबाइल ले आए। इस पर भाजपा के पार्षदों ने आपत्ति जाहिर की। हंगामा इसी को लेकर शुरू हुआ। नवनिर्वाचित मेयर शैली ओबेरॉय अपनी कुर्सी पर थीं और भाजपा के सदस्य वहीं पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने बैलेट बॉक्स पलट दिया। इसके बाद आप और भाजपा दोनों के पार्षदों के बीच मारपीट शुरू हो गई। सदन में हर तरफ सदस्य एक-दूसरे से लड़ते-भिड़ते और हाथापाई करते नजर आए। महिलाओं ने भी एक-दूसरे पर हमला किया। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई।

सुकेश चंद्रशेखर की ...

चंद्रशेखर ने मालविंदर के भाई शिविंदर सिंह की पत्नी के साथ भी कथित तौर पर धोखाधड़ी की थी।

इससे पहले गुरुवार को दिल्ली कारागार विभाग ने सुकेश चंद्रशेखर के सेल पर छापा मारकर एक लाख रुपये से अधिक की चप्पल और दो महंगी जींस बरामद की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, सुकेश चंद्रशेखर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत शहर की मंडोली जेल में बंद है। छापेमारी के एक सीसीटीवी वीडियो में जेलर दीपक शर्मा और जयसिंह के सामने सुकेश को रोते हुए दिखाया गया है। फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

आरएसएस : पाकिस्तान को ...

उन्होंने कहा, पाकिस्तान हमसे लड़ता रहा है। भारत से 4 युद्ध लड़ चुका है। हमला पाकिस्तान ही करता है। वो दिन-रात हमें अपमानित करते हैं फिर भी हम चाहते हैं कि वो सुखी हों।

सह-सरकार्यवाह ने कहा, दोनों देशों के बीच इस दूरी का क्या फायदा है। हम तो चाहते हैं कि उनके यहां पर कोई कुत्ता भी भूखा ना रहे। हम सर्वे भवन्तु सुखिन: में भरोसा करने वाले देश हैं। पाकिस्तान हमसे मांग नहीं रहा है, लेकिन भारत को गेहूं भेज देना चाहिए। भारत की धरती पर कोई भी व्यक्ति भले वह जैन, सिख, वैष्णव, आर्य समाजी हो, वो सर्वे भवंतु सुखिन: के बिना अधूरा है।

असम के सीएम ...

सरमा ने गुरुवार को पवन खेड़ा पर असम पुलिस की कार्रवाई को सही बताया था। सरमा ने कहा, खेड़ा चाहे आसमान में हों या धरती पर, अगर अपराध हुआ है तो पुलिस को गिरफ्तार करने का अधिकार है। सरमा ने कहा, कैसे किसी को गिरफ्तार किया गया है, किस प्रक्रिया का पालन किया गया है वो अलग बात है। असम पुलिस अपना कर्तव्य निभा रही थी।

इस मामले में तीन दिन पहले सरमा ने पवन खेड़ा और कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ऐसे बयानों के लिए देश कांग्रेसियों को माफ नहीं करेगा। 20 फरवरी को सरमा ने एक ट्वीट किया, गलती न करें, प्रधानमंत्री के पिता पर दरबारी पवन खेड़ा की अमर्यादित टिप्पणी को कांग्रेस के शीर्ष स्तर का आशीर्वाद प्राप्त है, जो एक विनम्र मूल के व्यक्ति के पीएम होने के खिलाफ पात्रता और तिरस्कार से भरा है। कांग्रेसियों की इन भयानक टिप्पणियों को भारत न तो भूलेगा और न ही माफ करेगा।

पवन खेड़ा को जिस बयान की वजह से गिरफ्तार किया गया, वह बयान उन्होंने 20 फरवरी को दिल्ली में दिया था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर उन्होंने कहा था, जब अटल बिहारी वाजपेयी जेपीसी बना सकते हैं तो नरेंद्र गौतमदास मोदी को क्या समस्या है। अपने बयान में उन्होंने नरेंद्र दामोदरदास मोदी को गौतमदास मोदी कहा था।

अब कोर्ट खेड़ा की गिरफ्तारी और तीनों केस को क्लब करने को लेकर 27 फरवरी को अगली सुनवाई करेगा। इधर, शाम को दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद खेड़ा को 30 हजार के बॉन्ड पर अंतरिम जमानत दे दी।

6 साल बाद आईपीएल में 3 बाहरी कप्तान: 15 सीजन में 3 ही विदेशी चैंपियन बना सके

खेल डेस्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग का 16वां सीजन 31 मार्च से शुरू होगा। उससे पहले सभी 10 आईपीएल टीमों ने अपने कप्तानों के नाम जारी कर दिए हैं। 8 टीमों के कप्तान पहले से तय थे। गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स ने घायल ऋषभ पंत की जगह ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर को कप्तान बनाया। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद ने साउथ अफ्रीका के ऐडन मार्करम को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया।

मार्करम और वॉर्नर से पहले पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस के रूप में विदेशी कप्तान चुना था। इन 3 टीमों में ही इस वक्त विदेशी कप्तान हैं। बाकी 7 टीमों में भारतीय कप्तान हैं। ऐसा 6 सालों बाद हुआ है जब IPL में 3 विदेशी कप्तान देखने को मिलेंगे। आगे स्टोरी में हम सभी 10 टीमों के कप्तान, उनका फुल स्क्वॉड, पॉसिबल प्लेइंग-11, स्ट्रेंथ और वीकनेस जानेंगे।

सभी 10 टीमों के कप्तान...

6 साल बाद 3 विदेशी कप्तान

2017 के आईपीएल सीजन में 3 विदेशी प्लेयर्स ने आईपीएल टीम की कमान संभाली थी। तब ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब, स्टीव स्मिथ ने राजस्थान और डेविड वॉर्नर ने हैदराबाद की कप्तानी की। इसके बाद 2018 से 2021 तक 8 में से एक या 2 टीमों की कमान ही किसी विदेशी ने संभाली। हालांकि 2011 में 10 टीमें शामिल हुई थीं, तब 5 विदेशियों ने कप्तानी की। वहीं, 2013, 2014 और 2015 में 4-4 विदेशियों ने कमान संभाली, लेकिन इन सभी सीजन में किसी भारतीय कप्तान ने ही ट्रॉफी जीती।

पिछले सीजन में एक ही विदेशी कप्तान

2022 में 10 टीमें होने के बावजूद एक फाफ डु प्लेसिस ही बतौर विदेशी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की कमान संभाल रहे थे। ऋषभ पंत के घायल हो जाने के बाद अब दिल्ली को मजबूरी में वॉर्नर को बतौर रिप्लेसमेंट कप्तान नियुक्त करना पड़ा। वहीं, हैदराबाद ने लंबे समय के लिए मार्करम को कप्तान बनाया है।

इन विदेशी कप्तानों ने चैंपियन बनवाया

2008 में शेन वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स को, 2009 में एडम गिलक्रिस्ट ने डेक्कन चार्जर्स को और 2016 में डेविड वॉर्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चैंपियन बनाया था। इन 3 विदेशी कप्तानों के अलावा 12 बार भारतीय कप्तानों ने ही आईपीएल टीम को चैंपियन बनाया। भारत से रोहित शर्मा के नाम सबसे ज्यादा 5 बार मुंबई को और महेंद्र सिंह धोनी के नाम 4 बार चेन्नई को चैंपियन बनाने का रिकॉर्ड है। गौतम गंभीर ने कोलकाता को 2 बार और पिछले साल हार्दिक पंड्या ने गुजरात को पहली बार में ही चैंपियन बनाया। सभी 10 टीमों का फुल स्क्वॉड, उनकी पॉसिबल प्लेइंग-11, स्ट्रेंथ और वीकनेस...

1. चेन्नई सुपर किंग्स। महेंद्र सिंह धोनी, कप्तान

आईपीएल के 13 सीजन में शामिल रही चेन्नई सुपर किंग्स टीम को महेंद्र सिंह धोनी ने 11 बार प्लेऑफ में पहुंचाया है। 9 बार टीम ने फाइनल खेला और 4 बार चैंपियन भी बनी। धोनी को सबसे ज्यादा 210 आईपीएल मैचों में कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने 123 में जीत दिलाई और 86 में टीम को हार मिली। एक मुकाबला बेनतीजा रहा। धोनी ने 234 आईपीएल मैचों में 135.20 के स्ट्राइक रेट से 4978 रन बनाए हैं। इनमें 24 फिफ्टी शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** अनुभवी खिलाड़ी, 9 नंबर तक बैटिंग और ऑलराउंडर से सजी सीएसके चेपॉक के मैदान पर बहुत खतरनाक हो सकती है। टीम में मोइन, जडेजा, सैंटनर और तीक्षणा के रूप में शानदार स्पिनर मौजूद हैं। **वीकनेस :** तेज गेंदबाजों की भारी कमी। जेमिसन टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। रिस्ट स्पिनर भी नहीं है। टॉप ऑर्डर अटैकिंग नहीं है।

2. दिल्ली कैपिटल्स। डेविड वॉर्नर, कप्तान

आईपीएल के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में से एक वॉर्नर इससे पहले भी दिल्ली की कप्तानी कर चुके हैं। उन्हें हैदराबाद की कप्तानी करते हुए टीम को चैंपियन बनाने का अनुभव भी है। ओवरऑल कप्तानी के 69 मैचों में उन्होंने टीम को 35 में जीत दिलाई। 32 मुकाबले टीम ने हारे और 2 टाई भी रहे। 162 आईपीएल मैचों में उन्होंने 140.69 के स्ट्राइक रेट से 5881 रन बनाए हैं। इनमें 4 शतक और 55 फिफ्टी प्लस स्कोर शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** फिल सॉल्ट और राइली रुसो के रूप में अटैकिंग विदेशी बैटर्स मौजूद। टॉप ऑर्डर में वॉर्नर और शॉ भी खतरनाक कॉम्बिनेशन हैं। अक्षर और कुलदीप के रूप में अनुभवी इंटरनेशनल स्पिनर भी हैं। **वीकनेस:** पंत की गैरमौजूदगी में घरेलू विकेटकीपर ढूंढना होगा। जिससे विदेशी बैटर्स का समीकरण बिगड़ेगा। मार्श, रुसो में से किसी एक को ही खिला सकेंगे। अनुभवी ऑफ स्पिनर और घरेलू पेसर्स की कमी भी है।

3. गुजरात टाइटंस। हार्दिक पंड्या, कप्तान

मुंबई छोड़ने के बाद हार्दिक ने पिछले सीजन में पहली बार आईपीएल टीम की कप्तान की। 15 में से 11 में जीत और 4 में हार मिली। सबसे अहम बात ये कि टीम चैंपियन बनी। हार्दिक ने अब तक 107 आईपीएलमैचों में 147.59 के स्ट्राइक रेट से 1963 रन बनाए हैं। इनमें 8 फिफ्टी शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** विस्फोटक मिडिल ऑर्डर बैटिंग लाइन अप के साथ 8 नंबर तक बैटर्स उपलब्ध हैं। राशिद, शमी और अलजारी जोसेफ जैसे टॉप क्लास बॉलर भी टीम में हैं। **वीकनेस :** मिडिल ऑर्डर में एंकर रोल निभाने वाले प्लेयर की कमी। अनुभवी ऑफ स्पिनर भी नहीं है।

4. कोलकाता नाइट राइडर्स। श्रेयस अय्यर, कप्तान

दिल्ली और कोलकाता की कप्तानी कर चुके श्रेयस पिछले सीजन अपनी टीम को प्लेऑफ में नहीं पहुंचा सके। कप्तानी के 55 मैचों में उन्होंने टीम को 27 में जीत दिलाई, जबकि 26 में हार भी मिली और 2 मुकाबले टाई भी हुए। अब तक 101 IPL मैचों में अय्यर ने 125.38 के स्ट्राइक रेट से 2776 रन बनाए हैं। इनमें 19 फिफ्टी आईं। **स्ट्रेंथ :** मिडिल ऑर्डर बेहद मजबूद, विदेशी और घरेलू ऑलराउंडर टीम को स्ट्रॉन्ग बना रहे हैं। घरेलू और विदेशी फास्ट बॉलर के साथ नरेन और चक्रवर्ती के रूप में मिस्ट्री स्पिनर उपलब्ध हैं। **वीकनेस :** ओपनिंग बैटर्स को अनुभव नहीं। टॉप ऑर्डर में एक भी विस्फोटक विदेशी बैटर नहीं है। रिस्ट स्पिनर की कमी के साथ बैटिंग लाइन-अप में गहराई भी नहीं है।

5. लखनऊ सुपरजायंट्स। केएल राहुल, कप्तान

राहुल ने जब-जब IPL टीम की कमान संभाली, हर बार अपनी बैटिंग से शानदार परफॉर्मेंस किया है। अब तक 42 मैचों में कप्तानी करते हुए उनकी टीम को 20 में जीत और 20 में ही हार मिली। वहीं, 2 मुकाबले टाई रहे। 109 आईपीएल मैचों में राहुल ने 136.22 के स्ट्राइक से 3889 रन बनाए हैं। इनमें 4 शतक और 31 फिफ्टी शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** राहुल, डी कॉक, पूरन और हुड्डा के रूप में अटैकिंग और अनुभवी टॉप ऑर्डर मौजूद। लोअर ऑर्डर में क्रुणाल और स्टॉइनिस भी उपलब्ध हैं। घरेलू और विदेशी पेस बॉलर्स का बेहतरीन कॉम्बिनेशन। **वीकनेस :** बैटिंग में गहराई नहीं है। क्वालिटी ऑफ स्पिनर के साथ मिडिल ऑर्डर बैटिंग में अनुभव की कमी।

6. मुंबई इंडियंस। रोहित शर्मा, कप्तान

टूर्नामेंट के सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा ने 2013 में मुंबई की कमान संभाली। तब से वे 5 बार टीम को चैंपियन बना चुके हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी के 143 मैचों में से टीम को 79 में जीत दिलाई। 60 में हार मिली, वहीं 4 मुकाबले टाई भी रहे। रोहित ने 227 आईपीएल मैचों में 129.89 के स्ट्राइक रेट से 5879 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और 40 अर्धशतक शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** आक्रामक बैटिंग लाइन-अप, ताबड़तोड़ फास्ट बॉलिंग लाइन-अप टीम को मजबूती दे रहा है। टीम में क्वालिटी घरेलू प्लेयर्स की भी भरमार है। **वीकनेस :** मिडिल ऑर्डर बैटर्स में अनुभव की कमी, स्पिन अटैक बेहद कमजोर, विदेशी ऑलराउंडर्स को भी अनुभव नहीं।

पॉसिबल प्लेइंग-11

रोहित शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, ऋतिक शौकीन, कुमार कार्तिकेय, जोफ्रा आर्चर और जसप्रीत बुमराह।

7. पंजाब किंग्स। शिखर धवन, कप्तान

टूर्नामेंट के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक शिखर धवन को पंजाब ने नया कप्तान बनाया। आईपीएल के 206 मैचों में उन्होंने 126.35 के स्ट्राइक रेट से 6244 रन बनाए हैं। इनमें 2 शतक और 47 फिफ्टी शामिल हैं। हैदराबाद और पंजाब के लिए उन्होंने 11 मैचों में कप्तानी भी की हैं। 4 में जीत और 7 में टीम को हार मिली। **स्ट्रेंथ :** बेयरस्टो और लिविंगस्टोन के रूप में अटैकिंग टॉप ऑर्डर। सैम करन और कगिसो रबाडा जैसे बेहतरीन विदेशी बॉलर और ऑलरांडर अवेलेबल हैं। राहुल चाहर की रिस्ट स्पिन भी टीम को मजबूती दे रही है। **वीकनेस :** मिडिल ऑर्डर में एक्सपीरियंस की कमी। घरेलू टॉप-ऑर्डर बैटर नहीं। स्पिन अटैक कमजोर है। बैटिंग में गहराई भी नजर नहीं आ रही।

8. राजस्थान रॉयल्स। संजू सैमसन, कप्तान

सैमसन पिछले 2 सीजन से राजस्थान की कप्तानी कर रहे हैं। पिछले सीजन में वह टीम को फाइनल तक ले गए, लेकिन जिता नहीं सके। ओवरऑल कप्तानी के 31 मैचों में 15 उन्होंने जिताए और 16 में टीम को हार मिली। 138 आईपीएल मैचों में संजू ने 135.72 के स्ट्राइक रेट से 3526 रन बनाए। इनमें 3 शतक और 17 फिफ्टी भी आईं। **स्ट्रेंथ :** अटैकिंग और संभलकर बैटिंग करने वाले बैटर्स टॉप ऑर्डर में मौजूद। इनके बाद 3 बेहतरीन ऑलराउंडर्स भी उपलब्ध। 8वें नंबर तक बैटिंग के साथ चहल, अश्विन, बोल्ट और होल्डर जैसे अनुभवी बॉलर्स भी टीम में हैं। **वीकनेस :** टीम में 4 नंबर तक टॉप क्लास टी-20 ओपनर्स हैं। इन्हें रोल क्लियर नहीं है। लेफ्ट आर्म स्पिनर और घरेलू फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की कमी भी है।

पॉसिबल प्लेइंग-11 :

जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), देवदत्त पड्डीकल, शिमरोन हेटमायर, रियान पराग, जेसन होल्डर, रविचंद्रन अश्विन, नवदीप सैनी/कुलदीप सेन, युजवेंद्र चहल और ट्रेंट बोल्ट।

9. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु। फाफ डु प्लेसिस, कप्तान

पिछले सीजन में पहली बार आईपीएल कप्तानी का मौका मिला। टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया, लेकिन क्वालिफायर-2 हार गए। कप्तानी के 16 मैचों में से 9 जीते और 7 हारे। आईपीएल के 116 मैचों में साउथ अफ्रीका के डु प्लेसिस ने 130.58 के स्ट्राइक रेट से 3403 रन बनाए हैं। इनमें 25 फिफ्टी शामिल हैं। **स्ट्रेंथ :** अटैकिंग टॉप-ऑर्डर बैटिंग लाइन-अप के साथ 9 नंबर तक बैटर्स उपलब्ध हैं। कोहली, डु प्लेसिस, मैक्सवेल, कार्तिक के रूप में अनुभवी प्लेयर्स भी हैं। **वीकनेस :** लोअर ऑर्डर बैटिंग में एक ही अनुभवी बैटर। ऑलराउंडर्स बैटिंग से ज्यादा बॉलिंग में कारगर हैं। स्पेशलिस्ट ऑफ स्पिनर की कमी और टी-20 स्पेशलिस्ट फास्ट बॉलर्स कम हैं।

10. सनराइजर्स हैदराबाद। ऐडन मार्करम, कप्तान

कप्तान ऐडन मार्करम पिछले सीजन में पूरे 14 मैच खेल कर 139.05 के स्ट्राइक रेट से 381 रन ही बना सके। ओवरऑल उन्हें 20 आईपीएल मैचों का अनुभव है। इनमें उन्होंने 134.10 के स्ट्राइक रेट से 527 रन बनाए हैं। SA20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को पहले ही सीजन में चैंपियन बनाया। अब सनराइजर्स को दूसरी बार चैंपियन बनने के इरादे से आईपीएल में उतरेंगे। **स्ट्रेंथ :** आदिल रशीद के रूप में वर्ल्ड कप विनर लेग स्पिनर, भुवनेश्वर, यानसेन, उमरान और नटराजन जैसे बेहतरहीन बॉलर्स अवेलेबल। हैरी ब्रूक, मंयक और अभिषेक शर्मा के रूप में अटैकिंग बैटिंग लाइन अप भी मौजूद है। **वीकनेस :** मार्करम को IPL का अनुभव कम है। टीम में घरेलू विकेटकीपर नहीं है। स्पिन लाइन-अप में बैकअप की कमी भी साफ नजर आ रही है।

सभी टीमों की स्ट्रेंथ और वीकनेस

इंदौर टेस्ट नहीं खेलेंगे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस

उपकप्तान स्टिव स्मिथ संभालेंगे जिम्मेदारी; 1 मार्च से खेला जाएगा तीसरा टेस्ट

खेल डेस्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट पैट कमिंस नहीं खेलेंगे। उनकी जगह स्टीव स्मिथ को कमान सौंपी गई है। टेस्ट 1 मार्च से शुरू हो रहा है। कमिंस दूसरे टेस्ट में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। उनकी मां की तबीयत खराब है। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 4 टेस्ट मैच खेले जाने हैं। ऑस्ट्रेलिया 2 टेस्ट हार चुका है। अब ट्रॉफी भारत के पास ही रहेगी, क्योंकि वह पिछली सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के 6 खिलाड़ी घर पहुंचे

ऑस्ट्रेलियाई टीम के 6 प्लेयर्स वतन लौट चुके हैं। डेविड वॉर्नर चोट के चलते सीरीज से बाहर हो चुके हैं और वन डे टीम में शामिल किए गए ग्लेन मैक्सवेल की कलाई मैच के दौरान टूट चुकी है। हालांकि मैक्सवेल स्क्वाड में शामिल किए गए हैं।

इंदौर टेस्ट के लिए स्टार्क और ग्रीन फिट

तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गैर मौजूदगी में टीम के पेसर मिचेल स्टार्क बॉलिंग अटैक को लीड कर सकते हैं। स्टार्क दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होम टेस्ट सीरीज में चोटिल हो गए थे। अब वे तीसरे टेस्ट के लिए फिट हो चुके हैं। साथ ही ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को भी फिट बता दिया गया है। वे अब इंदौर टेस्ट खेल सकते हैं।

वार्नर को सिराज की गेंद पर लगी थी चोट

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर दिल्ली टेस्ट के दूसरे दिन टीम से बाहर हो गए थे। उन्हें इंडियन पेसर मोहम्मद सिराज की गेंद पर सिर में चोट लगी थी। उन्हें कोहनी में भी चोट आई थी। इस कारण वे अब घर जा रहे हैं।

रूट-ब्रूक के बीच 294 रनों की नाबाद पार्टनरशिप

इंग्लैंड ने पहले दिन 315/3 का स्कोर बनाया, ब्रूक दोहरे शतक के करीब

वेलिंग्टन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में शुक्रवार को दूसरे टेस्ट के पहले दिन 3 विकेट खो कर 315 रन बना लिए है। इंग्लैंड ने पहले 6 ओवर में 3 विकेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। पहले दिन 65 ओवर ही हो सके। इसके बाद बारिश आ गई और पहला दिन खत्म हो गया।

पहले दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक के बीच 294 रनों की शानदार पार्टनरशिप हुई। रूट 101 रन और हैरी ब्रूक 184 रन पर नाबाद है। ब्रूक दोहरे शतक से सिर्फ 16 रन दूर हैं।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। ओपनिंग करने उतरे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉले 2 रन और बेन डकेट 9 रन बना कर आउट हो गए। वहीं तीसरे नंबर पर आए ओली पोप 10 रन ही बना सके। उन्हें मैट हेनरी ने चलता किया।

6.4 ओवर तक टीम का स्कोर 21 रन पर 3 विकेट था। इसके बाद रूट और ब्रूक ने 294 रनों की शानदार साझेदारी की और स्टंप्स तक 65 ओवर में 315 रन का स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी को 2 और टिम साउदी को 1 विकेट मिला।

दो टेस्ट की सीरीज में इंग्लैंड पहला टेस्ट जीत चुका है। पहल टेस्ट डे-नाईट पिंक बॉल के साथ हुआ था। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड ने अपनी आक्रामक शैली बरकरार रखी और न्यूजीलैंड में 15 साल बाद टेस्ट मैच जीता था। माउंट मेंगनुई के बे ओवल मैदान पर इंग्लैंड ने 394 रन का टारगेट दिया था। जवाब में कीवी टीम चौथी पारी में 126 रन ही बना सकी थी।दोनों पारियों में आक्रामक फिफ्टी जड़ने वाले हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

दोनो टीमों की प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड -टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे, विल यंग,केन विलियमसन, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल(विकेटकीपर) ,माइकल ब्रेसवेल,नील वैगनर, टिम साउदी (कप्तान), मैट हेनरी।

इंग्लैंड - जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फोक्स (विकेटकीपर), ओली रॉबिन्सन, स्टुअर्ट ब्रॉड, जैक लीच, जेम्स एंडरसन।

तमिलनाडु लीग: पहली बार राज्य स्तरीय लीग में नीलामी

अश्विन, कार्तिक जैसे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

चेन्नई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। देश का टी20 क्रिकेट लीग कल्चर एक नए मुकाम पर पहुंच गया, जब गुरुवार को तमिलनाडु राज्य की स्थानीय तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में खिलाड़ियों के चयन के लिए दो दिवसीय नीलामी की शुरुआत हुई। आईपीएल ऑक्शन की तर्ज पर आयोजित ये नीलामी महाबलीपुरम के प्लश होटल में आयोजित हो रही है। पहले दिन की नीलामी में चेन्नई के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन सबसे महंगे बिके। 21 साल के सुदर्शन को लाइका कोवई किंग्स ने 21.6 लाख रुपए की रिकॉर्ड राशि देकर खरीदा।

नीलामी में लीग की कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनकी अधिकतम पर्स राशि 70 लाख रुपए है। नीलामी के लिए 972 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। तमिलनाडु प्रीमियर लीग में पहली बार खिलाड़ियों के चयन के लिए नीलामी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इससे पहले के 6 सीजन में खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के माध्यम से टीमों में शामिल किया गया था। लीग का 7वां सीजन आगामी जून-जुलाई में होना संभावित है। प्रसिद्ध एंकर चारु शर्मा ने नीलामी का संचालन किया।

नीलामी में 4 कैटेगरी, इंटरनेशनल खिलाड़ी का बेस प्राइज 10 लाख

नीलामी के लिए खिलाड़ियों को 4 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी ए में इंटरनेशनल खेल चुके खिलाड़ी, कैटेगरी बी में बीसीसीआई के सीनियर डोमेस्टिक टूर्नामेंट में खेल चुके खिलाड़ी, कैटेगरी सी में टीएनपीएल के 30 से ज्यादा मैच खेल चुके खिलाड़ी और और डी कैटेगरी में अन्य प्लेयर्स शामिल हैं। इंटरनेशनल खिलाड़ियों का बेस प्राइज 10 लाख रुपए है। न्यूनतम 1.50 लाख रुपए बेस प्राइज रखा है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में फिर दिल्ली-नागपुर पिच की चर्चा

कहा- आईसीसी की नजर में पिच एवरेज थी, परफेक्ट नहीं पर खेलने लायक थी

खेल डेस्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो टेस्ट के लिए नागपुर और दिल्ली में भारत की पिचों को आईसीसी से औसत रेटिंग मिली है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के मीडिया पब्लिकेशन सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने इसका जिक्र अपनी रिपोर्ट में किया। सीरीज के शुरू होने से पहले ही पिच को लेकर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया लगातार सवाल उठाती रही है। नागपुर में विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की पिच को जिम्बाब्वे के मैच रेफरी ऐंडी पाइक्रॉफ्ट ने औसत रेटिंग दी है। वहीं दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की पिच को भी औसत रेटिंग दी गई।

नागपुर पिच पर ऑस्ट्रेलिया टीम और वहां की मीडिया की बहुत रुचि थी। स्टार बैटर डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ ने पिच को बहुत बार देखा था। बाद में यह सवाल भी उठा था की पिच का कुछ हिस्से पर पानी डाला गया है और कुछ हिस्सा सूखा छोड़ दिया गया है।

आईसीसी देशों के बीच खेले गए हर टेस्ट मैच,वनडे और टी-20 के लिए पिच और ऑउटफील्ड के लिए आईसीसी मैच रेफरी से रेटिंग लेता है। मैच में ड्यूटी पर मौजूद आईसीसी मैच रेफरी मैच खत्म होते ही पिच और आउटफील्ड को पॉइंट करता है और उसकी एक रिपोर्ट आईसीसी को भेजता है।

पिच और ऑउटफील्ड की 6 रेटिंग होती है। इसमें वेरी गुड, गुड, एवरेज, बिलो एवरेज, पुअर और अनफिट आता है। एवरेज का मतलब होता है कि पिच परफेक्ट नहीं थी, लेकिन निष्पक्ष थी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट इंदौर में 1 मार्च से खेला जाएगा। पहले यह टेस्ट हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में होना था, लेकिन आउटफील्ड तैयार नहीं होने के कारण टेस्ट के वेन्यू को इंदौर शिफ्ट कर दिया गया। टीम इंडिया ने दिल्ली टेस्ट जीतने के साथ ही लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। भारत ने दिल्ली टेस्ट के तीसरे ही दिन ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसके साथ ही बीजीटी पर भारत का कब्जा बरकरार रहना तय हो गया।

खराब पारी खेलने के बाद वॉशरूम में रोता था दिनेश कार्तिक

खेल डेस्क, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा कि उन्हें केएल राहुल के लिए बुरा लगा। राहुल दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी रन नहीं बना सके। कार्तिक ने कहा - मुझे राहुल के लिए दूसरी पारी में बुरा लगा, उसने वहा कुछ गलत नहीं किया। उन्होंने मजबूती से लायन की एक बैक-ऑफ-एक-लंबाई वाली डिलीवरी का सामना किया, लेकिन फॉरवर्ड शॉर्ट लेग में पीटर हैंड्सकॉम्ब ने किसी तरह अपने पैड और बॉडी से बॉल को कीपर एलेक्स केरी की ओर भेजने में कामयाबी हासिल की और राहुल आउट हो गए।

क्रिकबज को दिए एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक ने कहा - मैं भी अपने करियर में ऐसे दौर से गुजर चुका हूं, जहां मैं वाशरूम में गया और खूब रोया। यह एक प्रोफेशनल दुनिया है। आपको अपनी समस्या से खुद ही निपटना पड़ता है। मुझे हमेशा ऐसा ही लगता है कि हर पारी मेरी आखिरी पारी होगी।

कार्तिक ने आगे बताया - मैं कई बार ड्रेसिंग रूम में गया और फिर चुप-चाप ड्रेसिंग रूम में जा कर रोया। जब भी ऐसा होता था मुझे बुरा लगता था, लेकिन कई बार चीजें आपके हाथों में नहीं होती है।

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल हारने के बाद रो पड़ीं हरमनप्रीत

इंडियन कैप्टन ने चश्मा लगाया, बोलीं- नहीं चाहती देश मुझे रोता हुआ देखे

केप टाउन, 24 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार को सेमीफाइनल मैच हारने के बाद हरमनप्रीत पूर्व कैप्टन अंजुम चोपड़ा से लिपटकर रो पड़ीं। टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल हारने के बाद इंडियन वुमंस टीम की कैप्टन हरमनप्रीत रो पड़ी थीं। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा मैच के बाद उनसे मिलने आईं तो हरमनप्रीत उनसे लिपट गईं। हालांकि बाद में खुद को संभाला। हरमनप्रीत ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में चश्मा पहन रखा था। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहती देश मेरे आंसू देखे। अगर मैं अंत तक क्रीज पर रहती तो हम मैच जीत जाते। अगर मेरा बैट क्रीज में न फंसता तो वह रन आसानी से हो जाता। हम एक ओवर पहले मैच जीत जाते। ऋचा और दीप्ति क्रीज पर थीं। मुझे भरोसा था। पूरे टूर्नामेंट में ऋचा ने शानदार बल्लेबाजी की है। पर 7-8 खाली गेंदों ने मैच पलट दिया। साउथ अफ्रीका के केपटाउन में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 173 रन का टारगेट दिया था। भारत 33 पर 3 विकेट खो चुकी थी पर हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 69 रन की पारी से भारत जीत की ओर बढ़ती दिख रही थी। लेकिन जेमिमा के विकेट के बाद हरमनप्रीत दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गईं। आसान रन लेते वक्त उनका बैट क्रीज में फंस गया था। भारत को इस मैच में 5 रन से हार मिली।

अंजुम चोपड़ा ने कहा, मैं टीम की कप्तान को बाहर से सहानुभूति देना चाहती थी। बाहर से तो सहानुभूति ही दे सकती हूं। उसके लिए भावुक पल था। बहुत बार भारतीय टीम सेमीफाइनल पहुंची और हारी है। मैंने बहुत बार ऐसा देखा है। मैंने देखा है कि उसने अपने स्वास्थ्य और चोटों से लड़ाई लड़ी है। शायद वो सेमीफाइनल खेलती नहीं।

विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को दोगुना करने की योजना : केटीआर

बायोएशिया 2023 के 20 वें संस्करण का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने कहा है कि तेलंगाना ने 2030 तक लाइफ साइंस-फार्मा इकोसिस्टम वैल्यू को दोगुना करके 100 बिलियन डॉलर करने का विजन रखा है। शुक्रवार को यहां राज्य के प्रमुख उद्योग कार्यक्रम, बायोएशिया 2023 के 20 वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में पारिस्थितिकी तंत्र का मूल्य पहले ही पिछले साल 80 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया था और विश्वास व्यक्त किया कि राज्य 2025 तक 100 बिलियन अमरीकी डालर के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। यह कहते हुए कि तेलंगाना जीवन विज्ञान, फार्मा और समग्र स्वास्थ्य सेवा के विकास के महत्व की पहचान करने में सबसे आगे रहा है, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में जीवन विज्ञान क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों से देश के औसत 14 प्रतिशत की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने पिछले 7 वर्षों के दौरान 3 बिलियन डॉलर से अधिक का नया निवेश आकर्षित किया है और कुल 4.5 लाख से अधिक नौकरियों का रोजगार सृजित किया है। केटीआर ने खुलासा किया, "हमारा अंतिम उद्देश्य तेलंगाना को दुनिया के जीवन विज्ञान उद्योग की ज्ञान राजधानी बनाना है। हम पहले से ही दुनिया भर में 1000 से अधिक जीवन विज्ञान कंपनियों की सेवा करते हैं, जिनमें शीर्ष 10 फार्मा कंपनियां भी शामिल हैं।" यह देखते हुए कि तेलंगाना के जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र का मूल्य 2030 तक $250 बिलियन को पार कर जाएगा, मंत्री ने कहा कि बड़े पैमाने पर विनिर्माण, अनुसंधान, विकास और नवाचार, उच्च अंत और क्रॉस वैल्यू चेन का निर्माण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रौद्योगिकी के अभिसरण सहित चार स्तंभ मदद करेंगे।

मेडिकल छात्रों ने एमजीएम में ओपी सेवाओं का बहिष्कार किया

हड़ताल का नोटिस दिया

वारंगल, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों मेडिकल छात्रों ने आज पीजी मेडिकल छात्रा प्रीति की आत्महत्या के प्रयास मामले के आरोपी सैफ के खिलाफ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं को लागू करने के स्थानीय पुलिस के फैसले की निंदा की। पुलिस द्वारा आपातकालीन सेवाओं पर रोक लगाने के विरोध में उन्होंने एमजीएम अस्पताल में सभी बाह्य रोगी सेवाओं का बहिष्कार किया। उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक को हड़ताल का नोटिस भी दिया। बाद में उन्होंने अस्पताल के सामने धरना दिया और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने एससी, एसटी प्रिवेंशन ऑफ एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं को तत्काल वापस लेने की मांग वाली तख्तियां भी प्रदर्शित कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, मेडिकल छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रीति द्वारा आत्महत्या के प्रयास की घटना को बताते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा झूठी खबर फैलाई जा रही है। वे हैरान थे कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैली खबरों के आधार पर सैफ के खिलाफ आपराधिक मामला कैसे दर्ज कर लिया? उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनके पेशे में वरिष्ठों द्वारा जूनियर्स को फटकारना बहुत आम बात है और कहा कि यह चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में कोई नया चलन नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की कि पुलिस सैफ के खिलाफ सभी आरोप वापस ले।

बेटी की गलतियों को दिखाने में जुटा कॉलेज प्रशासन

पीजी मेडिको की छात्रा के पिता का आरोप

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के पोस्ट-ग्रेजुएट छात्र ने एक वरिष्ठ द्वारा कथित रूप से परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना वारंगल में घटी, और पीड़ित को बाद में बेहतर देखभाल और इलाज के लिए हैदराबाद में निज़ाम के आयुर्विज्ञान संस्थान लाया गया। उसकी हालत गंभीर है, और वर्तमान में उसे ईसीएमओ से लाइफ सपोर्ट मिल रहा है क्योंकि उसके सभी अंग विफल हो गए हैं। एक प्रेस मीट में, पीड़िता के पिता ने अपनी बेटी की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि उसने 21 फरवरी से सुधार के कोई संकेत नहीं दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि उसकी सांस नहीं चल रही है, और उसने अपनी आँखें नहीं खोली हैं अभी तक उनसे बात नहीं की। पीड़िता के पिता के मुताबिक डॉक्टर उनकी बेटी का बेहतर इलाज कर रहे हैं। पीड़िता के पिता ने यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन ने आरोपी के खिलाफ उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और बदले में उन्हें धमकी दी।

बाइबिल हाउस, रेलवे ओवर ब्रिज की मरम्मत का काम शुरू

आवागमन करने वाले लोगों को मिली थोड़ी राहत

----'स्वतंत्र वार्ता' की खबर पर रेलवे ने की पहल---

हैदराबाद, 24 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में स्थित बाइबिल हाउस के पास बने रेलवे ओवर ब्रिज की मरम्मत काम शुरू हो गया। इस पुल के नीचे से रोज गुजरने वाले लाखों की समस्या को देखते हुए 'स्वतंत्र वार्ता' ने 22 फरवरी के अंक में एक खबर प्रमुखता से छापी थी। इस खबर के बाद समस्या की जानकारी मिलने पर दमरे के वरिष्ठ अधिकारी एक्शन मोड में आ गए। पुल की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। पुल पर लगी लोहे के चादर में बने होल को बंद कर दिया गया है। हालांकि अभी भी कुछ जगहों पर होल बने हुए है। रेलवे सूत्रों की माने तो ओबर ब्रिज की मरम्मत का बेहतर तरीके से किया जा रहा है। दूसरे अन्य पुलों की भी जांच की जा रही है। वहां भी मिलने वाली कमियों को दूरूस्त किया जाएगा। गौरतलब है कि है शहर के वयस्तम मार्ग सिकंदराबाद, बाइबिल हाउस पर स्थित रेलवे के ओवरब्रिज में लगाई गई लोहे की चादर में बड़े-बड़े छेद हो गए थे। इस रास्ते से रोज लाखों की संख्या में लोगों का गुजरना होता है। इसी पुल के पास ट्रैफिक सिग्नल है। इस रेलवे पुल से दर्जनों ट्रेनें रोज गुजरती है। लोगों को ऊपर ट्रेनों के टॉयलेट का पानी गिर रहा था। नहा धोकर तैयार हो कर आफिस, धार्मिक स्थल और कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोग भी रेलवे की कृपा से गंदे पानी का शिकार हो जाते है। ट्रैफिक का ग्रीन सिग्नल होने के बाद भी गंदगी से बचने के लिए ट्रेनों के गुजरने के दौरान कुछ देर के लिए पुल के पहले ही खड़े हो जाते है। जिससे कुछ समय के लिए आवागमन में भी व्यवधान रहता है। इसी तरह कुछ अन्य रानीगंज, जेम्स स्ट्रीट, सिकंदराबाद आरक्षण कार्यालय के पास, मल्काजगिरी के चन्द्रगिरी कालोनी आदि जगहों पर स्थित रेलवे के ओवर ब्रिजों में कुछ-कुछ कमियां है।

हार्ट अटैक के बाद जमीन पर गिरा शख्स, ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने बचाई जान

हैदराबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के हैदराबाद में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी की सूझबूझ और तुरंत की गई कार्रवाई ने एक शख्स की जान बचाने में मदद की है। दरअसल, एक शख्स हार्ट अटैक के बाद सड़क पर गिर गया था। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी राजशेखर उस शख्स को सीपीआर दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सीपीआर यानी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक जीवन रक्षक तकनीक है, जो आपात स्थिति में व्यक्ति की जान बचाने में उपयोगी होती है, जैसे दिल का दौरा या डूबने की स्थिति में।

इस वीडियो को तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव थन्नेरू ने भी ट्वीट किया है, जिसमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी हार्ट अटैक के कारण जमीन पर गिरे शख्स का सीना तब तक दबाता है, जब तक की वह प्रतिक्रिया नहीं देता। साइबराबाद पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने व्यक्ति की जान बचाने के लिए पुलिस अधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि राज्य सरकार फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मचारियों और वर्कर्स को सीपीआर में प्रशिक्षित करेगी क्योंकि ऐसे मामले बढ़ रहे हैं।

थन्नेरू ने कहा, राजेंद्रनगर पुलिस थाने के ट्रैफिक पुलिसकर्मी राजशेखर ने तुरंत सीपीआर देकर जान बचाने में सराहनीय काम किया है, इसकी प्रशंसा करते हैं। तेलंगाना सरकार इस तरह की घटनाओं की बढ़ती खबरों को देखते हुए अगले सप्ताह सभी फ्रंटलाइन कर्मचारियों और वर्कर्स को सीपीआर का प्रशिक्षण देगी।

सार्वजनिक स्थानों जैसे जिम और विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान हार्ट अटैक के कारण लोगों के गिरने के वीडियो अक्सर सामने आते रहे हैं। इसने चिकित्सा पेशेवरों के बीच बहस और सार्वजनिक मंचों पर इन अटकलों को जन्म दिया है कि क्या युवा वयस्कों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से आम हो रहे हैं।

जिम में 24 साल के कांस्टेबल की हार्ट-अटैक से मौत

पुशअप्स के बाद सीने में दर्द हुआ, 15 सेकंड में जान गई

हैदराबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों में जिम में हार्ट अटैक से मौत के मामले बढ़े हैं। ताजा मामला हैदराबाद का है, गुरुवार को यहां एक जिम में वर्कआउट के दौरान पुलिस कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान 24 साल के विशाल के रूप में हुई है।

घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विशाल पुशअप्स करता नजर आ रहा है।

इसके बाद विशाल वॉर्मअप करता है। वीडियो में देखकर लग रहा है कि वॉर्मअप के दौरान ही विशाल के सीने में दर्द शुरू हो जाता है। विशाल जिम की मशीन का सहारा लेकर संभलने की कोशिश करते हैं, लेकिन महज 15 सेकंड में उनकी मौत हो जाती है।

इस दौरान जिम में मौजूद लोग विशाल के पास आए और उसे संभालने की कोशिश की। जिम में मौजूद लोगों ने बताया कि विशाल जिम में बेसुध होकर गिर पड़े थे। इसके बाद हम उन्हें पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक विशाल बोवेनपल्ली का रहने वाला था और आसिफ नगर थाने में तैनात था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.